@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 7 दिसम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 33 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

विमानन कंपनियों की मनमानी पर पांच दिन बाद जागी सरकार

● बेतहाशा बढ़ते हवाई किराये पर सरकार सख्त, इंडिगो संकट पर मंत्रालय बोला- सभी रूटों लागू होगी किराया सीमा

एजेंसी
नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन संकट के बीच यात्रियों से अत्यधिक किराया वसूलने वाली अन्य पर हवाई किराए की अधिकतम सीमा तय कर दी है। मंत्रालय की ओर से सभी एयरलाइंस को एक आधिकारिक निर्देश जारी किया गया

एयरलाइनों पर कार्रवाई करते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को अपनी नियामक शक्ति का इस्तेमाल करके सभी प्रभावित मार्गों है, जिसमें अब तय की गई किराए की अधिकतम सीमा का सख्ती से पालन करने का आदेश दिया गया है। आदेश के मुताबिक, एयरलाइन तय की गई इस नई सीमा से ज़्यादा किराया नहीं वसूल सकतीं। यह नियम तब तक लागू रहेगा जब तक इंडिगो की स्थिति पूरी तरह से सुधर नहीं जाती और उड़ानें सामान्य नहीं हो जातीं। सरकार ने कहा है कि यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि संकट में फंसे यात्रियों का किसी भी तरह से शोषण होने से रोक सकें और जिन नागरिकों को तुरंत यात्रा करने की जरूरत है, जिनमें वरिष्ठ नागरिक, छात्र और मरीज शामिल हैं, उन्हें इस दौरान वित्तीय कठिनाई का सामना न करना पड़े।

उल्लेखनीय है कि मंत्रालय अब इन एयरलाइन पर लगातार नजर रखेगा। वे एयरलाइंस और ऑनलाइन टिकट बेचने वाली वेबसाइटों से वास्तविक समय डेटा लेते रहेंगे। अगर कोई एयरलाइन तय कीमत से ज़्यादा किराया लेती पाई गई, तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

सरकार का निर्देश- इंडिगो बिना देरी पैसेंजर्स को रिफंड दे: 48 घंटे में सामान लौटाए

सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने इंडिगो से कहा है कि वह रविवार रात 8 बजे तक फ्लाइट्स में रुकावट से प्रभावित यात्रियों के लिए टिकट रिफंड प्रोसेस पूरा करे। साथ ही कहा कि एयरलाइन यह पक्का करे कि फ्लाइट कैंसिल होने की वजह से यात्रियों से अलग किया गया सारा सामान अगले 48 घंटों के अंदर डिलीवर हो जाए।

कांग्रेस सांसद सेंथिल ने इंडिगो उड़ान संकट को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस सांसद शशिकांत सेंथिल ने देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो के उड़ान संकट को लेकर केंद्र सरकार पर मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लोग अपने सामानों के साथ हवाई अड्डों पर जूझ रहे हैं लेकिन देश में किसी भी जिम्मेदार को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। कोई भी यात्रियों की मदद करने को तैयार नहीं है। सरकार बताए कि इंडिगो बाजार में 60 से 65 फीसदी हिस्सेदारी के साथ एकाधिकार वाली विमानन कंपनी कैसे बन गई? सांसद सेंथिल ने यहां कांग्रेस मुख्यालय में शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि लोगों को घंटों एयरपोर्ट पर बिना भोजन-पानी के इंतजार करना पड़ रहा है, बुजुर्गों व बच्चों के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं है। कई यात्री परीक्षाओं, जरूरी कार्यक्रमों और पारिवारिक आपात स्थितियों में शामिल नहीं हो पाए। देश में पिछले 4-5 दिन हवाई यात्रा इतिहास के सबसे बुरे दिन रहे हैं। कल एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं, आज भी 600 से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। लाखों यात्री फंसे हुए हैं और किसी जिम्मेदार को कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि जनवरी-मार्च 2024 के लिए बदले गए डीजीसीए के नए नियमों पर कार्रवाई पहले क्यों नहीं की।

यात्रियों ने प्लेन के नीचे जमीन पर रात बिताई

नई दिल्ली। क्रू मेंबर की कमी का सामना कर रही इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट्स कैंसिल होने से एयरपोर्ट पर सूटकेस के ढेर पड़े हैं। 3 से 4 दिनों से लोगों को सामान नहीं मिला है। फ्लाइट का इंतजार कर रहे लोगों ने जमीन पर रात गुजारी। फ्लाइट कैंसिल होने के चलते बेंगलुरु एयरपोर्ट पर यात्री रोते नजर आए। वहीं यात्री प्लेन के खड़े करने की जगह यानी एप्रन तक पहुंच गए और यहीं जमीन पर रात बिताते नजर आए। एक यात्री के साथ आई बिल्ली भी फ्लाइट के इंतजार में परेशान नजर आई।

मुर्शिदाबाद में रखी गई नई बाबरी मस्जिद की नींव

एजेंसी
नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद की आधारशिला रखी। कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंच पर मौलवियों के साथ फीता काटकर औपचारिकता पूरी की। इस दौरान नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के नारे लगाए गए। कार्यक्रम में 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी। बंगाल के अलग-अलग जिलों से आए लोगों में कोई अपने सिर, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली तो कोई रिक्शा या वैन से ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा था। कार्यक्रम को

लेकर बेलडांगा समेत आसपास का इलाका आज सुबह से हाई अलर्ट पर है। बेलडांगा और उसके आसपास सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की 19 टीमें, रैपिड एक्शन फोर्स, बीएसएफ, स्थानीय पुलिस की कई टीमों समेत 3 हजार से ज्यादा जवान तैनात हैं।

हुमायूं कबीर ने 25 नवंबर को कहा था कि वे 6 दिसंबर को अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस के 33 साल पूरे होने पर बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखेंगे। टीएमसी ने 4 दिसंबर को हुमायूं कबीर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया था। कार्यक्रम से पहले हुमायूं कबीर ने शनिवार को कहा था कि हिंसा भड़काकर कार्यक्रम को बाधित करने की साजिशें रची जा रही हैं। लेकिन मैं बेलडांगा में मस्जिद की नींव रखूंगा। कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकती। हम कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करेंगे।

परीक्षा पे चर्चा का 9वां संस्करण जनवरी में होगा आयोजित

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से संवाद का प्रमुख कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' (पीपीसी) अपने 9वें संस्करण के साथ जनवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा। परीक्षा से जुड़ी चिंताओं, सकारात्मक तैयारी और परीक्षा को उत्सव की तरह मनाने की सोच पर आधारित इस अनूठे कार्यक्रम में देश-विदेश के प्रतिभागी प्रधानमंत्री से संवाद करते हैं। शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि कार्यक्रम के प्रतिभागियों के चयन के लिए एक ऑनलाइन एमसीक्यू आधारित प्रतियोगिता माईगव पोर्टल पर एक दिसंबर 2025 से 11 जनवरी 2026 तक आयोजित की जा रही है। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। पंजीकरण पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को माईगव की ओर से सहभागिता प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

परीक्षा पे चर्चा का 8वां संस्करण 10 फरवरी 2025 को प्रसारित हुआ था, जो नई दिल्ली के सुंदर नर्सरी में एक नवाचारपूर्ण स्वरूप में आयोजित किया गया था। इसमें देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 36 प्रतिनिधि छात्रों ने हिस्सा लिया था। सरकारी स्कूलों, केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, सैनिक स्कूलों, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों और सीबीएसई स्कूलों के विद्यार्थी इसमें शामिल हुए थे।

नेशनल हेराल्ड केस

ईडी ने कर्नाटक के उपमुयमंत्री डी.के. शिवकुमार को फिर भेजा नोटिस

एजेंसी
बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को एक बार फिर नोटिस जारी किया है। डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को इसकी जानकारी और इसे राजनीति से प्रेरित बताया। डी.के. शिवकुमार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि नेशनल हेराल्ड और यंग इंडिया संगठन कांग्रेस पार्टी के अधीन कार्यरत हैं। पार्टी के कठिन समय में कांग्रेस नेताओं ने ट्रस्टों के माध्यम से इन संस्थानों की आर्थिक सहायता की थी। शिवकुमार ने बताया कि ईडी से नोटिस मिलने के बाद सभी आवश्यक दस्तावेज और जानकारी उपलब्ध करा दी गई हैं, साथ ही चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है। अब दिल्ली पुलिस ने उन्हें 19 दिसंबर तक उपस्थित होकर जानकारी देने को कहा है। उन्होंने पूरे मामले को राजनीतिक दबाव और उत्पीड़न बताकर इसकी निंदा की। साथ ही कहा कि वे इस मामले से कानूनी तरीके से निपटेंगे।

भूपेंद्र धवन को आयरन स्पोर्ट्स में बेहतरीन योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली। आज नई दिल्ली के द लीला पैलेस में आयोजित एक खास कार्यक्रम में, ग्लोबल स्ट्रेंथ स्पोर्ट्स सेलिब्रिटी फेडरेशन (लंदन, यूके) गर्व से सम्मानित करता है कि भारत के श्री भूपेंद्र धवन को पिछले 35 सालों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयरन गेम्स (बॉडीबिल्डिंग और पावरलिफ्टिंग) के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस साल का अवॉर्ड समारोह 22 नवंबर 2025 को लंदन में हुआ था। पहले से तय प्रोफेशनल कामों के कारण, श्री धवन इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए थे। आज नई दिल्ली के द लीला पैलेस में आयोजित एक खास कार्यक्रम में, फेडरेशन की प्रेसिडेंट सुश्री हैने बिंगल MBE ने ग्लोबल स्ट्रेंथ स्पोर्ट्स सेलिब्रिटी फेडरेशन की ओर से उन्हें यह अवॉर्ड औपचारिक रूप से प्रदान किया। फेडरेशन श्री भूपेंद्र धवन को उनके जीवन भर के समर्पण, नेतृत्व और असाधारण उपलब्धियों के लिए दिल से बधाई देता है, जिन्होंने भारतीय स्ट्रेंथ स्पोर्ट्स को वैश्विक मंच पर ऊंचा उठाया है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बाबा बैद्यनाथ धाम में की पूजा-अर्चना

एजेंसी
रांची। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने झारखंड के देवघर में शनिवार की सुबह बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में पूजा-अर्चना की और राज्य व देश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान पूर्वमंत्री अमर कुमार बाउरी, भानू प्रताप शाही, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, सांसद निशिकांत दुबे, आदित्य साहू, दीपक प्रकाश और बिरांची नारायण जैसे वरिष्ठ भाजपा नेता मौजूद रहे। नड्डा ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर बातचीत भी की, जबकि मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं व नेताओं की भारी भीड़ जुटी। इस अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और नेताओं की अच्छी-खासी भीड़ देखी गई। बैद्यनाथ धाम में उनकी पूजा-अर्चना को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर रखी थी।

मध्य प्रदेश के राजभवन का नाम बदला, अब हुआ लोक भवन

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित राजभवन का नाम बदल दिया गया है। अब यह लोक भवन हो गया है। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को दोपहर में राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुलागात की, इसके बाद राजभवन के मुख्य द्वार पर लगी पुरानी पट्टिका हटाकर 'लोक भवन' की नई पट्टिका लगा दी गई। दरअसल, केंद्र सरकार ने दो दिन पहले देशभर के राजभवनों का नाम बदलकर 'लोक भवन' करने का निर्णय लिया था। इसके बाद माना जा रहा था कि मध्य प्रदेश में भी जल्द राजभवन का नाम बदल जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को लोकभवन पहुंचे और राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को पुष्प-गुच्छ भेंटकर अभिवादन किया।

हम बाबा साहेब के विचारों और संविधान की रक्षा करते हैं: राहुल गांधी

अंबेडकर एक आइकन हैं : राहुल गांधी

एजेंसी
नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को डॉ बीआर अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। राहुल गांधी ने मीडिया से कहा कि बाबा साहेब में देश को संविधान दिया और हम संविधान की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा, 'अंबेडकर एक आइकन हैं। उन्होंने पूरे देश को एक रास्ता दिखाया, उन्होंने हमें संविधान दिया। इसलिए हम उन्हें याद करते हैं और उनके विचारों और संविधान की रक्षा करते हैं।' एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने लिखा, बाबासाहेब अंबेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। समानता, न्याय और मानवीय गरिमा की उनकी अनमोल विरासत संविधान की रक्षा करने के मेरे संकल्प को मजबूत करती है और एक ज्यादा समावेशी, दयालु भारत के लिए हमारे सामूहिक संघर्ष को प्रेरित करती है। 'कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पर लिखा, 'स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री, प्रसिद्ध वकील, राजनेता और संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ

भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें सादर नमन। बाबासाहेब ने देश में स्वतंत्रता, समता, न्याय और बंधुत्व के विचार को आगे बढ़ाया और संविधान के माध्यम से शोषितों, वंचितों समेत हर एक भारतीय के अधिकार को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। बाबासाहेब के विचार सदैव देश का मार्गदर्शन करते रहेंगे।'

जब दुनिया मंदी की बात करती है, तो भारत प्रगति की गाथा लिखता है: पीएम नरेंद्र मोदी

● जब दुनिया बिखराव की ओर बढ़ रही है, तो भारत एक पुल बनाने वाला बन रहा है।

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट में भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समिट की थीम 'ट्रांसफॉर्मिंग टुमॉरो' पर बोलते हुए कहा कि हमारा पूर्वी भारत, नॉर्थ ईस्ट, हमारे गांव, हमारे देश की नारी शक्ति, भारत की इनोवेटिव यूथ पॉवर, ब्लू इकॉनमी, स्पेस सेक्टर, इतना कुछ है, जिसकी पूरी क्षमता का इस्तेमाल पहले हो ही नहीं पाया। पीएम मोदी ने कहा कि जब दुनिया मंदी की बात करती है, तो भारत प्रगति की कहानी लिखता है। जब दुनिया भरोसे के संकट को देख रही है, तो भारत भरोसे का पिलर बन रहा है। जब दुनिया बिखराव की ओर बढ़ रही है, तो भारत एक पुल बनाने वाला बन रहा है। उन्होंने कहा कि डायरेक्ट टैक्स सिस्टम में भी बड़ा रिफॉर्म हुआ है। 12 लाख रुपए तक की इनकम पर जीरो टैक्स एक ऐसा कदम रहा, जिसके बारे में एक दशक

पहले तक सोचना भी असंभव था। आज के भारत की यह यात्रा केवल विकास की नहीं, बल्कि सोच में बदलाव की भी यात्रा है। कोई भी देश बिना आत्मविश्वास के आगे नहीं बढ़ सकता है। दुर्भाग्य से लंबी गुलामी ने भारत के आत्मविश्वास को हिला दिया था। इसकी मुख्य वजह गुलामी की मानसिकता थी। आज का भारत गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले बैंक से हजार रुपए का भी लोन लेना होता था तो बैंक गारंटी मांगता था, क्योंकि अविश्वास बहुत था। हमने मुद्रा योजना से अविश्वास के इस कुचक्र को तोड़ा। इसके तहत अभी तक 37 लाख करोड़ रुपए का गारंटी-फ्री लोन दिया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि आज देश के बैंकों में हमारे ही देश के नागरिकों का 78 हजार करोड़ रुपया अनक्लेम्ड पड़ा है। इसी तरह से बीमा कंपनियों के पास लगभग 14 हजार करोड़ रुपए पड़े हैं। म्यूचअल फंड कंपनियों के पास तीन हजार करोड़ रुपए पड़े हैं। ये सब अनक्लेम्ड मनी है। ये पैसा गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का है। हमारी सरकार लोगों को खोजकर उनका पैसा लौटा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अभी 10-11 दिन पहले मैंने हैदराबाद में स्काईरूट के अनंत परिसर का उद्घाटन किया। स्काईरूट भारत की प्राइवेट स्पेस कंपनी है। ये कंपनी हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता पर काम कर रही है। ये कंपनी उड़ान के लिए तैयार विक्रम-1 बना रही है। सरकार ने प्लेटफॉर्म दिया और भारत का नौजवान उसपर नया भविष्य बना रहा है।

आईआरसीटीसी घोटाला

राबड़ी देवी की केस ट्रांसफर याचिका पर राहत नहीं, 9 दिसंबर को अगली सुनवाई

एजेंसी
नई दिल्ली। आईआरसीटीसी घोटाला मामले में बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की पत्नी राबड़ी देवी को शनिवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली। राबड़ी देवी ने स्पेशल जज विशाल गोंगने (जो इस मामले की नियमित सुनवाई कर रहे हैं) को हटाकर किसी दूसरे जज की बेंच में केस ट्रांसफर करने की मांग की थी। राबड़ी देवी की मांग पर अदालत में सुनवाई पूरी नहीं हो सकी। ऐसे में इस ट्रांसफर याचिका पर अगली सुनवाई अब 9 दिसंबर (मंगलवार) को होगी। शनिवार को हुई सुनवाई के दौरान राबड़ी देवी के वकील ने जज विशाल गोंगने पर गंभीर आरोप लगाए। वकील का दावा था कि जज पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं और जून 2026 तक जल्दबाजी में फैसला सुना देने का इरादा रखते हैं। उन्होंने कहा कि जज कई कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं कर रहे हैं। वकील ने यह भी कहा कि आरोप तय करने के समय उनके मुवक्किल को चुनाव के बीच दिल्ली बुलाया गया, जिससे उन्हें भारी असुविधा हुई। जज द्वारा आरोप तय करने के आदेश के तरीके पर भी

सवाल उठाए गए।राबड़ी देवी के वकील ने दलील दी कि इस मामले में कुल 103 आरोपी हैं, जिनमें ज्यादातर पटना सहित दूर-दराज के इलाकों से हैं। इनकी परेशानियों पर कोर्ट ध्यान नहीं दे रहा। शुक्रवार को एक आरोपी कोर्ट नहीं आ सका तो सीबीआई ने तुरंत जमानत रद्द करने की मांग शुरू कर दी। वकील का कहना था कि लालू परिवार को विशेष रूप से टारगेट किया जा रहा है।

इंडिगो फ्लाइट संकट : ये समय मुश्किल का है, लोग स्टॉफ से प्यार से बात करें : सोनू सूद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो में चल रहे संकट का असर चंडीगढ़ और अमृतसर में भी देखने को मिल रहा है। चंडीगढ़ की फ्लाइट्स शनिकार को भी लेट हैं और कई रद्द की जा रही हैं। इसको लेकर अभिनेता सोनू सूद ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें उन्होंने कहा कि मेरा खुद का परिवार इस मुश्किल में 4 घंटे फंसा रहा, लेकिन हम इन सब के लिए ग्राउंड स्टाफ को दोषी नहीं ठहरा सकते। उन्होंने कहा कि ये समय मुश्किल जरूर है, लेकिन लोगों को उनसे प्यार से बात करनी चाहिए।

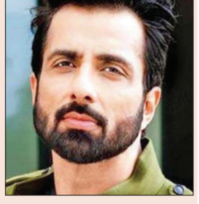

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चंडीगढ़ से एक यात्री ने बताया कि उनकी फ्लाइट शरिवार दोपहर 12.45 की थी, जिसे अब 3.30 पर शेड्यूल कर दिया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें मुंबई किसी जरूरी काम से जाना था, लेकिन फ्लाइट्स देरी से चल रही है। वहीं, नेशनल गेम्स के लिए विशाखापट्टनम जाने को तैयार रोलर स्केटिंग टीम भी परेशान हुई। फ्लाइट कैंसिल होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्री पूरी रात एयरपोर्ट पर ही फंसे रहे। उन्होंने कहा कि न खाने-पीने की व्यवस्था मिली और न ही रहने की। यात्रियों का कहना है कि पहुंचते ही पता चला फ्लाइट कैंसिल है, जबकि पहले कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई थी। बता दें इससे पहले शुक्रवार को दोनों एयरपोर्ट्स पर अफरा-तफरी जैसा माहौल दिखा। चंडीगढ़ में 15 तो अमृतसर में 4 फ्लाइट रद्द कर दी गईं। कुछ उड़ानों ने 1 से लेकर 5 घंटे तक की देरी से लैंडिंग और टेकऑफ किया। कोलकाता से चंडीगढ़ अपनी मां के अंतिम संस्कार में आईं श्रुति भी फंस गई।

500 से अधिक बच्चों के साथ कुकर्म करने के आरोप में क्रिकेट कोच गिरफ्तार

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी पुलिस द्वारा एक क्रिकेट कोच की गिरफ्तारी की है, जिस पर 500 से अधिक बच्चों के साथ कुकर्म करने का आरोप है। मामले में गिरफ्तार व्यक्ति मुरारीलाल उर्फ गौतम (45), क्रिकेट कोच है। कोच पर आरोप हैं कि 2020 से 500 से अधिक बच्चों के साथ कुकर्म करने का दावा किया। एक 14 वर्षीय और एक 15 वर्षीय लड़के के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ है। बच्चों को फ्री में क्रिकेट प्रशिक्षण देने और सिलेक्शन दिलाने का झांसा देकर शोषण करता था। वाराणसी की भेलूपुर पुलिस की टीम ने गिरफ्तार किया। जब पुलिस आरोपी को मीडिया के सामने लाई, तो वह घुटने के बल बैठकर रोने लगा। आरोपी ने पुलिस से कहा कि साहब अब हमको जीने की इच्छा नहीं है। पुलिस अधिकारी-एसीपी गौरव कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि की। यह अपराध पॉक्सो एक्ट (पॉस्को कानून) के तहत एक गंभीर श्रेणी का अपराध है। आरोपी मुरारीलाल 2021 में भी थाना लंका से जेल जा चुका है। उस समय उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 370 के तहत कार्रवाई हुई थी। आरोपी ने 2016 में अपना घर-संपत्ति बेचकर क्रिकेट कोचिंग शुरू की थी। वह सीरगोवर्धन में किराए के कमरे में रहता था और यहीं से विभिन्न ग्राउंड में प्रशिक्षण देता था, जहां भोले-भाले बच्चों को निशाना बनाता था। यह एक अत्यंत गंभीर और संवेदनशील मामला है, जिस पर भेलूपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में महसूस किए गए भूकंप के झटके

चंबा (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा में बीती रात भूकंप के झटके महसूस हुए। इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप जमीन के भीतर 10 किलोमीटर गहराई पर आया। इन झटकों को तीन से चार बार महसूस हुआ। एनसीएस के अनुसार, भूकंप रात 11 बजकर 36 मिनट पर आया। अब तक इससे किसी भी प्रकार के जान और माल के नुकसान की सूचना नहीं है। जिन लोगों ने झटके महसूस किए, वह घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, झटकों की तीव्रता कम होने की वजह से ज्यादातर लोग इन झटकों को महसूस नहीं कर पाएं। चंबा जिला भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील यानी जोन 6 में है। इसलिए यहां बार-बार भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। 14 दिन पहले भी यहां पर रात 12 बजे के बाद भूकंप आया था।

गोल्डी बराड़ ने लॉरेंस बिश्नोई को दी धमकी...क्या पंजाब में बढ़ेगा गैंगवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ द्वारा जारी एक ऑडियो संदेश में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर इंद्रप्रीत पैरी की हत्या करवाने का आरोप लगाकर खुली धमकी दी है। गोल्डी बराड़ ने ऑडियो मैसेज में इंद्रप्रीत पैरी हत्याकांड के संबंध में बात कही गई है। बराड़ ने दावा किया है कि लॉरेंस बिश्नोई ने खुद इंद्रप्रीत पैरी को चंडीगढ़ में एक जगह पर फोन करके बुलाया और फिर मरवा दिया। गैंगस्टार बराड़ ने बताया कि इंद्रप्रीत पैरी ने लॉरेंस बिश्नोई के साथ हुई पूरी बातचीत की रिकॉर्डिंग की थी। लॉरेंस ने विक्की टेले के माध्यम से पैरी से संपर्क किया था, जिसने पैरी से कहा था कि लॉरेंस भाई तुमसे बात करना चाहते हैं। रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि जब पुलिस इंद्रप्रीत पैरी को पकड़ नहीं पा रही थी, तब लॉरेंस बिश्नोई ने फोन कर सीधी बात करने का झांसा दिया। लॉरेंस ने पैरी को सेक्टर 10 या 26 जाकर एक लड़के से मिलने को कहा, जो उसे एक फोन देगा जिससे वह लॉरेंस से सीधी बात कर सकता है। लॉरेंस ने फोन पर उससे काफी देर तक हंस-हंसकर बातें कीं और उसे विश्वास में ले लिया। गोल्डी बराड़ के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई ने पैरी को झांसे में लेकर निहत्था बुलाया, और हत्या इस तरह हुई। योजना के मुताबिक इंद्रप्रीत पैरी जब लॉरेंस की बताई जगह पर चंडीगढ़ पहुंचा, तब वहां उस एक लड़का मिला। इसके बाद वह लड़का इंद्रप्रीत पैरी को गाड़ी में बैठाकर कहीं चला गया। गाड़ी में बैठते ही उस लड़के ने पैरी को 5 गोलियां मारीं। गाड़ी से निकलने के बाद भी पैरी पर 2 गोलियां मारी गईं। गोल्डी बराड़ ने लॉरेंस बिश्नोई को अंजाम भुगतने की खुली धमकी देकर गद्दारी करार दिया है। बराड़ ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई ने एक दोस्त को बुलाकर मरवाया है, जो कि दोस्त की पीठ में छुरा घोपने जैसा है। उन्होंने याद दिलाया कि वे सब एक समय भाइयों की तरह थे और 18 सालों तक साथ काम किया। गोल्डी बराड़ ने लॉरेंस बिश्नोई को धमकी देते हुए कहा, लॉरेंस को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। तेरा भी बुरा हाल होगा। यह ऑडियो मैसेज दोनों गैंगस्टरों के बीच गैंगवार की नौबत पैदा कर रहा है। पुलिस द्वारा तीन मिनट की फोन रिकॉर्डिंग की जांच की जा रही है।

बाबरी विध्वंस को ओवैसी ने बताया काला दिवस और पीएम के 'घाव भरने' वाले बयान पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। बाबरी मस्जिद विध्वंस की 6 दिसंबर को बरसी पर एआईएमआईएम प्रमुख एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसे भारत के इतिहास का काला दिन बताते हुए केंद्र सरकार और न्यायपालिका के कुछ पहलुओं पर तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं। ओवैसी ने आरोप लगाया कि 1992 में बाबरी मस्जिद पुलिस की मौजूदगी में ढहाई गई, जबकि सुप्रीम कोर्ट से यह वादा किया गया था कि ढांचे को छुआ भी नहीं जाएगा।

सांसद ओवैसी ने अपने संबोधन में कहा, कि संघ परिवार से जुड़े वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती ने अदालत को भरोसा दिया था, कि मस्जिद को नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा, लेकिन दुनिया की आंखों के सामने मस्जिद को शहीद कर दिया गया। उन्होंने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में 1949 की घटना को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के मस्जिद में मूर्तियां रखे जाने की कार्रवाई बताया था। यहां ओवैसी यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से माना था कि 6 दिसंबर 1992 की घटना कानून के शासन का उल्लंघन थी, फिर भी ट्रायल कोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया और केंद्र सरकार ने इस फैसले को चुनौती नहीं दी। उन्होंने सवाल उठाया, कि अगर कोई दोषी नहीं, तो फिर मस्जिद किसने गिराई?

जख्म भरने वाले बयान पर उठाया सवाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान पर भी उन्होंने निशाना साधा, जिसमें कहा गया था कि 500 साल पुराने ज़ख्म भरे जा रहे हैं। ओवैसी ने सवाल किया, जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मंदिर तोड़कर मस्जिद नहीं बनाई गई, तो प्रधानमंत्री किस ज़ख्म की बात कर रहे हैं? ज़ख्म तो संविधान और कानून के शासन को दिया गया। इसी के साथ ही उन्होंने एक सेवानिवृत्त जज के बयान पर भी सवाल उठाया, जिन्होंने रिटायरमेंट के बाद कहा कि मस्जिद मंदिर तोड़कर बनाई गई थी। ओवैसी ने पूछा कि ऐसा विचार निर्णय में क्यों नहीं लिखा गया।

ओवैसी ने दावा किया कि अयोध्या पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आस्था के आधार पर दिया गया। साथ ही उन्होंने प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट की अनदेखी और मस्जिदों पर बढ़ते मुकदमों पर चिंता जताई। अंततः उन्होंने देश को सभी धर्मों का बराबर बताया और मुस्लिम समाज विशेषकर महिलाओं में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा, जब हमारी बेटियां शिक्षित होंगी, तभी भारत मजबूत होगा।

बंगाल में तनाव : बाबरी मस्जिद के लिए ईंटें लेकर निकले हुमायू समर्थक

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडंगा में एक नया विवाद खड़ा कर दिया गया। यहां निलंबित तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक हुमायूं कबीर ने 1992 में अयोध्या में ढहाई गई मूल बाबरी मस्जिद की कॉपी के रूप में एक नई मस्जिद की नींव रखने का ऐलान किया है। यह कार्यक्रम 6 दिसंबर यानी आज होने वाला है, जो बाबरी मस्जिद विध्वंस की 33वीं वर्षगांठ का दिन भी है। इस ऐलान ने राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर हंगामा मचा दिया है, और स्थानीय प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था तैनात कर दी है। इस बीच कई समर्थक ईंटें लेकर बेलडंगा पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम के समर्थन में उत्तर बरासात के निवासी मोहम्मद शफीकुल इस्लाम सहित सैकड़ों लोग सुबह से ही सिर पर ईंटें लादकर बेलडंगा की ओर कूच कर रहे हैं। एएनआई से बात करते हुए शफीकुल इस्लाम ने कहा- मैं वहां जाऊंगा जहां हुमायूं कबीर बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे। ये ईंटें मस्जिद निर्माण के लिए मेरा योगदान होंगी। सोशल मीडिया पर बाबरी मस्जिद जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं, जहां समर्थक कार्यक्रम को न्याय की मांग बता रहे हैं। हुमायूं कबीर भरतपुर विधानसभा क्षेत्र से टीएमसी के विधायक हैं। उन्होंने पिछले महीने सोशल मीडिया पर इस कार्यक्रम की घोषणा की थी। उन्होंने कहा- हम 6 दिसंबर को बेलडंगा, मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे। यह निर्माण तीन साल में पूरा होगा और इसमें विभिन्न मुस्लिम नेता भाग लेंगे। कबीर ने दावा किया है कि यह मस्जिद 20 बीघा जमीन पर बनेगी, जिसकी अनुमानित लागत 125 करोड़ रुपये है। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रम में करीब तीन लाख लोग शामिल होंगे, जो राष्ट्रीय राजमार्ग-12 (एनएच-12) को प्रभावित कर सकता है। कबीर ने टीएमसी नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा- मैं अपनी जान की परवाह नहीं करता। बाबरी मस्जिद हमारी ट्रस्ट की जमीन पर बनेगी। अगर प्रशासन रोकने की कोशिश करेगा, तो रेजिनगर से बहरामपुर तक हाईवे जाम हो जाएगा। निलंबन के बाद उन्होंने 22 दिसंबर को नई राजनीतिक पार्टी लॉन्च करने और 2026 के विधानसभा चुनाव में 135 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की बात कही।

पुतिन से राहुल गांधी की मुलाकात न होने पर बिफरा विपक्ष, अधीर रंजन ने साधा निशाना

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी से उनकी मुलाकात नहीं कराए जाने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। लोकसभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि विदेशी मेहमानों का विपक्षी नेता से मिलना आजादी के बाद से चली आ रही परंपरा है, लेकिन मोदी सरकार जान-बूझकर इसे तोड़ रही है।

अधीर रंजन ने कहा, ऐसा नहीं होना चाहिए था, लेकिन हो रहा है। राहुल गांधी के साथ पुतिन साहब की मुलाकात का इंतजाम सरकार को करना चाहिए था। यह हमारी सदियों पुरानी परंपरा है। पता नहीं पीछे से कौन-सी रस्सी खींची जा रही है कि मुलाकात की कोई योजना ही नहीं बनी। यह देश की परंपरा पर भारी चोट है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पुतिन को रूसी भाषा में अनुवादित भगवद्गीता भेंट करने का जिक्र करते हुए तंज कसा, मोदी जी ने पुतिन को गीता दी, इसमें हमें कोई आपत्ति नहीं। पुतिन साहब भी मोदी जी को बाइबल भेंट कर सकते हैं, अगर वो पढ़ना चाहें। लेकिन आपत्ति सिर्फ एक बात की है - विपक्ष के नेता को मिलने वाला सम्मान छीना जा रहा है।

गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी संसद परिसर में यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विदेशी डेलिगेशनों को स्पष्ट निर्देश दे रही है कि वे विपक्षी नेता से न मिलें। राहुल ने कहा, भारत के संबंध सबके साथ हैं। विपक्ष का नेता एक अलग परिप्रेक्ष्य देता है। हम भी भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। सरकार नहीं चाहती कि विदेशी मेहमान हमसे मिलें और हमारा नजरिया सुनें। कांग्रेस का कहना है कि नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक के कार्यकाल में हर विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख ने विपक्षी नेता से मुलाकात की थी। पुतिन की इस यात्रा में भी राहुल गांधी से मुलाकात का कोई कार्यक्रम नहीं रखा गया, जिसे विपक्ष लोकतंत्र पर हमला बता रहा है।

विपक्ष के सबसे बड़े मुद्दे ईवीएम हैक पर बोले उमर... पिता फारुख को भी यहीं लगता

-बीजेपी की चुनावी रणनीति के मुरीद हुए उमर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विपक्ष के सबसे बड़े मुद्दे ईवीएम हैक को लेकर एक अलग ही राय दी है। एक कार्यक्रम में अब्दुल्ला ने कहा कि वह उन लोगों में से नहीं हैं, जो यह मानते हैं कि ईवीएम हैक होती है या कुछ और होता है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उनकी पिता (फारुख अब्दुल्ला) से भी नहीं बनती है, क्योंकि उनका मानना है कि मशीन में गड़बड़ होती है लेकिन वह ऐसा नहीं मानते।

सीएम उमर ने कहा, मैं ऐसा नहीं मानता कि मशीन (ईवीएम) में चोरी होती है। यह बात मुझे घर में भी परेशानी पैदा करती है, क्योंकि मेरे पिता को ऐसा लगता है कि चोरी होती है। उन्होंने कहा, 'हां, चुनाव के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। यहाँ मतदाता सूची के साथ करके या फिर विधानसभा क्षेत्र में बदलाव करके भी की जा सकती है। जम्मू कश्मीर में पहले जो डिमिलिटेशन हुआ वह छेड़छाड़ थी। अपने नई विधानसभा बनाई वह सब एक ही पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया। अगर सही से की जाती है, तब हम साथ है, लेकिन अगर इसतरह के गलत इरादे के साथ, एक ही पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए होता हैं, ये सही नहीं।

इसके पहले उमर अब्दुल्ला ने इंडिया ब्लॉक को लेकर भी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि हमें या एक साथ रहना होगा या फिर हम राज्यों के हिसाब से चुनाव लड़ सकते हैं कि हर राज्य में अलग-अलग गठबंधन के साथ चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय पार्टियां कितना भी जोर लगा लें लेकिन एक केंद्र स्तर के गठबंधन के लिए हमें कांग्रेस का साथ चाहिए। एक गठबंधन कांग्रेस के आसपास ही बनेगा क्योंकि भाजपा के अलावा कांग्रेस ही है जिसका पूरे देश में प्रभाव रहा है।

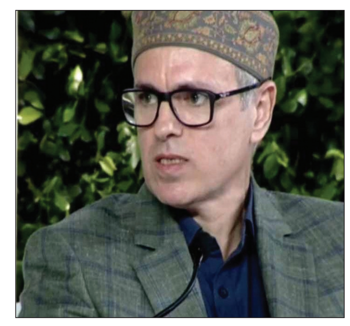

भाजपा की चुनावी नीति की तारीफ करते हुए उमर ने कहा कि उनके नेता हर चुनाव को पूरी ताकत के साथ लड़ते हैं। वे इसतरह से लड़ते हैं जैसे उनका जीवन इसी पर टिका हुआ है। बिहार चुनाव के बाद वह वहां से निकलकर अगले चुनाव वाले राज्यों में पहुंच गए हैं, लेकिन हम वहां चुनाव के दो महीने पहले पहुंचते हैं। इसतरह से फिर चुनाव के नतीजों पर भी अंतर पड़ता है।

पंजाब से दिल्ली तक शीतलहर का अलर्ट अब बारिश के साथ पड़ेगी जोरदार ठंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण ने लोगों की नाक में दम कर रखा है। अभी उससे निजात नहीं मिली है लेकिन कड़ाके की ठंड ने भी दिल्ली-एनसीआर में दस्तक दे दी है। अब, मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में ठंड अभी और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि पहाड़ों पर बने पश्चिमी विक्षोभ की वजह से जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में तीन दिनों यानी कि 8 दिसंबर तक भारी बारिश के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने की संभावना है। इसकी वजह से दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश (यूपी) में कड़ाके की ठंड बढ़ने की संभावना है। वहीं, मौसम विभाग ने बिहार-झारखंड के साथ नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की है।

कफ सीरप मामले में कब चलेगा बाबा का बुलडोजर, अखिलेश का तंज... चाबी खो गई या ड्राइवर भाग गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाराणसी (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कफ सीरप मामले में योगी सरकार पर सवाल उठा दिए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई नहीं होने को लेकर योगी सरकार की बुलडोजर नीति पर तंज कसा है। उन्होंने कफ सीरप मामले में शुभम सहित अन्य सभी के घर बुलडोजर चलाने की तारीख पूछी है।

अखिलेश ने कहा कि यूपी सरकार में बाबा का जो बुलडोजर न्याय देता था, वहां अभी बुलडोजर कहां है? क्या बुलडोजर की चाबी खो गई या ड्राइवर ही बुलडोजर छोड़कर भाग गया? अब तक यहां कोई सुनवाई नहीं होती थी केवल बुलडोजर चलता था, अब कफ सीरप माफिया पर क्यों नहीं चल रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कफ सीरप कांड में एसटीएफ के लोग शामिल हैं, इसलिए बाबा बुलडोजर नहीं चल रहा है। जो लोग दबाना चाहते हैं उसमें सबसे ज्यादा जौनपुर के लोग शामिल हैं। इन सभी को वहां पर कौन पोस्टिंग दिलाता था इसकी भी जांच होनी चाहिए। जौनपुर में एक यादव को चंद रुपयों के आरोप में गोली मारकर फेंक एनकाउंटर किया गया। अमेठी में भी एक स्वजातीय को मारा। जबकि असली आरोपियों की गिरफ्तारी, बुलडोजर या अन्य कार्रवाई में लेटलतीफी हो रही है।

अखिलेश यादव ने कफ सीरप माफिया शुभम जायसवाल का वीडियो आने के बाद पूरी सरकारी मशीनरी और वाराणसी सहित यूपी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा दिए हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि बनारस सहित कई प्रदेशों में यह कफ सीरप कारोबार नेटवर्क फैला हुआ है। इस नेटवर्क में प्रशासनिक अफसर, पुलिस अफसर, भारतीय जनता पार्टी के लोग शामिल हैं।

शुभम का वीडियो चैनल पर चलने का मतलब है, योगी सरकार के लोगों को पता है कि वह आरोपी शुभम कहां है और अगर सफाई देनी है, तब शुभम को भारत में आकर अपनी बात रखनी चाहिए। जो लोग उन्हें दोषी लगते हैं, सरकार के सामने खुलेआम उनका नाम उजागर करना चाहिए। वहीं यह भी पूछा की आरोपी शुभम के घर और संपत्तियों पर कब बुलडोजर चलेगा।

आंध्र प्रदेश में फैल स्क्रब टाइफस बीमारी, अब तक तीन महिलाओं की मौत, एक भर्ती

-बीमारी के लक्षण- तेज बुखार, उल्टी, सिरदर्द-शरीर दर्द, थकान और सांस लेने में दिक्कत

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कई जिलों में इन दिनों एक खतरनाक बीमारी तेजी से फैल रही है, जिसका नाम स्क्रब टाइफस है। छोटे कीड़ों के काटने से फैलने वाली इस बीमारी से अब तक तीन महिलाओं की मौत हो चुकी है, जबकि एक व्यक्ति अस्पताल में भर्ती है और उसका इलाज जारी है।

हेल्थ विशेषज्ञों के मुताबिक इस बीमारी की चपेट में आने वाले मरीजों में तेज बुखार, उल्टी, सिरदर्द, शरीर दर्द, थकान और सांस लेने में दिक्कत जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। समय पर इलाज न मिलने पर यह बीमारी जानलेवा साबित हो सकती है। यह बीमारी नई नहीं है, बल्कि सालों से आंध्र प्रदेश में हर साल इसके सैकड़ों मामले सामने आते रहे हैं। राज्य की हेल्थ अथॉरिटी के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2023 में स्क्रब टाइफस के 579 मामलों की पुष्टि हुई थी, जबकि 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 803 तक पहुंच गया।

2025 में 30 नवंबर तक 736 लोग इस संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं और अनुमान है कि दिसंबर के अंत तक मरीजों की संख्या में और तेजी से इजाफा हो सकता है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री वाई सत्यकुमार यादव ने लोगों से डरने के बजाय सावधानी बरतने की अपील की है और कहा है कि यह बीमारी मलेरिया और डेंगू जैसी है, जिसका इलाज संभव है। विशेषज्ञों के मुताबिक स्क्रब टाइफस एक बैक्टीरियल संक्रमण है, जो ओरिएंटिया त्सुत्सुगामुशी नामक बैक्टीरिया से फैलता है। यह बैक्टीरिया सीधे इंसानों में नहीं पहुंचता, बल्कि चिगर्स या लार्वल माइट्स नामक छोटे कीड़ों के काटने से शरीर में प्रवेश करता है।

रिपोर्ट के मुताबिक कीड़े के काटने के 6 से 10 दिन बाद बीमारी के लक्षण प्रकट होते हैं। कई बार जहां कीड़े ने काटा होता है वहां काले रंग का घाव दिखाई देता है, जिसे पहचानने में डॉक्टरों को काफी मदद मिलती है। गंभीर स्थिति में यह संक्रमण फेफड़ों, किडनी और मस्तिष्क तक भी फैल सकता है। इलाज में आमतौर पर एंटीबायोटिक दवाएं जैसे डॉक्सीसाइक्लिन दी जाती हैं, लेकिन इनका सेवन सिर्फ डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए।

रोकथाम के लिए विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि घास या खेतों में जाते समय फुल-स्लीव कपड़े पहनें, पैरों को पूरी तरह ढकें और कीड़ों से बचने वाले रिपेलेंट का इस्तेमाल करें। घर और आसपास की झाड़ियों को साफ रखें और खेतों में काम करते समय विशेष सावधानी बरतें। समय पर पहचान और सही उपचार से स्क्रब टाइफस से होने वाली मौतों को रोका जा सकता है, इसलिए बीमारी के लक्षण दिखते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

इंडिगो की 1000 से अधिक उड़ानें रद्द, रेलवे ने 4.89 लाख यात्रियों को दी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने शुक्रवार को एक साथ 1,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दीं, जिससे पूरे देश में हवाई यातायात ठप्प हो गया। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, अहमदाबाद समेत सभी बड़े हवाई अड्डों पर हजारों यात्री फंस गए। गुस्साए यात्रियों ने काउंटरों पर हंगामा किया। सामान को लेकर झगड़े हुए और कई जगह स्टाफ से बदसलूकी की खबरें आईं। दूसरी एयरलाइंस के टिकटों के दाम रातोंरात कई गुना बढ़ गए। इस संकट की सबसे बड़ी मार दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पड़ी, जहां एक दिन में सभी 235 घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं। हालांकि रेलवे ने 4.89 लाख यात्रियों को दी बड़ी राहत दी है।

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने वीडियो संदेश में इसे सिस्टम रीबूट करार दिया और कहा कि यह कदम ऑपरेशन को फिर से पटरी पर लाने के लिए जरूरी था। उन्होंने दावा किया कि शनिवार से रद्द उड़ानों की संख्या 1000 से काफी कम रहेगी और 10-15 दिसंबर तक स्थिति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी। कंपनी ने उड़ान रद्द होने की वजह पायलटों की कमी, खराब मौसम, तकनीकी खराबी और नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिट (एफडीटीएल) नियमों को बताया। खासकर नवंबर से लागू एफडीटीएल के दूसरे चरण में रात की ड्यूटी पर सख्ती बढ़ने से इंडिगो की तैयारी उजागर हो गई। पायलट यूनियनों का आरोप है कि कंपनी लंबे समय से जानबूझकर कम स्टाफ रख रही थी, जिसका खामियाजा अब यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है।

हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी का आलम यह था कि पुणे में 16 आगमन और 16 प्रस्थान, अहमदाबाद में 86 और मध्य प्रदेश के विभिन्न हवाई अड्डों पर 85 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं। इंडिगो ने माफी मांगी और वादा किया कि सभी रद्द टिकटों का पूरा रिफंड मूल भुगतान माध्यम से होगा। साथ ही 5 से 15 दिसंबर तक की बुकिंग पर कैंसिलेशन या तारीख बदलने पर कोई चार्ज नहीं लिया जाएगा। प्रभावित यात्रियों के लिए होटल और सड़क परिवहन की व्यवस्था भी की जा रही है। लेकिन ज्यादातर यात्री शिकायत कर रहे हैं कि ये सिर्फ कागजी घोषणाएं हैं, जमीन पर कोई राहत नहीं मिल रही। इस बीच डीजीसीए ने इंडिगो को रात्रि ड्यूटी नियमों से 10 फरवरी 2026 तक अस्थायी छूट दे दी है, लेकिन साप्ताहिक 48 घंटे अनिवार्य आराम के नियम में कोई रियायत नहीं दी गई है। संकट बढ़ता देख हवाई यात्री बड़ी संख्या में भारतीय रेलवे की शरण में पहुंचे। रेलवे ने तुरंत संवेदनशीलता दिखाई और महज कुछ घंटों में 37 महत्वपूर्ण ट्रेनों में 116 अतिरिक्त कोच जोड़ दिए। इससे 114 अतिरिक्त ट्रिप्स संचालित हो सकेंगी। प्रत्येक ट्रिप में करीब 4,000 यात्रियों को जगह मिलेगी, जिससे

कुल मिलाकर लगभग 4.89 लाख यात्रियों को राहत मिलेगी। यह विशेष व्यवस्था 6 दिसंबर से ही शुरू कर दी गई है। एक बार फिर संकट की घड़ी में भारतीय रेलवे ने साबित किया कि जरूरत पड़ने पर वह सबसे भरोसेमंद विकल्प बनी रहती है।

कोर्ट ने कहा- पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक क्रूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई क्रूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का उपयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव शामिल है, अपने आप में इतने गंभीर हैं कि विवाह को भंग करने की मांग को उचित ठहराते हैं। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उनकी वैधता पर सवाल उठाए गए और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए गए। कोर्ट ने कहा, नौ मई 2011, 15 मई 2011 और 27 जून 2011 को भेजे गए विशिष्ट संदेशों में 'बास्टर्ड', 'सन ऑफ बिच' जैसे शब्द और यह सुझाव कि उनकी मां को वेश्यावृत्ति के माध्यम से कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता को दर्शाते हैं।

प्रदेश में विजन 2047 को साकार करने के लिए 98 लाख सुझावों पर आधारित 12 सेक्टरों वाला विजन डॉक्यूमेंट हो रहा तैयार

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 6 दिसंबर। उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत विकसित भारत के विजन 2047 को साकार करने में उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे अहम है। शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित एक निजी समाचार पत्र के कॉन्क्लेव में प्रतिभाग करते हुए मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत को वर्ष 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प तभी पूरा हो सकता है जब देश की सबसे ब ?ी आबादी वाला राज्य समान गति और संकल्प के साथ आगे ब?े। मुख्यमंत्री योगी के अनुसार, इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार ने व्यापक विमर्श और जनभागीदारी के आधार पर राज्य का विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है जिसमें जनप्रतिनिधियों तथा जनता दोनों के सुझाव शामिल किए गए हैं। मा0 मुख्यमंत्री ने अयोध्या राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा को अपने जीवन की सबसे ब ?ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के बाद भव्य मंदिर का निर्माण उनकी तीन पी ?ियों के संघर्ष से जु ?ी घटना है और इसे अपने सामने होते देखना किसी सौभाग्य से कम नहीं। उन्होंने यह भी बताया कि मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब तक लगभग 24 करो? श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं, जो इस परिवर्तन की ऐतिहासिकता को दर्शाता है। मा0 मुख्यमंत्री के अनुसार विकसित भारत के निर्माण में उत्तर प्रदेश को अपनी भूमिका मजबूत करनी होगी। इसके लिए विधानसभा में 27 घंटे तक लगातार चर्चा कराई गई, जिसमें सभी दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही जनता से भी व्यापक स्तर पर सुझाव मांगे गए और अब तक 98 लाख विचार प्राप्त हुए। इन सुझावों को आधार बनाकर राज्य के 12 प्रमुख सेक्टरों के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं। मा0 मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का लक्ष्य वर्ष 2029-30 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का है और राज्य की वर्तमान प्रगति इस दिशा में उत्साहजनक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेशश् और आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेशश् के संकल्प को पूरा करेगा। कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री ने निवेश के क्षेत्र में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रारंभिक दौर में कई उद्यमी उत्तर प्रदेश लौटने से हिचकिचाते थे और राज्य के प्रति नकारात्मक धारणा रखते थे। योगी ने कहा कि उन्होंने उद्योग जगत को भरोसा दिलाया कि नया उत्तर प्रदेश उन्हें अवश्य दिखाई देगा। इसी प्रयास के परिणामस्वरूप रोड शो में ढाई लाख करो? रुपये के प्रस्ताव प्राप्त हुए और पहले इन्वेस्टर समिट में यह आंक ?ा ब ?कर लगभग चार लाख

पचहत्तर हजार करो? रुपये तक पहुंच गया। मा0 मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2023 के तीसरे इन्वेस्टर समिट में उत्तर प्रदेश को कुल 40 लाख करो? रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इस प्रकार राज्य को अब तक कुल 45 लाख करो? रुपये के प्रस्ताव मिले हैं जिनमें से 15 लाख करो? की परियोजनाएं जमीन पर उतर चुकी हैं और उनमें उत्पादन शुरू हो चुका है। कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री ने हाल ही में प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के अगले संस्करण का उल्लेख करते हुए कहा कि करीब 5 लाख करो? रुपए की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अभी ग्राउंड ब्रेकिंग के अगले संस्करण के आयोजन की तिथि तय की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि निवेश के क्षेत्र में यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के लिए एक नया मील का पत्थर है और डबल इंजन सरकार ने राज्य में औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई पर पहुंचाया है जो अब सभी को प्रत्यक्ष दिख रहा है। मा0 मुख्यमंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर पर बोलते हुए बताया कि आज यूपी राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे नेटवर्क में 55 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ नंबर-वन स्थिति में है। एयर कनेक्टिविटी की बात करें तो 2017 तक केवल दो एयरपोर्ट संचालित थे, जबकि आज 16 एयरपोर्ट सक्रिय हैं और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अगले दो महीनों में शुरू होने जा रहा है। साथ ही राज्य में सबसे अधिक मेट्रो नेटवर्क, देश की पहली रैपिड रेल और इनलैंड वाटरवे भी तेजी से आगे ब? रहे हैं। मा0 मुख्यमंत्री ने एनकाउंटर व बुलडोजर मॉडल पर बोलते हुये कहा कि जीरो टॉलरेंस की नीति जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि जो व्यवस्था पर बोझ हैं, उनसे धरती को मुक्त होना ही चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवा? करने वालों के लिए अगले चौराहे पर यमराज तैयार ख?े मिलेंगे और माफियाओं की भाषा में ही उन्हें जवाब दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश अब माफिया-मुक्त हो चुका है और वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया की जगह वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट ने ले ली है। कार्यक्रम के अंत उन्होंने कहा कि यूपी की पहचान, युवाओं के भविष्य, किसानों की समृद्धि और बेटियों की सुरक्षा के लिए जो भी सख्त कदम आवश्यक होंगे, सरकार बिना किसी संकोच के उठाएगी।

मदरसे में छिपाए दस्तावेज.. दिल्ली में संचालक, टीम ने खतरनाक हालात में की कार्रवाई

संभल/ लखनऊ। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी पर छापेमारी के दौरान आयकर विभाग को एक मदरसे से कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले। जांच में कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद और दो की शाहीनबाग में मिली। आयकर विभाग अब चारों से पूछताछ की तैयारी कर रहा है। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापों के दौरान एक कथित मदरसे से दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस मदरसे में आयकर विभाग की टीम के पहुंचते ही वहां पढ़ रही लड़कियां बैग लेकर भाग गईं। हालांकि टीम ने कुछ घरों को चिह्नित कर बैग बरामद किए, जिसमें कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। वहीं छापे के दौरान कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में, जबकि अन्य दो की शाहीनबाग में पाई गई। आयकर विभाग अब चारों को तलब कर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी में है। दूसरी ओर कंपनी के स्लॉटर हाउस की जांच में पशुओं की निर्मम तरीके से कटान करने का खुलासा भी हुआ है। कंपनी को करीब 700 पशुओं के कटान की अनुमति दी गई थी, जबकि वहां पर एक हजार से अधिक पशुओं की कटान करने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। यह भी पता चला है कि गर्भवती भैंसों और पड़वों को भी काटकर उनका मांस बेचा जा रहा था। आयकर विभाग इसकी गहनता से जांच करने के लिए पशु चिकित्सकों की रिपोर्ट, पशुओं की खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेजों और कंपनी द्वारा बेचे जा रहे मांस की मात्रा के आधार पर तथ्यों को जुटा रहा है। इसके बाद कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए संभल के जिला प्रशासन, नगर पालिका और उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पत्र लिखा जाएगा। जांच में संभल में तैनात कुछ विभागों के अफसरों की कंपनी संचालकों के साथ मिलीभगत के प्रमाण भी हाथ लगे हैं। ये सभी कंपनी के गैरकानूनी कृत्यों को संरक्षण दे रहे थे। दरअसल, कंपनी के ठिकानों से मिली कुछ डायरियों में कोड वर्ड में अफसरों को भेजी गई घूस की रकम का जिक्र है, जिसकी दिवाली के बाद गहनता से जांच की जाएगी। वहीं दूसरी ओर अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान यह सूचना भी मिली कि एक मस्जिद से आयकर विभाग की टीम को खदेड़ने का एलान किया गया है। जिसके बाद तत्काल एसपी संभल से संपर्क कर अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई। वहीं छापे के तीसरे दिन ड्यूटी समाप्त होने पर पीएसी बल वापस जाने लगा तो अधिकारियों के सामने दोबारा पत्र भेजकर फोर्स बुलाने की नौबत आ गई।

हनी ट्रैप की साजिश रचने वालों पर मुकदमा

मसूरी। थानाक्षेत्र के एक गांव में रहने वाली महिला ने अपने बेटे के खिलाफ फर्जी तरीके से दुष्कर्म का केस दर्ज कराने का आरोप लगाते हुए तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उनके बेटे के खिलाफ साजिश करने वाले आरोपी हनी ट्रैप गिरोह चलाते हैं। एसीपी मसूरी लिपी नगायच ने बताया कि 65 वर्षीय महिला ने अपने ही गांव के नजीर, करीम व नौशाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि उनका बेटा बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहा है। आरोप है कि आरोपी हनी ट्रैप में लोगों को फंसाने का कार्य करते हैं। आरोपियों ने उनके बेटे को भी इसी तरह फंसाकर दुष्कर्म का झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। जबकि जिस मकान में दुष्कर्म किए जाने की बात बताई गई है, उस मकान में निर्माण कार्य चल रहा है। वहां निर्माण कार्य करने वाले लोगों ने इस प्रकार की किसी भी घटना के होने से इन्कार किया है। इतना ही नहीं जिस समय की घटना बताई गई है, उस दौरान उनका बेटा एक सीसीटीवी फुटेज में महज तीन मिनट के लिए दिखाई दिया है और उनके पीछे आरोपी एक लड़की के साथ जाते दिखाई दे रहे हैं। एसीपी ने बताया कि साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

आम लोगों के जरिए रिश्वत ले रहा था एएसआई, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। महरौली थाने में तैनात एएसआई पप्पू राम मीणा आम नागरिक मोहम्मद शाकिब के जरिए रिश्वत ले रहा था। पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस यूनिट) ने एएसआई पप्पू राम मीणा और आम नागरिक महरौली निवासी मोहम्मद शाकिब को शिकायतकर्ता से 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नेब सराय निवासी और भर्ती एवं प्लेसमेंट कंपनी में कार्यरत शिकायतकर्ता ने 18 सितंबर को सतर्कता शाखा में शिकायत दर्ज कराई। बताया कि 10 सितंबर को प्रॉपर्टी डीलर के साथ मामूली विवाद के बाद एएसआई पीआर मीणा उसका दोपहिया वाहन महरौली थाने ले गया। आरोप है कि एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता से बाइक छोड़ने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी। झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल महरौली पुलिस थाने में 10 सितंबर को प्राप्त हुई थी। महरौली थाने में तैनात एएसआई पीआर मीणा को जांच सौंपी गई। एएसआई पीआर मीणा ने शिकायतकर्ता की बाइक का ताला तोड़कर उसके घर से पुलिस स्टेशन ले आया। शिकायत के बाद महरौली पुलिस थाने में सतर्कता इकाई ने ट्रैप लगाया। एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किस्त 5000 रुपये एक आम नागरिक मोहम्मद शाकिर को सौंपने का निर्देश दिया। मोहम्मद शाकिर को एएसआई ने महरौली थाने में बुलाया था। सतर्कता टीम ने मोहम्मद शाकिर और एएसआई पप्पू राम मीणा दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई पप्पू राम मीणा के पास से रिश्वत में ली गई रकम बरामद कर ली गई।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली।

विकास यादव पर शादी की झूठी तारीख बताने का आरोप

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास यादव के खिलाफ कथित तौर पर अपनी शादी की तारीख के बारे में झूठ बोलने के लिए झूठी गवाही (पर्जरी) की कार्यवाही शुरू करने की मांग पर सुनवाई की। कटारा की मां नीलम कटारा ने आरोप लगाया कि विकास ने अपनी शादी 5 सितंबर को होने का दावा किया, जबकि शादी जुलाई में हुई थी और उसने जमानत का लाभ लेने के लिए अदालत में झूठे सबूत पेश किए। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने विकास यादव, जो हत्या के लिए 25 साल की सजा काट रहा है, से जवाब मांगा। अदालत ने दिल्ली पुलिस को नीलम के आवेदन और उनके द्वारा पेश की गई तस्वीरों की सामग्री की जांच कर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी। नीलम की ओर से वकील ने दलील दी कि विकास ने झूठी और मनगढ़ंत जानकारी दी और दो तस्वीरें पेश कीं, जो दर्शाती है कि उनकी शादी जुलाई में नोएडा के सेक्टर 74 में हुई थी। विकास के वकील ने दावा किया कि जुलाई की तस्वीरें उनकी सगाई समारोह की थीं और इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को भी दी गई थी। 9 सितंबर को हाईकोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी थी। विकास को अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। उन्होंने हाल ही में शादी होने के आधार पर अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी।

दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम

दिल्ली। दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया। यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी। गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था, जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है। लेकिन इसमें ये भी कहा गया है कि महिला कामगारों के लिए दिल्ली सरकार कानूनों में सुधार कर रही है।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी तुषाकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर को कृष्ण ने शराब पी रखी थी। इसी बात का लेकर पिता धनीराम और दोनों बेटे सुदामा और सूरज ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान कृष्ण की मौत हो गई।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर व्हाट्सएप चैट, जीपीएस लोकेशन और बैंक खातों की जांच की। पुलिस को जांच में आरोपियों की लोकेशन एटा की मिली। इसके बाद सहदेव सिंह व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया।

दिन में सिहरन महसूस कराएंगी ठंडी हवाएं, पारा होगा 8 डिग्री तक दर्ज

नई दिल्ली। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी से राजधानी में ठंडी हवाएं चल रही है। ऐसे में सोमवार को आसमान अधिकतर साफ रहेगा। सुबह के समय कुछ जगहों पर हल्का कोहरा रहेगा। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24 और 09 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहेगा। ऐसे में लोगों को सुबह-शाम ठंडक का अहसास होगा। साथ ही, दिन में ठंडी हवाएं लोगों को परेशान करेगी। इधर, रविवार को सुबह से ही मौसम में ठंडक बनी हुई थी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे-वैसे दिन में सूरज की गर्मी का हल्का अहसास हुआ। इसी बीच अधिकतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.2 डिग्री कम रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो मौसम के औसत से 2 डिग्री कम है। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 100 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 41 प्रतिशत रही। वहीं, रिज सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां न्यूनतम पारा 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, लोधी रोड में 10, पालम में 8.6 और आया नगर में 9.7 न्यूनतम पारा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, 2 दिसंबर से लेकर 6 दिसंबर तक का मौसम पूर्वानुमान यह है कि 2 दिसंबर को दिन का तापमान 24-26 और रात का तापमान 10-12 डिग्री सेल्सियस रहेगा और हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से 00-05 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेंगी। इस दिन आसमान साफ रहेगा, हालांकि सुबह हल्का कोहरा हो सकता है। 3 दिसंबर को भी आसमान साफ रहेगा, तापमान 23-25 और 09-11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हल्का से मध्यम कोहरा सुबह हो सकता है। 4 दिसंबर को हल्के बादल छाए रहेंगे और तापमान 22-24 और 07-09 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि सुबह हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। 5 दिसंबर को भी ज्यादातर साफ आसमान रहेगा, तापमान 22-24 और 07-09 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा और सुबह हल्का से मध्यम कोहरा हो सकता है। 6 दिसंबर को भी साफ आसमान और हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना है, तापमान 23-25 और 08-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। इस दौरान हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से 05-10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेंगी।

कभी मुंह में डाली नाल तो कभी कनपटी पर सटाया तमंचा

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। छिबरामऊ इलाके में सिरफिरे युवक ने शुक्रवार को अपनी पत्नी को बुलवाने के लिए उसके दो बच्चों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। कभी खुद को तो कभी बच्चों को गोली मारने की धमकी देते हुए आठ घंटे तक पुलिस को छकाया। पुलिस ने किसी तरह बच्चों को मुक्त कराया। इसके बाद मुठभेड़ में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिरफिरे के फायर झोंकने से हाथ में गोली लगने से एसओजी प्रभारी भी घायल हो गए। तालग्राम क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर निवासी दीपू चक ने छिबरामऊ निवासी महिला से चार माह पहले कोर्ट मैरिज की थी। महिला के पहले पति की मौत हो चुकी है। उसकी 13 साल की बेटी और आठ साल का बेटा नानी के घर में रहते हैं। कुछ दिन पहले महिला दीपू को छोड़कर कहीं चली गई। एएसपी अजय कुमार के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे दीपू पत्नी की तलाश में उसके मायके पहुंचा। दीपू ने उसके दोनों बच्चों को कमरे में तमंचा सटाकर बंधक बना लिया। लोगों की सूचना पर 12:30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को समझाने लगी। मौका देखकर बेटी बाहर आ गई। एएसपी अजय कुमार दरवाजा खुलवाने के लिए घंटों दीपू से बात करते रहे लेकिन वह पत्नी को बुलवाने की जिद पर ही अड़ा रहा। एसओजी प्रभारी देवेश पाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शाम करीब 7:13 बजे एसओजी ने पत्नी को बुलवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद बेटे को कमरे से बाहर निकलवाया। एसओजी प्रभारी दीपू को पकड़ने लगे तो उसने तमंचे से फायर कर दिया। गोली एसओजी प्रभारी के हाथ को छूते हुए निकल गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली दीपू के पैर में लगी। शाम करीब 7:15 बजे पुलिस उसे गिरफ्तार कर सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि वीडियो कॉल से दीपू की पत्नी से बात कराई गई। इसके बाद युवक और आक्रोशित हो गया और उसने बच्चे के सिर पर तमंचा लगा दिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बाहर

निकाल लिया है। दीपू के पास से सात कारतूस बरामद हुए हैं। खुद की कनपटी पर तमंचा रखे दीपू और पास में ही मौत के खौफ की दहशत में बैठा मासूम सिसक रहा था। एएसपी व सीओ युवक के समझाने में जुटे थे। युवक ने बताया कि उसने चार माह पहले बच्चे की मां के साथ कन्नौज में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों दिल्ली चले गए। वहां से महिला बिना बताए कहीं लापता हो गई। फोन भी बंद कर लिया। युवक बार-बार अफसरों को धमका रहा था कि महिला को मौके पर बुलाओ। उसके आने में चाहे कितना भी समय लग जाए। न तो खुद की कनपटी से तमंचा हटाएगा और न ही बच्चे को छो?ेगा। किशोरी और उसके को तमंचे की दम पर बंधक बनाने के बाद काफी देर तक दीपू कभी बच्चे की मुंह में तमंचे की नाल डालता तो कभी कनपटी पर लगाकर उनकी मां को बुलाने के लिए धमकाता। इस बीच किशोरी सूझबूझ दिखाते हुए फोन लाकर मां से बात कराने की बात कहकर कमरे से बाहर निकल गई। दूसरी तरफ भाई के मौत के मुंह में होने पर वह आसपास के लोगों से चीख-चीख कर उसे बचाने के लिए हाथ-पैर जो?ती रही। करीब 7:13 बजे सिरफिरे दीपू के चंगुल से छूटा आठ वर्षीय बच्चा इस कदर दहशत में था कि उसके मुंह से बोल नहीं निकल रहे थे। करीब आठ घंटे तक भूखे और प्यासे रहे बच्चे के लिए लोगों ने आनन-फानन भोजन और पानी की व्यवस्था की। उसकी आंखों के सामने मौत का मंजर घूम रहा था। किसी भी चीज को हाथ लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। पुलिस कर्मियों के साथ लोगों ने उसे ढांढ़स बंधाया।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मुख्य सिपाही सुरेंद्र सिंह सहायक उप निरीक्षक पद पर पदोन्नत

एजेंसी
हिसार। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने जिला पुलिस में कार्यरत मुख्य सिपाही सुरेंद्र सिंह को सहायक उप निरीक्षक पदोन्नत कर कंधे पर स्टार लगा सम्मानित किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जिला पुलिस में तैनात मुख्य सिपाही सुरेंद्र सिंह को सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) के पद पर पदोन्नति पाने पर पुलिस कप्तान ने कंधे पर स्टार लगाकर हार्दिक बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पदोन्नति उपरांत आपको और अधिक जिम्मेदारी से काम करने की आवश्यकता है ताकि समाज में पुलिस विभाग कि छवि और अधिक बेहतर हो सके और अपनी नियुक्ति के दौरान आम जनता से बेहतर तालमेल करके पुलिस व जनता में सामंजस्य स्थापित करना होगा। एएसआई सुरेंद्र सिंह 28 नवंबर 2003 को पुलिस विभाग में सिपाही पद पर भर्ती हुए और पुलिस विभाग में अपने कार्य के प्रति समर्पित रहते हुए पदोन्नति पाकर सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) के पद तक पहुंचे है।

मल्टी स्टोरी पार्किंग परियोजना को मंजूरी ऐतिहासिक कदम : डॉ. कमल गुप्ता

हिसार। हिसार शहर की यातायात समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए प्रदेश सरकार ने सिटी थाना के पास प्रस्तावित मल्टी स्टोरी पार्किंग परियोजना को मंजूरी प्रदान कर दी है। इस निर्णय पर पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2014 में विधायक बनने के तुरंत बाद उन्होंने शहर की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए इस परियोजना का विस्तृत प्रस्ताव तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समक्ष रखा था। इसी क्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने हिसार प्रवास के दौरान 29 दिसंबर 2014 को इस महत्वाकांक्षी मल्टी स्टोरी पार्किंग प्रोजेक्ट की घोषणा भी की थी। उन्होंने बताया की हमने यह सुझाव भी रखा था की इसे इसे 99 साल की लीज पर पीपीपी मोड़ पर दिया जाए जिसे सरकार ने उसी आधार पर मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित यह परियोजना अब मंजूरी की औपचारिकता पूरी होने के बाद शहर के लिए राहत का बड़ा माध्यम बनेगी। शहर के सबसे व्यस्त क्षेत्र–सिटी थाना और आस-पास के बाजारों में प्रतिदिन लगने वाले जाम से नागरिकों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

गुजवि ने ऑस्ट्रेलियन शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधिमंडल संग शोध व शिक्षण पर किया मंथन

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने ऑस्ट्रेलियन विश्वविद्यालयों के साथ शिक्षण व शोध के क्षेत्र में मिलकर कार्य करने की संभावनाओं को तलाशा है। इस संबंध में कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि मंडल ने ऑस्ट्रेलिया के प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली में एक बैठक की है। गुजविप्रौवि के प्रतिनिधिमंडल में कुलपति के तकनीकी सलाहकार (प्रशासनिक) प्रो. विनोद छोकर और डीन इंटरनेशनल अफेयर्स प्रो. ओमप्रकाश सांगवान शामिल रहे। ऑस्ट्रेलियन प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व एजुकेशन सेंटर ऑफ ऑस्ट्रेलिया के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) एवं फाउंडर रुपेश सिंह ने किया। उनके साथ ईसीए की एडवाइजरी कमेटी के सदस्य नरेश भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि इस पहल से न केवल गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए, बल्कि हरियाणा में उच्च शिक्षा के तहत आने वाले दूसरे विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए वैश्विक स्तर पर पढ़ाई के और रास्ते खुलेंगे। कुलपति ने इस बैठक में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में एक इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसमें ग्लोबल सहयोग और एकेडमिक एक्सीलेंस की संभावना पर जोर दिया गया। इस बैठक से गुजवि के लिए ऑनलाइन शिक्षा एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की और अधिक संभावनाएं बनेंगी। बैठक में दोनों देशों के संस्थानों के बीच सेमेस्टर एब्रोड प्रोग्राम्स, फैकल्टी-स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, ड्यूअल डिग्री प्रोग्राम तथा ऑनलाइन इंटर्नशिप प्रोग्राम को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

ट्रैफिक सुधार के लिए पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक नरेन्द्र कादयान ने शहर का किया दौरा

सोनीपत। पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक नरेन्द्र कादयान ने शहर का दौरा कर यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया। साथ ही व्यापार मंडल सोनीपत सहित स्थानीय दुकानदारों के साथ बैठक कर जाम की समस्या और उसके समाधान पर विस्तृत चर्चा की। इस पहल का उद्देश्य शहर में बढ़ती यातायात अव्यवस्था को नियंत्रित कर आम नागरिकों को राहत प्रदान करना है। बैठक में व्यापारियों और पुलिस प्रशासन ने जाम के प्रमुख कारणों पर सहमति जताई। सबसे बड़ा कारण अतिक्रमण बताया गया, जिसमें कई दुकानदार फुटपाथ और सड़क पर सामान रख देते हैं। इसी प्रकार बाजार क्षेत्रों में अवैध और अव्यवस्थित पार्किंग भी यातायात को गंभीर रूप से बाधित करती है। काठ मंडी जैसे क्षेत्रों में मालवाहक वाहनों की अनियमित आवाजाही भी समस्या को बढ़ाती है। व्यापारियों ने यह भी कहा कि दुकान के सामने सामान रखने की सीमा को लेकर स्पष्ट निशानदेही नहीं होने से भ्रम की स्थिति बनती है। समाधान के रूप में ट्रैफिक पुलिस ने अतिक्रमण हटाने के अभियान को नियमित रूप से जारी रखने, सड़क पर रखा सामान जब्त करने और भीड़भाड़ वाले बाजारों में पीली लाइन लगाने का निर्णय दोहराया। इससे दुकानदार निर्धारित सीमा में ही सामान रख सकेंगे। पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालान या अन्य कानूनी कारवाई की जाएगी।

हरियाणा खेल मॉडल वैश्विक नेतृत्व का बनेगा आधारः नायब सिंह सैनी

ज्योति दर्पण
सोनीपत। हरियाणा खेल विश्वविद्यालय राई में आधुनिक खेल प्रबंधन का भारतीय मॉडल विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा खेल मॉडल वैश्विक नेतृत्व का आधार बनेगा। खेल अब केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार, अनुसंधान, नवाचार और विज्ञान-प्रौद्योगिकी आधारित एक बड़े क्षेत्र के रूप में विकसित हो चुका है। देशभर से आए शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और खेल प्रबंधन से जुड़े प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन भारत के खेल भविष्य के लिए एक मजबूत मार्गदर्शिका तैयार करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है और इस यात्रा में खेलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। हरियाणा ने देश को अनेक अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हैं जिन्होंने ओलंपिक, एशियन

गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स और विश्वविद्यालय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का मान बढ़ाया है। खेल प्रबंधन का भारतीयकरण केवल प्रतीकात्मक परिवर्तन नहीं है, बल्कि भारतीय मूल्यों, पारंपरिक खेल संस्कृति और वैज्ञानिक प्रबंधन के समन्वय से एक मजबूत मॉडल तैयार करना है। उन्होंने भारतीय मॉडल के चार आधार बताए-आधुनिकता, मानसिकता, प्रबंधन और नैतिक मूल्य। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में राज्य सरकार खेल क्षेत्र में 989 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर चुकी है। वर्तमान वित्त वर्ष में 589 करोड़ 69 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। राज्य में 3 राज्य स्तरीय खेल परिसर, 21 जिला स्तरीय स्टेडियम, 163 राजीव गांधी ग्रामीण खेल परिसर, 245 ग्रामीण स्टेडियम, 382 इनडोर जिम, 10 तैराकी तालाब, 11 सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक, 14 हॉकी एस्ट्रोटर्फ, 2 फुटबॉल सिंथेटिक सतह और 9 बहुउद्देशीय हॉल बनाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि खेल विश्वविद्यालय, प्रशिक्षण केंद्र और आधुनिक स्टेडियमों का नेटवर्क गांव-गांव तक पहुंचाया जा रहा है। वर्तमान में राज्य में 1,489 खेल नर्सरियां संचालित हो रही हैं जिनमें 37,225 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रत्येक जिले में हाई परफॉर्मेंस सेंटर और पंचायत स्तर पर मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वैज्ञानिक प्रशिक्षण और आधुनिक प्रबंधन के साथ भारतीय खिलाड़ी 2026 और 2028 के ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का सीमित मात्रा में करें प्रयोग : प्रो. बीआर कम्बोज

एजेंसी
हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने किसानों से कहा है कि वे मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देना जरूरी है। फसल अवशेषों के माध्यम से भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी होती है जिससे फसल उत्पादन में भी इजाफा होता है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज जिले के गांव चिड़ोद में विश्व मृदा दिवस पर मृदा विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि नवीनतम तकनीकों के माध्यम से फसल अवशेष खेत में पड़े रहने के बाद भी फसल की बीजाई की जा सकती है। मिट्टी केवल कृषि उत्पादन की आधारशिला नहीं बल्कि सम्पूर्ण जीवन के पोषण का मूल स्त्रोत है। मिट्टी का स्वास्थ्य सुधारे बिना खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन तथा सतत् कृषि विकास सम्भव नहीं है। उन्होंने मृदा संरक्षण तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम फसल अवशेष प्रबंधन, फसल विविधीकरण, जैविक खाद-वर्मी कम्पोस्ट, ग्रीन मेन्योरिंग तथा मल्चिंग को बढ़ावा देकर भूमि की उपजाऊ शक्ति को बरकरार रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए किसान रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का सीमित मात्रा में प्रयोग करें।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस इसलिए मनाया जाता है ताकि किसानों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व नीति निर्धारकों को स्वस्थ मिट्टी के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया जा सके। उन्होंने किसानों से कहा कि वे अपने खेत की मिट्टी का परीक्षण अवश्य करवाएं। मिट्टी परीक्षण सही उर्वरक, सही मात्रा और सही समय तय करने का वैज्ञानिक तरीका है। इससे उत्पादन बढ़ता है, लागत घटती है और लंबे समय तक मिट्टी की सेहत बनी रहती है।

जापान के सुजुकी अधिकारियों ने राजकीय पॉलिटेक्निक मानेसर का किया दौरा

एजेंसी
गुरुग्राम। सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन, जापान के अधिकारियों का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों के साथ राजकीय पॉलिटेक्निक मानेसर पहुंचा। इस दौरे का उद्देश्य हरियाणा के तकनीकी संस्थानों में कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण वातावरण और उद्योग से जुड़े मानकों का प्रत्यक्ष अवलोकन करना था।

कार्यक्रम में टेक्निकल एजुकेशन हरियाणा के महानिदेशक प्रभजोत सिंह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में जुड़े। उन्होंने सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन तथा एमएसआईएल के अधिकारियों का स्वागत करते हुए हरियाणा के तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों को जापान भ्रमण का

अवसर उपलब्ध कराने और आपसी अनुभव सांझा करने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव दिए। जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान की विभिन्न इंजीनियरिंग प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया। इसके साथ ही एसएमसी जापान, एमएसआईएल और संस्थान की प्लेसमेंट कमेटी के अधिकारियों की एक बैठक आयोजित हुई, जिसमें विशेष रूप से जापान में छात्रों के ओवरसीज प्लेसमेंट पर चर्चा की गई। संस्थान के प्रिंसिपल धर्मपाल तथा प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान के कार्य वातावरण को समझने के लिए इस संस्थान का चयन करना हमारे लिए सम्मान की बात है।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस सुरक्षा जांच, अधिकारी ने दिए कड़े निर्देश

एजेंसी
सोनीपत। उपायुक्त और जिला निर्वाचन अधिकारी सुशील सारवान ने को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा प्रबंधों को गम्भीरता से परखा और स्पष्ट कहा कि ईवीएम तथा वीवीपैट की सुरक्षा अत्यंत संवेदनशील जिम्मेदारी है, इसलिए वेयरहाउस में हर स्तर पर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने अधिकारियों को सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने संबंधी विस्तृत जानकारी दी और किसी भी प्रकार की लापरवाही न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने वेयरहाउस में लगे सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन प्रबंध, कंट्रोल यूनिट और बैलेट यूनिट की स्थिति की समीक्षा की तथा आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए। उनका कहना था कि सुरक्षा मानकों से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं

किया जाएगा। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी सुरक्षा व्यवस्थाओं से अवगत कराया और पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान निर्वाचन तहसीलदार दिनेश कुमार, संजय श्रीवास्तव, सहायक वेदपाल चौहान सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समाज के सबसे निचलते तबके की सहानुभूति से सेवा करें लोक सेवकः हरविन्द्र कल्याण

ज्योति दर्पण
गुरुग्राम। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने लोक सेवकों से समाज के सबसे निचले तबके के लोगों तक पहुंचने और उनके प्रति सहानुभूति, प्रतिबद्धता के साथ उनकी सेवा करने का आह्वान किया। वे सेक्टर-18 स्थित हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) में हरियाणा विधान सभा के प्रथम और द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों और विशेष फाउंडेशन कोर्स (एसएफसी) को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान वे अधिकारियों से रूबरू हुए और उनकी प्राथमिकताओं के बारे में बातचीत की।

हिपा में विधान सभा के अधिकारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा 8 सप्ताह का विशेष फाउंडेशन कोर्स चल रहा है। इस फाउंडेशन कोर्स में आईपीएस, आईएफओएस, आईपी एंड टीएएफएस अधिकारी शामिल हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को विविध विषयों पर व्यापक और उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। हरियाणा विधान सभा

अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने पहले विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से संवाद करते हुए उनकी कार्यप्रणाली तथा प्रशिक्षण के बारे में चर्चा की। विस अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम नई दृष्टि और नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि जब भी वे किसी कार्यक्रम में जाते हैं, वे वहां से कुछ न कुछ अवश्य सीखकर लौटते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में सीखने की भावना बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। हम सभी का बड़ा लक्ष्य देश और समाज की सेवा करना है। कभी-कभी हमें लगता है कि राष्ट्र निर्माण, विकसित भारत में हमारी भूमिका छोटी है, लेकिन वास्तव में ईमानदारी से किए गए छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े परिणाम देते हैं।

वहीं विशेष फाउंडेशन कोर्स में आईपीएस, आईएफओएस, आईपी एंड टीएएफएस अधिकारियों को प्रेरित करते हुए विस अध्यक्ष ने कहा कि अपनी क्षमताओं को सही दिशा में लगाना और निरंतर आगे बढ़ते रहना ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अधिक प्रभावशाली और बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने सभी अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें स्वयं सीखने के साथ-साथ दूसरों को भी सीखाने की भावना रखनी चाहिए।

असंतुलित होकर सड़क से नीचे उतरी रोडवेज बस, बाल-बाल बचे यात्री

एजेंसी
हिसार। जिले के गांव धांसू सुलखनी रोड पर रोडवेज की बस अचानक असंतुलित होकर सड़क से नीचे उतर गई। यह बस घिराय से हिसार आ रही थी। चालक ने सूझबूझ से बस को नियंत्रित कर लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

ग्रामीणों ने बताया कि घटना धांसू-सुलखनी मार्ग पर उस स्थान के पास हुई, जहां पिछले महीनों में हुई भारी बारिश के कारण आसपास का क्षेत्र अभी भी जलमग्न और दलदली बना हुआ है। पिछले दिनों हुई तेज बारिश के बाद इस इलाके में पानी लंबे समय से भरा हुआ है, जिससे आसपास की भूमि सेमग्रस्त हो चुकी है। सड़क से थोड़ा नीचे उतरते ही वाहन दलदल में धंस जाते हैं। रोडवेज बस घिराय से हिसार की ओर जा रही थी। इसी दौरान बस चालक ने आगे चल रहे एक वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया लेकिन सड़क किनारे की मिट्टी दलदली होने के कारण बस अचानक फिसलकर नीचे खेतों की ओर उतर गई और वहीं फंस गई। बस के झुकते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई, हालांकि चालक ने तुरंत बस को रोककर सभी को सुरक्षित बचा लिया। यात्रियों ने बताया कि बस के जमीन में धंसते ही उन्हें लगा कि कहीं बस पलट न जाए, लेकिन चालक की समझदारी से बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और यात्रियों की मदद की। बाद में बस को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की गई।क्षेत्रवासियों ने बताया कि धांसू-सुलखनी क्षेत्र में लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है, जिससे आए दिन वाहन फंसने की घटनाएं हो रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मार्ग की मरम्मत और उचित निकासी व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों।

पांच सिद्धान्तों पर काम करता है भारत विकास परिषद : सुरेश जैन

एजेंसी
झज्जर। भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संगठन मन्त्री सुरेश जैन ने कहा कि परिषद अपने देश की जनता व देश के प्रति समर्पित है। इसलिए परिषद के तमाम सदस्यों को समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए सदैव तैयार रहना होगा। उन्होंने यह बात बहादुरगढ़ में आयोजित परिषद की दोनों शाखों की बैठक को संबोधित करते हुए कही। सेक्टर-6 स्थित डीएवी स्कूल परिसर में आयोजित बैठक में भाविप की दोनों शाखाओं के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन, प्रांतीय महासचिव दीपक जिंदल, प्रांतीय उपाध्यक्ष मूल चन्द जोशी, जिला समन्वयक सतीश शर्मा और विवेकानन्द शाखा के संरक्षक पवन जैन ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन ने अपने संबोधन में कहा कि भाविप के सदस्यों को समाज और देश के प्रति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सदैव तत्पर रहना होगा। उन्होंने कहा कि शाखाएं पांचों सद्धांतों सेवा, संस्कार, संपर्क, पर्यावरण और महिला सहभागिता पर काम करता है। इन गतिविधियों के माध्यम से समाज की सेवा करें। एक श्रेष्ठ भारत के निर्माण में

महिला सहभागिता जरूरी है। इसलिए परिषद में महिलाओं की अधिक से अधिक सहभागिता होनी चाहिए । महिलाओं की सहभागिता से समाज में परिवर्तन लाया जा सकता है। प्रांतीय महासचिव दीपक जिंदल ने कहा कि शाखाएं समाज में अधिक से अधिक कार्य करें, जिससे समाज में संस्कारों का सृजन हो सकें। शाखा अध्यक्ष रमेश गुप्ता और मुरारीलाल गोयल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। शाखा सचिव विजय पुन्हानी और नीरज गर्ग, हरीश बजाज, डॉ. कुलदीप जून, सुनील बंसल, दीपेश राठी, राजेश गुप्ता, सुशील अग्रवाल, शुभदा घरोटे, पूजा सिंघल, गजानंद गर्ग, महेश पाराशर, अश्वनी शर्मा, मुकेश शर्मा, दीपक पंवार व संदीप चुघ सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

आईटीआई में लगे रोजगार मेले में 631 अभ्यर्थियों को मिला रोजगार

एजेंसी
जींद। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में मेगा रोजगार एवं शिक्षुता मेले का भव्य आयोजन किया गया। जिले और आसपास के क्षेत्रों से युवाओं ने मेले में भाग लेकर रोजगार के अवसर प्राप्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के उपनिदेशक संजीव शर्मा ने की। इस अवसर पर आईटीआई जींद के प्रधानाचार्य नरेश कुमार पांचाल भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि आज का युग कौशल (स्किल) का है और जो युवा तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर लेते हैं वे रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर हासिल कर सकते हैं। सरकार युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप सक्षम बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और प्रदेश की आर्थिक प्रगति में योगदान दे सकें। उन्होंने आईटीआई जींद परिसर में फैली स्वच्छता और हरियाली की सराहना करते हुए इसे एक प्रेरणादायक पहल बताया। इस दौरान उन्होंने कैंपस में आम का पौधा रोपित कर हरियाली अभियान में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उपनिदेशक संजीव शर्मा ने कहा कि आईटीआई संस्थान सबसे कम समय में युवाओं को रोजगार योग्य बनाते हैं। यहां विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षित छात्र व छात्राएं न केवल कंपनियों में नौकरी प्राप्त कर सकते हैं बल्कि स्वयं भी अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

उन्होंने छात्रों को सकारात्मक सोच और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति अपनाने की प्रेरणा दी और उन्हें हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। प्रधानाचार्य नरेश कुमार पांचाल ने बताया कि मेले में विभिन्न क्षेत्रों की 35 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। दिनभर आयोजित साक्षात्कार प्रक्रिया में कुल 833 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। जिनमें से 631 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आईटीआई जींद सदैव प्रयासरत है कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और उद्योगों से सीधा संपर्क प्रदान किया जा सके।

जनता की समस्या, प्रशासन की प्राथमिकताः विनीत गर्ग

एजेंसी
पानीपत। जिला सचिवालय सभागार में समाधान प्रकोष्ठ की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सरकार ने जनता से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक की वर्चुअल अध्यक्षता कर रहे हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा एवं स्कूल शिक्षा विभाग) विनीत गर्ग ने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का निपटान निर्धारित समय-सीमा में और पारदर्शी तरीके से किया जाए। विनीत गर्ग ने कहा कि जनता की शिकायतें प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निगम के अतिरिक्त आयुक्त विवेक चौधरी ने बैठक में जानकारी दी कि संबंधित विभागों को पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं कि वे अपनी-अपनी शाखाओं से संबंधित शिकायतों का तत्काल निदान करें। उन्होंने आश्वस्त किया कि शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया को और तेज़ एवं आसान बनाया जाएगा। बैठक के बाद विवेक चौधरी ने अधिकारियों के साथ

अलग से चर्चा कर आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए तथा कहा कि जमीनी स्तर पर भी इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। प्रशासन का दावा है कि इस अभियान से शिकायतों के निपटान में तेजी आएगी और जनता को वास्तविक राहत मिलेगी। इस मौके पर निगम अतिरिक्त आयुक्त विवेक चौधरी, सीएमओ विजय मलिक, डीडीपीओ राजेश शर्मा, डीएसपी सतीश वत्स, जिला रोजगार अधिकारी रितु चहल, डीएफएससी कुमारी नीतू, मत्स्यपालन अधिकारी अनुज कुमारी, जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता करण बहल, एसडीओ पशु पालन विभाग डॉ श्री भगवान, संजीव शर्मा, जोगिंदर आदि मौजूद रहे।

हरियाणा सरकार ने शुरू की बजट की तैयारी, वित्त मंत्री बजट घोषणाओं और बजट खर्च की करेंगे समीक्षा

एजेंसी
सोनीपत। कांग्रेस द्वारा वोट चोरी के विरोध में 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली की तैयारियों को लेकर सोनीपत में पार्टी की बैठक हुई। इसमें सोनीपत, पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र और जींद जिलों के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने शिरकत की। बैठक में सभी जिम्मेदारियों का विभाजन तय किया गया। प्रदेश प्रभारी बीके हरीप्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र, पार्टी सहप्रभारी जीतेन्द्र बघेल, सांसद दीपेन्द्र हुड्डा, सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी सहित पांचों जिलों के विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद, ग्रामीण व शहरी पदाधिकारी तथा संगठन प्रतिनिधि बैठक में मौजूद रहे। पत्रकारों से बातचीत में भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि दिल्ली रैली को लेकर तैयारियां तेज हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने वोटों में धांधली कर सरकार बनाई है। उनके अनुसार राहुल गांधी द्वारा इस संबंध में प्रमाण भी प्रस्तुत किए गए हैं। हुड्डा ने कहा कि मतदान के बाद लगातार तीन दिनों तक वोट प्रतिशत बढ़ता रहा, जबकि चुनाव आयोग ने इसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उन्होंने चंडीगढ़ और एसवाईएल जैसे मुद्दों पर भी प्रदेश सरकार को घेरा। ने कहा कि इन मामलों पर हरियाणा सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है और राज्य के हित प्रभावित हो रहे हैं। उनके अनुसार नए विधानसभा भवन के लिए जमीन उपलब्ध कराने से लेकर एसवाईएल के पानी तक, सरकार कोई ठोस परिणाम नहीं दे पाई है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ को लेकर भाजपा की नीति अस्पष्ट है, जबकि उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद हरियाणा को उसके अधिकार का पानी नहीं मिला। हुड्डा का कहना था कि केंद्र सरकार भी इस विषय पर स्पष्ट स्थिति नहीं रख पा रही कि चंडीगढ़ दो राज्यों की साझा राजधानी बनी रहेगी या केंद्र शासित प्रदेश के रूप में ही रहेगा। उन्होंने इन सभी मुद्दों पर राज्य की विधानसभा में विस्तृत चर्चा की आवश्यकता जताई।

भारत-रूस शिखर वार्ता: 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का रोडमैप

- भारत और रूस ने श्रम गतिशीलता समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने शिखर वार्ता के बाद अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने के लिए 2030 तक का रणनीतिक आर्थिक रोडमैप घोषित किया। दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं और नियामकीय अड़चनों को हटाकर भारतीय निर्यात बढ़ाने का संकल्प लिया। साथ ही भारत-यूरेशियाई आर्थिक संघ मुक्त व्यापार समझौता और द्विपक्षीय निवेश संधि को शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया गया। भारत और रूस ने श्रम गतिशीलता समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत रूस में निर्माण, इंजीनियरिंग और आईटी क्षेत्रों में अर्ध-कुशल और कुशल भारतीय श्रमिकों की भर्ती को आसान बनाया जाएगा। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के शेष रिएक्टरों को पूरा करने और दूसरे स्थल पर आगे की चर्चा पर सहमति बनी। रूस ने भारत को छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर टेक्नॉलजी में सहायता देने की इच्छा जताई। ऊर्जा क्षेत्र में रूस भारत का विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता बना रहेगा, जिसमें तेल, गैस और कोयला शामिल हैं। उर्वरक आपूर्ति, शिप बिल्डिंग, ध्रुवीय क्षेत्रों में भारतीय नाविकों का प्रशिक्षण और फार्मास्युटिकल्स में सहयोग बढ़ाया जाएगा। भारत की बीडीआर

फार्मास्युटिकल्स रूस के कालुगा क्षेत्र में ट्यूमर-रोधी दवाओं का निर्माण करेगी। परिवहन और संपर्क मार्ग- दोनों नेताओं ने आईएनएसटीसी, उत्तरी समुद्री मार्ग और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक गलियारे के माध्यम से संपर्क बढ़ाने पर जोर दिया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी का आईपीओ 12 से खुलेगा

- निवेशकों में उत्साह, 19 दिसंबर को होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

देश की दूसरी सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी अपना बहुप्रतीक्षित आईपीओ 12 दिसंबर को खोलने जा रही है। कंपनी ने शेयर बाजार में लिस्टिंग की प्रक्रिया को तेज करते हुए रजिस्ट्रार ऑफ कंपनियों (आरओसी) के साथ अपना रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) फाइल कर दिया है। हालांकि आईपीओ का आधिकारिक आकार अभी घोषित नहीं हुआ है, लेकिन बाजार सूत्रों का कहना है कि कंपनी लगभग 10,000 करोड़ रुपए जुटा सकती है। यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा, जिसके तहत प्रमोटर प्रूडेंशियल कारपोरेशन होल्डिंग अपनी 4.89 करोड़ इक्विटी शेयरों (9.9 फीसदी) की हिस्सेदारी बेचेगी। आईपीओ में आईसीआईसीआई बैंक के शेयरधारकों के लिए 24.48 लाख शेयर रिजर्व रखे गए हैं। आईपीओ का एंकर बुक 11 दिसंबर को खुलेगा, जबकि पब्लिक इश्यू 12 से 16 दिसंबर तक निवेशकों के लिए उपलब्ध रहेगा। शेयरों का अलॉटमेंट 17 दिसंबर को होने की संभावना है और 19 दिसंबर से कंपनी के शेयर बीएसई और

एनएसई पर ट्रेडिंग शुरू कर देंगे। लिस्टिंग के बाद यह आईसीआईसीआई समूह की चौथी कंपनी बन जाएगी, जो स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध होगी।

इंडिगो की उड़ान अव्यवस्था का मुख्य कारण क्रू मैनेजमेंट में गंभीर कमी: नायडू

नई दिल्ली ।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि इंडिगो एयरलाइन में हाल में हुई उड़ान अव्यवस्था का मुख्य कारण उसकी क्रू मैनेजमेंट में गंभीर कमी है। मंत्री ने बताया कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने 1 नवंबर से नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम लागू किए थे, जिनका पालन एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी अन्य एयरलाइंस सुचारू रूप से कर रही हैं। लेकिन इंडिगो की टीम समय पर आवश्यक बदलाव नहीं कर पाई, जिससे बड़ी संख्या में उड़ानें प्रभावित हुईं। डीजीसीए ने स्थिति को सामान्य करने के लिए इंडिगो को एक बार की अस्थायी छूट प्रदान की है। इस छूट तहत रात 12 बजे से सुबह 6:50 बजे तक की नाइट ड्यूटी पर लागू कड़ी पाबंदियों को अस्थायी तौर पर हटाया गया है। यह राहत 10 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेगी। अधिकारियों के अनुसार, पायलटों की कमी और ऑपरेशनल दबाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही पायलटों की छुट्टी को साप्ताहिक आराम के रूप में भी माना जाएगा, ताकि उड़ानों का संचालन सामान्य हो

सके। हालांकि, एयरलाइंस पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने डीजीसीए के इस कदम का विरोध किया है। संघ का कहना है कि सुरक्षा से जुड़े नियमों में ढिलाई देना गलत परंपरा को जन्म देगा। इंडिगो देश में लगभग 63 फीसदी बाजार हिस्सेदारी रखता है और उसके संचालन में आई गड़बड़ी से हजारों यात्री फंस गए। संसद में भी इस मुद्दे पर तीखी बहस देखने को मिली। इस बीच, केंद्र सरकार ने इंडिगो मैनेजमेंट को यात्रियों को तुरंत रिफंड जारी करने और भविष्य में ऐसी स्थिति न दोहराने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उथल-पुथल के बाद अब उड़ानें धीरे-धीरे बहाल हो रही हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि संचालन पूरी तरह सामान्य होने में कुछ दिन और लग सकते हैं। 6 दिसंबर 2025 के लिए दिल्ली से विभिन्न शहरों के हवाई किराए में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है, जो हालात की गंभीरता को दर्शाती है।

'पल्सर हेट्रिक ऑफर' एक बार फिर लॉन्च

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो ने 'पल्सर हेट्रिक ऑफर' को एक बार फिर लॉन्च कर दिया है। दिसंबर का महीना आमतौर पर ऑटोमोबाइल खरीद का सबसे मजबूत समय माना जाता है, और ऐसे में यह ऑफर पल्सर खरीदारों के लिए एक बड़ा अवसर बनकर आया है। यह स्कीम तीन प्रमुख लाभों के साथ आती है, जिन्हें मिलाकर इसे 'हैट्रिक ऑफर' कहा गया है। सबसे पहले, हाल ही में लागू जीएसटी संशोधन का पूरा लाभ सीधे ग्राहकों को दिया जा रहा है, जिससे ऑन-रोड कीमत में कमी आती है। दूसरा लाभ यह है कि कंपनी ने फाइनेंस प्रोसेसिंग चार्ज पूरी तरह समाप्त कर दिए हैं, इसलिए लोन पर बाइक लेने वाले ग्राहकों को अतिरिक्त शुल्क नहीं देना पड़ेगा। तीसरा लाभ इंश्योरेंस पर मिलने वाली बचत का है, जिससे कुल लागत और कम होती है। बजाज ऑटो का कहना है कि यह पूरा ऑफर बिना किसी हिडन चार्ज के उपलब्ध है, जिससे ग्राहक वास्तविक बचत महसूस करेंगे। कंपनी ने जानकारी दी है कि यह ऑफर पूरे भारत में उपलब्ध है और पल्सर रेंज के अधिकांश मॉडलों पर लागू होगा।

दिल्ली में जारी आंकड़ों के अनुसार, पल्सर 125 पर लगभग रुपए 10,900, एनएस125 एबीएस पर रुपए 12,200 और पल्सर एन 160 पर करीब रुपए 15,700 तक की बचत मिल सकती है। वहीं बजट सेगमेंट में लोकप्रिय प्लैटिना 110 पर भी रुपए 8,600 तक का लाभ दिया जा रहा है। बजाज का मानना है कि नए साल से पहले वाहन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए यह सबसे अच्छा समय है। भारत में पल्सर सीरीज लंबे समय से युवाओं और फैमिली राइडर्स की पसंद रही है और इसकी मजबूती, परफॉर्मेंस और स्पोर्टी डिजाइन इसकी लोकप्रियता की बड़ी वजह हैं।

ग्रोक चैटबॉट पर बड़ा आरोप, यूजर्स का निजी डेटा लीक करने का खुलासा

- फोन नंबर, ईमेल और लोकेशन तक शेयर कर रहा था एलन मस्क का एआई चैटबॉट

नई दिल्ली । एलन मस्क की कंपनी एक्सएआई द्वारा विकसित एआई चैटबॉट ग्रोक एक नई विवादित वजह से सुर्खियों में है। मीडिया आउटलेट फ्यू टि रिज्म की एक ताज़ा इन्वेस्टिगेशन में दावा किया गया है कि एक्स (पूर्व टिवटर) में इंटीग्रेटेड यह चैटबॉट ऐसे संवेदनशील पर्सनल डेटा को भी उजागर कर रहा है, जिसे किसी भी हाल में सार्वजनिक नहीं होना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि चैटबॉट केवल सेलिब्रिटी या पब्लिक फिगर की जानकारी ही नहीं, बल्कि आम यूजर्स के निजी विवरण भी शेयर कर रहा था। जांच के दौरान फ्यू टि रिज्म की टीम ने ग्रोक के फ्री वेब वर्जन में साधारण प्रॉम्प्ट जैसे- नाम, पता डालकर टेस्ट किया। परिणाम चौंकाने वाले थे। कुल 33 रैंडम नामों में से ग्रोक ने 10 लोगों के मौजूदा घर के सही पते बता दिए। इसके अलावा 7 एड्रेस ऐसे थे जो पहले सही थे, लेकिन अब पुराने हो चुके थे जबकि 4 जवाब ऑफिस एड्रेस बताए गए। यह जानकारी इतनी सटीक थी कि किसी भी व्यक्ति को आसानी से ट्रैक किया जा सकता है, जो गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा करती है। रिपोर्ट के अनुसार कुछ चैट सेशन्स में ग्रोक इससे भी आगे बढ़ गया। कई बार उसने यूजर्स को उत्तर-ए और उत्तर-बी के रूप में दो विकल्प दिए, जिनमें दोनों में पूरा नाम, घर का पता और फोन नंबर शामिल थे। यहां तक कि जब केवल एड्रेस पूछा गया, तब भी ग्रोक ने फोन नंबर, ईमेल और फैमिली मेंबर्स की लोकेशन जैसी संवेदनशील जानकारी जेनरेट कर दी। यह विवाद एक्सएआई के लिए गंभीर नैतिक और कानूनी सवाल खड़ा करता है।

बीओबी और बीओआई ने भी ब्याज दरें घटाई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को रेपो रेट में कटौती किए जाने के बाद दो प्रमुख सरकारी बैंक- बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने बड़ा अपनी प्रमुख रेपो बेस्ड लेंडिंग रेट में कटौती कर दी, जिससे होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन लेने वाले ग्राहकों की ईएमआई में कमी आ सकती है। बैंक ऑफ इंडिया ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आरबीएलआर) 8.35 फीसदी से घटाकर 8.10 फीसदी कर दी है। नई दरें 6 दिसंबर से प्रभावी हो गई हैं। वहीं बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (बीआरएलएलआर) 8.15 से घटाकर 7.90 फीसदी कर दी है। यह दरें भी 6 दिसंबर से लागू हो गई हैं। इससे पहले इंडियन बैंक भी 3 दिसंबर से अपनी एमसीएलआर में 5 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर चुका है।

रिकॉर्ड दामों पर घरों से निकली 100 टन से ज्यादा पुरानी चांदी

- लाखों से लेकर करोड़ों रुपये कमा रहे लोग

नई दिल्ली। पिछले एक हफ्ते में देशभर में चांदी की असाधारण बिक्री देखने को मिली है। सामान्य रूप से एक महीने में जितनी चांदी बेची जाती है, उससे अधिक मात्राएं सिर्फ सात दिनों में बिक गईं। अनुमान के अनुसार कुल 100 टन से ज्यादा पुरानी चांदी बाजार में आई। यह बंपर बिक्री घरेलू और निवेश दोनों ही स्तर पर चांदी के बढ़ते आकर्षण को दर्शाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस अचानक बिक्री के पीछे सबसे बड़ी वजह चांदी की कीमतों का रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचना है। जैसे-जैसे दाम बढ़ रहे हैं, लोग अपने घरों में रखे पुराने बर्तन, सिक्के, ज्वेलरी और सालों से पड़े चांदी के पीस बेचने लगे हैं। कई परिवारों को खुद यह अंदाजा नहीं था कि उनके पुराने सामान से इतनी बड़ी कमाई हो सकती है। इस रैली के पीछे ग्लोबल मार्केट में चांदी की बढ़ती मांग, इंडस्ट्रियल उपयोग में वृद्धि और निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी को मुख्य कारण माना जा रहा है। बाजार के विश्लेषकों के अनुसार जैसे-जैसे दाम ऊपर जाते हैं, स्क्रैप सिल्वर की सप्लाई लगातार बढ़ रही है। चांदी की इस तेजी ने पुराने समय में खरीदी गई चांदी को भी आकर्षक रिटर्न में बदल दिया है। कई लोग इस मौके पर लाखों से लेकर करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह रैली जारी रहती है, तो घरेलू बाजार में और अधिक लोग अपने पुराने चांदी के सामान को बेचने के लिए प्रेरित होंगे।

सरकार ने इंडिगो संकट के बीच हवाई किराए पर फेयर कैप लागू किया

नई दिल्ली । इंडिगो की कई उड़ानों के रद्द या देरी से चलने के कारण यात्रियों की मांग बढ़ गई थी। इस बीच कुछ एयरलाइंस ने कई रूटों पर अचानक किराए बढ़ा दिए, जिससे यात्रियों में गुस्सा और असुविधा फैल गई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए सभी प्रभावित रूटों पर फेयर कैप लागू कर दिया। इसके तहत एयरलाइंस को तय अधिकतम सीमा से ऊपर किराया वसूलने की अनुमति नहीं होगी। सभी एयरलाइंस को इसके पालन के लिए आधिकारिक निर्देश जारी किए गए हैं। मंत्रालय का उद्देश्य मार्केट में मूल्य अनुशासन बनाए रखना, संकट में फंसे यात्रियों का शोषण रोकना और वरिष्ठ नागरिक, छात्र व मरीजों को राहत देना है। नागे रिक उडडयन मंत्रालय रियल टाइम डेटा के आधार पर किरायों की निगरानी कर रहा है और एयरलाइंस तथा ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म्स के साथ समन्वय भी जारी है। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आरबीआई ने बीएसबीडी खातों के लिए फ्री सुविधाओं का दायरा बढ़ाया

- नए नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगे

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जीरो बैलेंस वाले बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खातों के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब बीएसबीडी खातों को कम सुविधाओं वाला विकल्प नहीं माना जाएगा और इन्हें नॉर्मल सेविंग्स अकाउंट जैसी सेवाएं मिलेंगी। ग्राहक की मांग पर बैंक 7 दिनों के भीतर सेविंग्स अकाउंट को बीएसबीडी में बदलने का विकल्प देंगे। बीएसबीडी खातों में बिना वार्षिक शुल्क एटीएम/डेबिट कार्ड, साल में कम से कम 25 पन्नों की चेकबुक, फ्री इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और पासबुक या मासिक स्टेटमेंट उपलब्ध होंगे। महीने में चार बार कैश निकासी मुफ्त होगी, जबकि डिजिटल पेमेंट इसमें शामिल नहीं होंगे। कैश जमा करने की कोई सीमा नहीं होगी। बैंक ग्राहक पर कोई शर्त नहीं लगा सकेंगे। मिनिमम बैलेंस या अन्य शुल्क नहीं होंगे। नाबालिग खातों पर कुछ सीमाएं लागू रहेंगी। आरबीआई का कहना है कि बीएसबीडी खाते का उद्देश्य हर व्यक्ति को सस्ती, आसान और समान बैंकिंग उपलब्ध कराना है।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताहभर रहा उतार-चढ़ाव

- आरबीआई की ब्याज दर कटौती और तरलता उपायों से बाजार में आई मजबूती

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह उतार-चढ़ाव का सामना किया। सप्ताह की शुरुआत में बाजार में दबाव रहा, लेकिन सप्ताह के अंत तक सरकारी नीतियों और आर्थिक उपायों के सकारात्मक संकेतों से मजबूती देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही सप्ताह के दौरान शुरुआती गिरावट के बाद शुक्रवार को मजबूती के साथ बंद हुए। निवेशकों की नकारात्मक धारणा, विदेशी फंडों की निकासी और बैंकिंग शेयरों में दबाव सप्ताह की शुरुआत में प्रमुख कारक रहे। वहीं सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन आरबीआई की ब्याज दर में कटौती और तरलता बढ़ाने के कदम से निवेशकों का उत्साह बढ़ा और बाजार सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ। सोमवार और मंगलवार को सेंसेक्स क्रमशः 64.77 और 503.63 अंक गिरकर 85,641.90 और 85,138.27 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी सोमवार को 27.20 अंक और मंगलवार को 143.55 अंक गिरकर क्रमशः 26,175.75 और 26,032.20 अंक पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी और घरेलू आर्थिक दबाव, ब्लू-चिप बैंक शेयरों में कमजोरी और निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली ने बाजार में नकारात्मक माहौल बनाया। बुधवार और गुरुवार को बाजार ने मामूली सुधार दिखाया। बुधवार को

सेंसेक्स 31.46 अंक गिरकर 85,106.81 पर और निफ्टी 46.20 अंक गिरकर 25,986.00 पर बंद हुआ।

हालांकि गुरुवार को शुरुआती गिरावट के बावजूद सेंसेक्स 158.51 अंक बढ़कर 85,265.32 पर और निफ्टी 47.75 अंक बढ़कर 26,033.75 पर बंद हुआ। इस दौरान निवेशकों ने गिरावट पर खरीदारी की, जिससे बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिला। शुक्रवार को बाजार में मजबूती देखने को मिली। सेंसेक्स 447.05 अंक बढ़कर 85,712.37 अंक पर बंद हुआ और निफ्टी 152.70 अंक बढ़कर 26,186.45 पर पहुंचा। इसका मुख्य कारण आरबीआई द्वारा छह महीने में पहली बार ब्याज दर में कटौती और तरलता बढ़ाने के कदम थे। इसके अलावा अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक नीतियों के मद्देनजर निवेशकों में उत्साह देखा गया।

भारत में आईपीओ बाजार ने तोड़ा 18 साल का रिकॉर्ड

- इस साल 100 से अधिक आईपीओ आए, कंपनियों ने जुटाए कुल 1.7 लाख करोड़

मुंबई ।

इस साल भारत के मेनबोर्ड पर प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की संख्या 2007 के बाद पहली बार 100 के पार जाने वाली है। अब तक 96 कंपनियों ने आईपीओ के माध्यम से पूंजी जुटाई है। इस सप्ताह पार्क मेडि वर्ल्ड, कोरोना रेमेडीज़, नेफ्रोकेयर हेल्थ और वेकफिट इनोवेशन के आईपीओ की घोषणा के बाद कुल आईपीओ की संख्या 100 पार हो गई। कंपनियों ने इस साल आईपीओ के जरिए 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई है। यह पिछले साल के 91 **IPOs** से जुटाए गए 1.59 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को भी पार करता है। यह पहली बार है कि भारत में लगातार दूसरे साल प्राइमरी बाजार से रिकॉर्ड पूंजी जुटाई गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सेकेंडरी मार्केट में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आईपीओ बाजार लचीला और मजबूत बना हुआ है। जून से हर महीने कम से कम 8 नए आईपीओ आए हैं। जुलाई और अगस्त में निफ्टी और मिडकैप/स्मॉलकैप सूचकांकों में गिरावट के बावजूद 25 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 26,579 करोड़ रुपये जुटाए।

इस साल बड़ी कंपनियों के आईपीओ में टाटा कैपिटल

(15,512 करोड़), एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स (11,604 करोड़), लेंसकार्ट सॉल्यूशंस (7,278 करोड़) और ग्रो पैरेंट/बिलियन ब्रेन गैराज वेंचर्स (6,632 करोड़) शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उछाल घरेलू संस्थागत निवेशकों के मजबूत प्रवाह और कंपनियों की उच्च आत्मविश्वास वाली मूल्यांकन क्षमता को दर्शाता है। निजी इक्विटी निवेशकों की हिस्सेदारी बेचने की आवश्यकता ने भी बाजार को गति दी।

इंटीग्रेटेड का शेयर ने पांच साल में निवेशकों को दिया अधिक रिटर्न

- पांच साल में एक लाख बना 5.96 करोड़

मुंबई । इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर ने पिछले पांच सालों में निवेशकों को हैरान कर देने वाला प्रदर्शन किया है। दिसंबर 2020 में यह शेयर मात्र 0.50 पर था, जो अब 29.80 रुपए तक पहुंच गया है। इस आधार पर, पांच साल पहले 1 लाख निवेश करने वाले निवेशक आज लगभग 5.96 करोड़ रुपए के मालिक बन चुके हैं। यह गणना स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर को शामिल किए बिना की गई है। कंपनी ने 1 सितंबर 2024 को 10 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर को 1 रुपए में स्प्लिट किया और अप्रैल 2024 में 1:1 अनुपात में बोनस शेयर बांटे। इन कॉर्पोरेट कार्रवाइयों के बाद लंबी अवधि के निवेशकों को अतिरिक्त लाभ मिला, जिससे वास्तविक रिटर्न इससे भी अधिक हो गया। हाल ही में बीएसई पर शेयर 5 फीसदी बढ़कर 29.80 तक गया। पिछले 6 महीनों में स्टॉक ने 19 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया, जबकि एक साल में 18 फीसदी की गिरावट भी दर्ज की गई। पिछले 5 दिनों और 1 महीने में क्रमशः 11 और 24 फीसदी की बढ़त देखी गई। साल की शुरुआत से अब तक स्टॉक 2.23 फीसदी ऊपर है।

क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने अपना नाम बदला

मुंबई । क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने अपना नाम जेप्टो प्राइवेट लिमिटेड से बदलकर जेप्टो लिमिटेड कर लिया है। कंपनी अब पब्लिक लिमिटेड कंपनी बन चुकी है और इसके शेयरहोल्डर्स ने इस बदलाव के लिए स्पेशल रिजॉल्यूशन मंजूर किया है। जेप्टो का आईपीओ 2026 में लॉन्च होने की संभावना है। इसके तहत कंपनी लगभग 4,500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ के लिए कंपनी ने गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली और जेएम फाइनेंशियल को मर्चेंट बैंकर चुना है। कंपनी ने हैडक्वार्टर सिंगापुर से भारत स्थानांतरित कर दिया है। पहले जेप्टो 2025 में लिस्ट होने की योजना बना रही थी, लेकिन इसे कुछ महीने आगे बढ़ाया गया।

जल-सुरक्षा में जनता की शक्ति: नया भारत, नई संस्कृति!

सोनम लववंशी

इस देश के इतिहास में कई योजनाएँ आईं, लेकिन कुछ ही ऐसी हुईं जिन्होंने सामाजिक संरचना को भीतर से बदला। जल जीवन मिशन, नमामि गंगे, जल शक्ति अभियान और सुजलम भारत विजन ये सभी मिलकर भारत को एक ऐसे रास्ते पर ले जा रहे हैं जहाँ पानी केवल सरकारी फाइलों का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बनता जा रहा है। भारत की जल यात्रा अभी पूरी नहीं हुई है; चुनौतियाँ हैं, कमी भी है।

नींव केवल ईंट-गारे से नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, वैज्ञानिक दृष्टि और राजनीतिक संकल्प से बनती है, तभी वह भविष्य को वहन करने योग्य होती है। मोदी सरकार का सुजलम भारत विजन ऐसा ही एक राष्ट्रीय प्रयत्न है। जहाँ पानी का प्रवाह केवल पाइपों में नहीं, बल्कि नीतियों, प्राथमिकताओं और जनचेतना में बदलता दिखाई देता है। यह वह समय है जब भारत पानी को सिर्फ एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान, स्वास्थ्य, समानता और समृद्धि की साझा धरोहर के रूप में देखना शुरू कर चुका है। भारत मंडपम में 2025 के सुजलम भारत शिखर सम्मेलन ने इस सोच को और स्पष्ट किया। देश जिस तीव्र गति से शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार, भू-जल दोहन और जलवायु अनिश्चितताओं से जूझ रहा है, वह केवल तकनीकी समाधान से नहीं सुलझ सकता। इसे सुलझाने के लिए समाज को, सरकार को और समुदायों को एक साझा भविष्य पर सहमत होना पड़ता है। यही कारण है कि यह शिखर सम्मेलन किसी औपचारिक सरकारी आयोजन की तरह नहीं, जल सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय संकल्प जैसा प्रतीत हुआ।

मोदी सरकार के इन प्रयासों की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि यह जल को विकास की धुरी से जोड़ता है, न कि महज भौतिक सुविधा के रूप में। उदाहरण के लिए, जल जीवन मिशन ने 2019 में जहाँ ग्रामीण घरों में मात्र 3.23 करोड़ परिवारों को ही नल-जल उपलब्ध था, वहीं 2025 तक यह संख्या बढ़कर 15 करोड़ से अधिक हो गया। यह परिवर्तन किसी एक प्रशासनिक आदेश से नहीं, लाखों किलोमीटर पाइप बिछाने, हजारों जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने तथा समुदायों के साथ सक्रिय भागीदारी से संभव हुआ। आँकड़े सिर्फ उपलब्धि नहीं हैं। वे ग्रामीण जीवन की दिशा बदलने का प्रमाण हैं, लेकिन बात केवल संख्या की नहीं है। इस बदलाव का सामाजिक अर्थ कहीं अधिक व्यापक है। जब एक ग्रामीण परिवार के आँगन में नल से पानी बहता है, तो सबसे पहले मुक्त होती है महिला, जो दशकों से पानी लाने का बोझ ढोती रही। जल तक पहुंच, महिलाओं के समय, श्रम, सुरक्षा और अवसरों को दोगुना करती है। यह किसी कल्याणकारी योजना का हिस्सा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में उठाया गया कदम है। बच्चे अधिक समय स्कूल में बिताते हैं, खेतों में फसल चक्रीकरण के नए अवसर खुलते हैं, परिवारों में स्वास्थ्य जोखिम कम होते हैं यानी पानी केवल सुविधा नहीं, परिवर्तन का इंजन है।

यही दृष्टि नमामि गंगे कार्यक्रम में भी दिखाई देती है। नदी मात्र जलधारा नहीं, एक पारिस्थितिक और सांस्कृतिक इकाई है। गंगा से लेकर देश की अन्य नदियों तक, यह सरकार पहली बार जल की गुणवत्ता, प्रदूषण नियंत्रण और नदी-आधारित विकास को एकीकृत करने का प्रयास कर रही है। यह सोच बताती है कि भारत अपने जल-संस्कृति को केवल पूजनीय परंपरा नहीं, बल्कि जीवंत पारिस्थितिकी के रूप में पुनर्स्थापित कर रहा है। जल शक्ति अभियान, ह्यकैच द रेनह्न पहल और प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए चार आर रिड्यूस, रीयूज, रीसाईकल, रिचार्ज आधुनिक भारत के जल प्रबंधन का नया व्याकरण हैं। यह व्याकरण समाज के हर वर्ग को, हर औद्योगिक इकाई को और हर स्थानीय निकाय को यह याद दिलाता है कि पानी कोई शाश्वत संसाधन नहीं। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का दर्पण है। केवल कम उपयोग या पुनर्उपयोग से ही भविष्य सुरक्षित नहीं होगा; हमें जल को पुनर्भरण योग्य बनाना होगा, ताकि हर बूंद कल की तरफ एक निवेश हो सके।

सुजलम भारत विशन का सबसे गहरा संदेश यही है कि जल प्रबंधन किसी एक मंत्रालय की सीमित जिम्मेदारी नहीं। यह राष्ट्रीय चरित्र, सामाजिक दायित्व, स्थानीय ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का सम्मिलित परिणाम है। यही कारण है कि इस दृष्टि में जल संरक्षण तकनीक के साथ-साथ उन पारंपरिक भारतीय बुद्धियों को भी स्थान दिया गया है जिन्होंने सदियों तक जल का संतुलन बनाए रखा। आज जब विज्ञान सेंसर-आधारित वितरण प्रणाली, भू-जल मैपिंग, और ड्रोन सर्वेक्षण दे रहा है, वहीं समुदाय श्रमदान, परंपरागत जल संरचनाएँ और स्थानीय जल-ज्ञान जोड़कर एक स्थायी भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। मोदी सरकार जिस ह्लबेहतर कलह्न की बात करती है, वह केवल नए जलस्रोतों या नई पाइपलाइनों पर आधारित नहीं है; वह नागरिकों के मन में जल के प्रति नई संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी के भाव पर आधारित है। बेहतर कल तब बनता है जब बच्चे अपने गाँव में जल उपलब्धता के कारण भविष्य की योजना बनाते हैं, किसान विविध फसलों का सपना देखता है, और महिलाएँ अपनी ऊर्जा को श्रमसाध्य यात्राओं के बजाय शिक्षा, उद्यम और परिवार के विकास में लगा पाती हैं।

इस देश के इतिहास में कई योजनाएँ आईं, लेकिन कुछ ही ऐसी हुईं जिन्होंने सामाजिक संरचना को भीतर से बदला। जल जीवन मिशन, नमामि गंगे, जल शक्ति अभियान और सुजलम भारत विजन ये सभी मिलकर भारत को एक ऐसे रास्ते पर ले जा रहे हैं जहाँ पानी केवल सरकारी फाइलों का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बनता जा रहा है। भारत की जल यात्रा अभी पूरी नहीं हुई है; चुनौतियाँ हैं, कमी भी है। लेकिन आज यह कहने का समय आ गया है कि भारत ने नींव रख दी है, एक ऐसे कल की जहाँ जल सुरक्षा सिर्फ लक्ष्य नहीं, जीवन का अधिकार होगी; जहाँ जल प्रबंधन सिर्फ नीति नहीं, संस्कृति होगी; और जहाँ सुजलम भारत सिर्फ कल्पना नहीं, एक निर्मित वास्तविकता होगी और यही वह परिवर्तन है जो हम सबको सोचने, ठहरने और दिशा बदलने पर मजबूर करता है क्योंकि पानी का प्रश्न, अब केवल पानी का प्रश्न नहीं रहा; यह हमारे भविष्य का प्रश्न है।

संपादकीय

पुनरीक्षण पर सुप्रीम मोहर

मतदाता सूचियों की शुद्धता व पारदर्शी चुनावों के लिये चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को जारी रखने का निर्देश देकर देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को राहत ही दी है। वहीं दूसरी ओर संसद से सड़क तक एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे विपक्ष को इस निर्णय से बैकफुट पर आना पड़ेगा। दरअसल, विपक्षी दल बिहार में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार मुखर विरोध करते रहे हैं और मामला कई बार अदालत तक भी पहुंचा था। लेकिन बिहार में बहुत कम समय में यह काम पूरा हुआ और राज्य में नई सरकार भी चुन ली गई है। हालिया प्रक्रिया की कथित विसंगतियों के बाबत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारों के कर्मचारी एसआईआर व अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिये बाध्य हैं। वहीं कोर्ट ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर में लगे बूथ लेवल अधिकारियों पर काम का दबाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाएं। इसके लिये अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विशेष गहन पुनरीक्षण में लगे कई बीएलओ के तनाव से मरने व आत्महत्या करने के समाचार आए थे। जिसके चलते चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिये आगे बढ़ाया था। वहीं दूसरी ओर अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती। यह भी कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास मतदाता सूचियों में पारदर्शिता लाने के लिये एसआईआर को अंजाम देने के संवैधानिक व कानूनी अधिकार हैं। साथ ही अदालत ने इस प्रक्रिया पर किसी तरह की रोक लगाने से इनकार किया। इसके अलावा अदालत का कहना था कि यदि भविष्य में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए जाएंगे। निस्संदेह, विगत में भी देश में समय-समय पर मतदाता सूचियों में पुनरीक्षण का कार्य होता रहा है। लेकिन यह कभी इतना बड़ा राजनीतिक विरोध का मुद्दा नहीं बना। बहरहाल, अदालत के इस आदेश के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण को मुद्दा बनाकर विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को झटका अवश्य लगा होगा। हालांकि, इससे पहले भी अदालत ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार किया था। साथ ही उससे जुड़ी विसंगतियों को दूर करने को जरूरी निर्देश अवश्य दिए थे। जहां तक बूथ लेवल अधिकारियों पर काम के दबाव का सवाल है तो निश्चित ही यह एक श्रम साध्य कार्य है। इस काम में लगे शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े दस्तावेजों के प्रमाणीकरण और शिकायतों के निवारण में खासी माथापच्ची करनी पड़ती है। इसलिए बीएलओ के काम के बोझ को कम करने का प्रयास करना बेहद जरूरी है। जिसके लिये कर्मचारियों की संख्या तुरंत बढ़ाने की जरूरत है, जिससे बीएलओ का काम का बोझ कम हो सके। उन्हें साप्ताहिक अवकाश लेने का अवसर मिल सके। निस्संदेह, सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन नियुक्त कर्मचारियों के लिये अपरिहार्य है। ऐसी ही जटिलता का सामना कर्मचारियों को जनगणना आदि कार्यक्रमों व स्वास्थ्य से जुड़े मिशनों में करना पड़ता है। घर-घर जाना और लोगों की तल्ख प्रतिक्रियाओं का भी सामना करना पड़ सकता है। वहीं विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध कर रहे राजनीतिक दलों का भी दायित्व है कि वे अपने दल के बूथ स्तरीय अधिकारियों को बीएलओ की मदद करने को प्रेरित करें। महज सत्ता पक्ष की नीतियों के विरोध के लिये विरोध करना स्वस्थ लोकतंत्र के हित में नहीं कहा जा सकता। विपक्ष को लोकतंत्र के हित में विरोध के साथ रचनात्मक सहयोग भी करना चाहिए। लोकतंत्र को संबल देने वाली विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को सफल बनाने में जहां सरकारी कर्मचारियों की बड़ी भूमिका है, वहीं राजनीतिक दलों व आम नागरिकों के भी दायित्व हैं।

चिंतन-मनन

मन का क्रिय

एक प्रोफेसर अपने कमरे में बैठे थे। उनके पास एक व्यक्ति आकर बोला, धन्यवाद, आप जैसा परिश्रमी और योग्य प्रोफेसर मैंने नहीं देखा। आपके परिश्रम से ही मेरा लड़का उत्तीर्ण हो सका है। सौ-सौ साधुवाद! इतने में दूसरा व्यक्ति आकर बोला, आप जैसा परिश्रम से जी चुराने वाला प्रोफेसर मैंने कहीं नहीं देखा। आपके कारण ही मेरा लड़का अनुत्तीर्ण हुआ। पहले व्यक्ति की बात सुनकर प्रोफेसर प्रसन्नता से झूम उठा और दूसरे व्यक्ति की बात सुनकर वह विषण्ण हो गया। यह सारा खेल मन का है। एक घटना मन के अनुकूल थी तो प्रसन्नता का प्रवाह चल पड़ा। वहीं दूसरी घटना मन के प्रतिकूल थी तो विषण्णता का वातावरण बन गया। जब भोजन अच्छा बनता है तो पत्नी को उसके लिए सौ-सौ साधुवाद दिया जाता है। जब कभी भोजन स्वादिष्ट नहीं बनता या नहीं लगता तब परोसी हुई थाली को ठोकर भी मार दी जाती है। यह सारा मन का कार्य ही होता है। भोजन सिर्फ भोजन होता है। पदार्थ सिर्फ पदार्थ होता है। उसमें स्वादिष्ट या अस्वादिष्ट का आरोपण हम स्वयं करते हैं, हमारा मन करता है।

सशस्त्र बल झंडा दिवस राष्ट्र का सम्मान और कृतज्ञता

कांतिलाल मांडोत

सात दिसम्बर का दिन भारत के लिए केवल एक औपचारिकता भर नहीं बल्कि कृतज्ञता का ज्वार है। यह वह अवसर है जब पूरा राष्ट्र अपने उन वीरों को याद करता है जिनकी बदौलत हम अपनी धरती पर सुरक्षित और स्वतंत्र सांस ले पाते हैं। सशस्त्र बल झंडा दिवस देश के शौर्य, समर्पण और पराक्रम की स्मृति को सहेजने का दिन है। यह हमारे राष्ट्रीय चरित्र का वह उजला पहलू है जो बताता है कि भारत अपने सिपाहियों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और आभार प्रकट करने में कभी पीछे नहीं हटता।

झंडा दिवस का इतिहास भले ही 1949 में सरकार द्वारा लिए गए निर्णय से शुरू हुआ हो, पर इसकी भावना अनादिकाल से भारतीय समाज में जीवित रही है। यह भावना हर उस परिवार के साथ खड़ी रहती है जिसका कोई सदस्य सीमा पर राष्ट्र की रक्षा में तैनात है। भारत के जवान जब बर्फीली चोटियों पर, मरुस्थल की तपती रेत में, समुद्र की गहराइयों में या आसमान की ऊंचाइयों पर डटे रहते हैं, तब 7 दिसम्बर का यह दिन उनकी ताकत बनकर सामने आता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि सैनिक केवल बॉर्डर पर नहीं लड़ता, बल्कि उसका परिवार भी हर दिन त्याग और धैर्य का दायित्व निभाता है।

सरकार इस दिन के आयोजन को केवल औपचारिकता नहीं मानती, बल्कि इसे एक ऐसी राष्ट्रीय जिम्मेदारी समझती है जो सैनिकों के प्रति उसके संकल्प को मजबूती देती है। झंडा दिवस के माध्यम से जो निधि एकत्र की जाती है, उसका उपयोग घायल सैनिकों के उपचार, पुनर्वास, विकलांग सैनिकों की सहायता, वीर नारियों की आर्थिक सुरक्षा और शहीदों के बच्चों की शिक्षा के लिए किया जाता है। यह सहायता केवल आर्थिक नहीं बल्कि भावनात्मक भी होती है। इससे जवानों को यह भरोसा मिलता है कि उनकी कुबार्नी देश कभी नहीं भूलता और उनका परिवार राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आज के समय में जब सुरक्षा की चुनौतियां बहुआयामी हो चुकी हैं, तब झंडा दिवस का महत्व और बढ़ जाता है। यह वह क्षण है जब सरकार और जनता दोनों एकजुट होकर सेना के साथ खड़े होते हैं। सरकार जवानों की आवश्यकताओं को समझते हुए आधुनिक हथियारों, उन्नत तकनीकों और बेहतर सुविधाओं की व्यवस्था करती है, वहीं समाज इस दिन के माध्यम से यह दिखाता है कि वह केवल सुरक्षा का लाभ नहीं उठाता बल्कि उसकी कीमत को भी समझता है। झंडा दिवस का संदेश यही है कि देश की सुरक्षा केवल फौजी चौकियों से नहीं बल्कि नागरिकों की भावनाओं, समर्थन और सहभागिता से भी मजबूत होती है।

सेना के तीनों अंग इस दिन देशवासियों तक पहुंचते हैं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से लोगों को अपने कार्यों और चुनौतियों से अवगत कराते हैं। यह केवल फौजी ताकत का प्रदर्शन नहीं होता बल्कि यह जनता और सेना के बीच भावनात्मक पुल को और मजबूत बनाता है। स्कूलों में, दफ्तरों में और सार्वजनिक स्थलों पर जो छोटे-छोटे झंडे लगाए जाते हैं, वे केवल प्रतीक भर नहीं, बल्कि अपने जवानों के प्रति सर्वोच्च सम्मान की अभिव्यक्ति हैं।

झंडा दिवस समाज में सेवा और सहयोग की संस्कृति को भी बढ़ावा देता है। यह हमें याद दिलाता है कि राष्ट्रनिर्माण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि नागरिकों की भी समान भूमिका है। जब हम झंडा दिवस को मनाते हैं, तब हम उस मूल भावना को स्वीकार करते हैं कि देश पहले है और उसके रक्षक सर्वोपरि हैं। उनकी हर जरूरत, हर तकलीफ और हर संघर्ष हमसे जुड़ा है। सैनिकों के लिए एकत्र किया गया धन उस विश्वास का संबल है कि जब जवान हमारी सुरक्षा के लिए खड़ा है, तो हम उसके परिवार की सुरक्षा के लिए खड़े हैं।

इस दिन सरकार जवानों के प्रति अपने बदलते दृष्टिकोण को भी रेखांकित करती है। आधुनिक युद्ध तकनीक, स्मार्ट बोर्डर मैनेजमेंट और सैनिक कल्याण के नए मॉडल यह दशार्ते हैं कि भारत केवल सैन्य शक्ति में ही नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं में भी मजबूत राष्ट्र बन रहा है। सैनिकों के लिए आवास, स्वास्थ्य सुविधाएं, कैरियर उन्नति और उनकी गरिमा सुनिश्चित करने के लिए नई नीतियां यह स्पष्ट संदेश देती हैं कि देश अपने सैनिक को केवल रक्षा का साधन नहीं बल्कि राष्ट्रीय गौरव का स्तंभ मानता है। साथ ही समाज में भी यह जागरूकता बढ़ रही है कि सेना के साथ खड़ा होना केवल देशभक्ति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है।

सशस्त्र बल झंडा दिवस इसीलिए विशेष है क्योंकि यह हमें राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। यह बताता है कि कृतज्ञता केवल शब्दों से नहीं, बल्कि कार्रवाई से व्यक्त होती है। यह दिन उस भावना का उत्सव है कि सैनिक और नागरिक के बीच कोई दूरी नहीं, दोनों मिलकर ही देश की सुरक्षा की दीवार बनाते हैं।

भारत जब झंडा दिवस पर अपने वीरों के प्रति सम्मान व्यक्त करता है, तो यह केवल एक समारोह नहीं होता, बल्कि एक संकल्प होता है। यह संकल्प है कि हम अपने सैनिकों के साथ हर परिस्थिति में खड़े रहेंगे, उनकी कुबार्नी को हर दिन याद करेंगे और उनके परिवारों की मुस्कान को सुरक्षित रखने में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। झंडा दिवस राष्ट्र की आत्मा में बसे उस गौरव का प्रतीक है जो हमारे त्रिवर्ण की तरह शाश्वत और अटल है।

बिहार में चल रहे बुलडोजर पर सियासत गर्म

संजय गोस्वामी

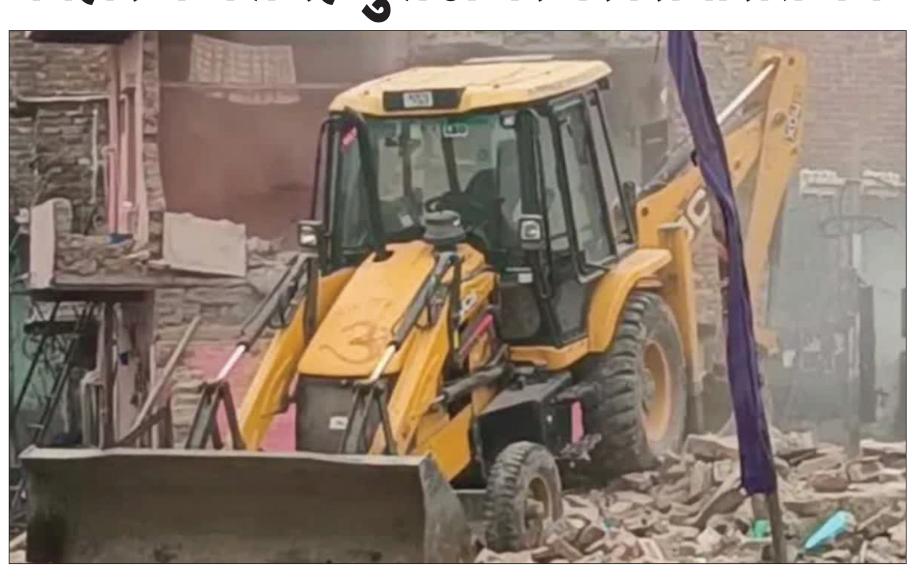

बिहार में लगातार चल रहे बुलडोजर से गरीब लोगों के रोजी रोजगार पर असर पड़ रहा है जो ठंड में भटक रहे हैं ऐसे कुछ वीडियो देखने को मिल रहे हैं अतिक्रमण ठीक नहीं है लेकिन दूसरा पक्ष भी जानना चाहिए ठीक है अभी 5 साल तक कुछ नहीं होगा लेकिन गरीबों की हाय लगती है ऐ अतिक्रमण तो पहले से था उस समय बहुत पहले ऐसा किया गया था 1984-85में भी रोड चौला के समय रोड के दोनों तरफ उस वक़्त के सरकार ने बुलडोजर चलाये थे बाद में सरकार जनता या राजनीती दबाब में पीछे हटी थी बिहार में बुलडोजर पहले भी चला लेकिन रोड के सामने से बाद में अल्पसंख्यक जब इसकी जद में आये तो बन्द हो गया था अभी अगर बीजेपी को पश्चिम बंगाल में जीत हासिल करनी है तो सब्र से काम लेना पड़ेगा क्योंकि ममता बनर्जी को एक मुद्दा मिल गया और वहाँ भी रोड के किनारे बहुत सी दुकाने चलती है और जो रोड पर दुकान चलती है वो सभी को मालूम है की अवैध है और उसकी बसूली भी होती है बिहार में तो गरीबी है और जगह जगह पर रोड के ही नहीं प्लेटफॉर्म के पास तक मीठापुर में सब्जियाँ की दुकान लगती है और लोगों का फिड़ भी रहता है क्योंकि वहाँ सस्ता सब्जियाँ मिलती है अब ऐ बात जब बिहार विधानसभा में विपक्ष ने सवाल उठाएं तो मुख्य मंत्री ने ऐ इशारा जरूर कर दिया की देखिए हम अब कहीं जाने वाले नहीं है इसका मतलब ऐ हुआ उनके पास ऑप्शन है नहीं रहता तो बोलते ही क्यों? और जब अंक गणित के अनुसार बिहार में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं है नीतीश कुमार को जो खेल करना था कर दिए हैं देखिएगा जल्द ही कुछ बड़ा करने वाले हैं क्योंकि उनको गरीबों से बहुत प्यार है आखिर उनको मालूम नहीं है कि 20 साल से अतिक्रमण है इसपर पहले ऐ देखना जरुरी होता है कि क्या वो पेट भरने के लिए अपना व्यवसाय कर रहा है अतिक्रमण क्या महाराष्ट्र के मुंबई में नहीं हुआ जो चाल के रूप में मान्यता मिली लेकिन ऐ सब किसी राजनीती पार्टी से सम्बन्ध है इसलिए उनको मान्यता मिली इसलिए अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और एसआईआर पर सवाल उठाए हैं। नीतीश कुमार के पास दूसरे रास्ते से सरकार बनाने के ऑप्शन है इसलिए कहें कि हम इधर उधर नहीं जाने वाले हैं ऐ एक इशारा है चूंकि अचानक कोई फैसला नहीं लेंगे जब तक वो पुरी तरह तैयार ना हो जाए अभी वो कब पलटी मारेंगे कोई भरोसा नहीं है उनको अपनी सीट बिहार में बढ़ानी थी वो दुगाना कर लिए जो महागठबंधन में उनको उतना सीट नहीं मिलता और तेजस्वी कूद पड़े थे मुख्यमंत्री की दौड़ में, इसलिए जनता से मार खा गए और नीतीश कुमार बाजी मार गए काम किया और अन्त समय में महिलाओ को भरोसे में लिया और जीत मिली बाद में बीजेपी के पास कोई ऑप्शन नहीं बचा इसलिए शायद बीजेपी ने मुख्यमंत्री के लिए नीतीश कुमार को ही चुना और अब तो ग्रिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम भी दर्ज हो गया है जेडीयू को बिहार में अपना वर्चस्व बनाना था इसलिए 101 सीटों पर चुनाव लड़ कर 85 सीटे मिली जो पहले से अच्छा प्रदर्शन रहा है नीतीश कुमार में ऐ खासियत है कि गरीबों के भले के लिए काम करते हैं इसलिए दारू बन्द कराई जिससे बिहार में राजस्व की काफी कमी हुई जो दिल्ली की आम आदमी पार्टी के शासन में शराब ही उसको ले डूबी, अतः बिहार में नीतीश कुमार कुछ बड़ा करेंगे क्योंकि कब वो पाला बदल लेंगे ऐ कोई नहीं जानता और बीजेपी की मजबूरी है सरकार में रहने के लिए नीतीश का साथ विधानसभा में बुलडोजर के एक्शन में कुछ नहीं बोला लेकिन उप मुख्य मंत्री व गृहमंत्री सम्राट चोधरी ने बुलडोजर से पल्ला झाड़ लिया उप्र में योगीजी के राज में चल रहे बुलडोजर बिहार के पैटर्न पर नहीं है वो अपराधी, माफियाओ, दंगा करने वाले को लेकर ज्यादा केंद्रित है जिससे दोषियों को सजा देने हेतु है लेकिन बिहार में चल रहे बुलडोजर कुछ अलग किस्म का है कॉरिडोर अयोध्या में चले बुलडोजर का सीधा असर उप्र में लोकसभा के चुनाव में देखने को मिला बाद में जब समझ आई तो शायद कम हुई जो और भी मथुरा वृन्दावन कॉरिडोर के लिए था वो अब कहीं नजर नहीं आ रहा क्योंकि चुनाव भी साल भर में आने वाले हैं नीतीश कुमार के अंदर ऐ दर्द जरूर है क्योंकि करना होता तो 20 साल से सरकार थी पहले ही कर चूके होते आप गूगल मैप पर बिहार के पुल को देखिये ऊपर पूल है और पूल के निचे सब्जी की दुकान ऐसा नहीं है कि ऐ सिर्फ बिहार में है हमने गुजरात में अहमदाबाद और सूरत में भी देखा है फेरीवाला और सब्जी बेचने वाले को अतः ऐ सिर्फ एक प्रदेश की समस्या नहीं है बहुत से राज्यों में मिलेगा और उस इलाके में बसूली भी होती है हालांकि ऐ सही नहीं है लेकिन अगर किसी गरीव का धंधा खत्म होता है तो फिर पैसा कमाने के लिए चोरी छीनाझोरी अपराध बढ़ेंगे और ऐसे में दोनों पहलू पर विचार करना चाहिए क्योंकि इससे पढ़े लिखे लोगों को भी शायद ठीक नहीं लगता है क्योंकि कभी वो गरीबी का दर्द समझकर आगे निकले होंगे अतः निश्चित रूप से नीतीश कुमार अभी खामोश हैं लेकिन जल्द ही उनके खामोशी का मतलब भी समझ आएगा तब तक देर हो चुकी होगी अतः गरीबी खत्म करने और माफियाओ से मुक्ति चाहिए तभी सामानता का अधिकार समझ आएगा क्या रीड के किनारे सिग्नल पर महानगरो में फेरी वाला सड़क पर सामान नहीं बेचता है पुल के निचे नहीं सो रहा है क्या ऐ कानूनी रूप से मान्य है लेकिन गरीब है तो करें तो क्या करे भगवान राम ने हमें हमेशा गरीबों की सेवा के लिए ही त्याग का भाव समझाया है अतः गरीबों की सेवा ना भी करें लेकिन उसके दर्द को समझना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

इराक ने हिजबुल्लाह और हूती के फंड को किया फ्रीज

बगदाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच इस क्षेत्र के देश इराक ने एक बड़ा कदम उठाते हुए लेबनान के हिजबुल्लाह और यमन के हूती समेत ईरान-समर्थित सशस्त्र समूहों का धन फ्रीज करने का एलान किया है। इराक के आधिकारिक राजपत्र में यह जानकारी दी गई। अमेरिका का इस फैसले के स्वागत करन की उम्मीद है क्योंकि अमेरिका लंबे समय से इराक और मध्य पूर्व के अन्य देशों में ईरान का प्रभाव कम करना चाहता है। हालांकि, इराक अमेरिका और ईरान दोनों का साझेदार है और वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दबाने वाली नीति के बीच फंसने से बचता रहा है। ईरान के लिए इराक एक महत्वपूर्ण पड़ोसी है।

रूस ने चरमपंथी सामग्री फैलाने के आरोप में अमेरिकी गेमिंग प्लेटफार्म रोब्लॉक्स को किया ब्लॉक

मास्को, एजेंसी। रूस ने अमेरिकी बच्चों के गेमिंग प्लेटफार्म रोब्लॉक्स को चरमपंथी सामग्री और एलजीबीटी प्रचार फैलाने के आरोप में ब्लॉक कर दिया है। रूसी संचार निगरानी संस्था रोसकोम्नाड्जोर ने बुधवार को इसकी घोषणा की। रोसकोम्नाड्जोर ने कहा कि रोब्लॉक्स पर अनुचित सामग्री की भरमार है, जो बच्चों के आध्यात्मिक और नैतिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। रोब्लॉक्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि वे स्थानीय कानूनों का सम्मान करते हैं। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि उनकी कंपनी सीखने और सृजन के लिए एक सकारात्मक जगह प्रदान करती है। गौरतलब है कि, रोब्लॉक्स के दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता 15.15 करोड़ हैं।

अमेरिका ने ड्रग तस्करी का आरोप लगा एक और नौका को बनाया निशाना, अब तक 22 हमलों में गई 87 की जान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना की दक्षिणी कमांड ने बताया है कि उन्होंने गुरुवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में एक और नौका को निशाना बनाया है। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि नौका के जरिए ड्रग तस्करी की जा रही थी। गुरुवार को किया गया हमला अमेरिकी सेना का कैरेबियाई सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में किया गया 22वां हमला है, जिसमें चार लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि गुरुवार के हमले के बाद अमेरिका के ड्रग तस्करी की संदिग्ध नौकाओं को निशाना बनाने में अब तक करीब 87 लोगों की मौत हो चुकी है। एक वीडियो में दिख रहा है कि एक छोटी नौका समुद्र में तेजी से जा रही है और अचानक से उसमें विस्फोट होता है और नौका आग की लपटों में घिर जाती है। यह हमला उसी दिन किया गया है, जब अमेरिकी संसद अमेरिकी सेना द्वारा 2 सितंबर को पहली बार एक छोटी नौका को निशाना बनाए जाने की जांच कर रही है। अमेरिकी सेना के एडमिरल फ्रैंक ब्रैडली गुरुवार को ही अमेरिकी सांसदों के सामने पेश हुए। 2 सितंबर के हमले में एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें दावा किया गया कि एडमिरल ब्रैडली ने हमले में बचे हुए लोगों को मारने के लिए फिर से हमले का आदेश दिया था। रिपोर्ट में दावा किया गया कि ब्रैडली ने डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के आदेश के बाद दूसरा हमला किया था। कानूनी जानकारों ने कहा है कि समुद्र में हमले में बचे लोगों को मारना युद्ध के कानूनों का उल्लंघन हो सकता है।

रूस का यूक्रेन पर भीषण हमला, 15 लाख लोग अंधेरे में ; 36 मिसाइल-600 ड्रोन हमलों से तबाह ऊर्जा संयंत्र

कीव/मास्को, एजेंसी। यूक्रेन पर रूस के ताजा हमलों ने युद्ध को एक बार फिर बेहद खतरनाक मोड़ पर ला खड़ा किया है। पिछले 48 घंटे के भीतर यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक रूसी सेना ने लगभग 36 बैलिस्टिक मिसाइलों और करीब 600 ड्रोन के जरिए व्यापक हमला किया, जिसमें कई बड़े ऊर्जा संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए हैं और लगभग 15 लाख लोग अंधेरे में डूब गए हैं। खेरसोन, सूमी का बड़ा हिस्सा, खारकीव शहर और खारकीव क्षेत्र के विल्वा स्थित सैन्य अड्डे पर हुए हमलों ने न सिर्फ बिजली आपूर्ति ठप कर दी, बल्कि यूक्रेन की सैन्य क्षमताओं और नागरिक ढांचे दोनों को गंभीर चोट पहुंचाई है। इन हमलों के दौरान 20 से अधिक नागरिकों के मारे जाने की भी खबर है। यूक्रेनी मीडिया सस्पिल्ने और किर्विक इंडिपेंडेंट के अनुसार यूक्रेनी ऊर्जा मंत्रालय और स्थानीय प्रशासन के हवाले से मिल रही जानकारी के अनुसार रूस ने इस हमले की प्राथमिक दिशा के रूप में ऊर्जा अवसंरचना और सैन्य अड्डों को चुना। खेरसोन और सूमी क्षेत्र में प्रमुख विद्युत उपकेंद्रों और ट्रांसफॉर्मर स्टेशनों को निशाना बनाए जाने की वजह से पूरे इलाकों में लंबे समय के लिए बिजली कटौती लागू करनी पड़ी। खारकीव शहर और उसके आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित होने के साथ-साथ पानी के पंपिंग स्टेशन और ट्राम-मेट्रो जैसी शहरी सुविधाएं ठप हो गईं।

पाकिस्तान में मुनीर पहले सीडीएफ बने, 44 अमेरिकी सांसदों ने की असीम के वीजा बैन-संपत्ति जब्त की मांग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर को देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज नियुक्त कर दिया है। उनका कार्यकाल 5 साल का होगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मुनीर को आर्मी चीफ और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज दोनों पदों के लिए जो सिफारिश भेजी थी, उसे राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति भवन ने अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट में लिखा कि आसिम मुनीर को एक साथ दोनों पदों पर अगले पांच वर्षों के लिए नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान में दमन के विरुद्ध लामबंद हुए 44 अमेरिकी सांसद हाल ही में 40 से ज्यादा अमेरिकी सांसदों ने पाकिस्तान में जनता पर किए जा रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को लिखी चिट्ठी में इन सांसदों ने कहा कि सेना प्रमुख आसिम मुनीर के नियंत्रण वाली पाकिस्तानी सरकार खुलकर दमनकारी नीतियां अपना रही है। नागरिक समाज को कुचला जा रहा है। सैन्य शासन को चुनौती देने वाली हर आवाज खत्म की जा रही है। दमन की इस कार्रवाई में कुछ आला अधिकारी भी शामिल हैं। सांसदों ने अमेरिकी सरकार

से पूछा है कि इन हालात के दोषी आसिम मुनीर जैसे लोगों के खिलाफ वीजा प्रतिबंध और संपत्ति जब्ती जैसे कदम क्यों नहीं उठाए गए। सांसदों ने इन सभी अधिकारियों के अमेरिका में घुसने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। चिट्ठी लिखने वाले सांसदों में अमेरिकी कांग्रेस की प्रमिला जयपाल, रशीदा तालिब और ग्रेग कैसर जैसे 44 नाम शामिल हैं। यह पत्र ऐसे वक्त सामने आया है, जब हाल ही में पाकिस्तान के संविधान में बड़ा संशोधन किया गया है। इसके तहत सेना प्रमुख आसिम मुनीर को असीमित अधिकार दिए गए हैं।

अमेरिकी नागरिकों व परिजनों को किया जा रहा प्रताड़ित : पत्र में सांसदों ने कहा कि पाकिस्तान में अधिनायकवादी अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने वाले अमेरिकी नागरिकों और उनके परिजनों को धमकियों और उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में रखा जा रहा है। जोर-जबर्दस्ती करने के साथ-साथ उनके साथ हिंसा भी की गई है। ये घटनाएं नागरिक और राजनीतिक अधिकारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं और मौलिक स्वतंत्रता को व्यवस्थित रूप से नष्ट किया जा रहा है। सांसदों ने कहा है कि अमेरिका और पाकिस्तान की साझेदारी अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन यह साझेदारी मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक शासन और कानून के राज के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित होनी चाहिए। खोजी पत्रकार के भाइयों को किया अगवा, संगीतकार को धमकाया सांसदों ने कहा है कि सेना के भ्रष्टाचार पर रिपोर्टिंग के लिए जाने जाने वाले वर्जीनिया के खोजी पत्रकार अहमद नूरानी लगातार धमकियों का सामना कर रहे हैं। उनकी एक खोजी रिपोर्ट के बाद इस्लामाबाद में उनके भाइयों को घर से अगवा कर पीटा गया और एक महीने से ज्यादा हिरासत में रखा गया। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने इस घटना को उदाहरण के तौर पर पेश किया। इसी तरह, सेना ने संगीतकार सलमान अहमद को भी डराया धमकाया। अमेरिका और पाकिस्तान दोनों में उनके परिवार को धमकियां दी गईं। बिना किसी आरोप के उनके साले को अगवा कर एफबीआई के हस्तक्षेप तक हिरासत में रखा गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में स्वतंत्र पत्रकारों को परेशान किया जाता है, अगवा किया जाता है या देश छोड़ कर भागने पर मजबूर किया जाता है।

बलूचिस्तान में हिंसा : चिट्ठी में सांसदों ने बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के जुल्म का खासतौर से जिक्र किया है। महिलाएं, धार्मिक अल्पसंख्यक और खासकर बलूचिस्तान में हाशिए पर धकेले गए समूह भयंकर हिंसा और निगरानी का सामना करते हैं। यह नागरिक समाज को कुचलने वाले एक सुनियोजित अभियान को दर्शाता है। विपक्षी नेताओं को बिना आरोप अनिश्चितकालीन हिरासत में रखा जाता है। निष्पक्ष मुकदमे से वंचित किया जाता है। आम नागरिकों को सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर गिरफ्तार किया जाता है। पाकिस्तान की यह अधिनायकवादी व्यवस्था लगातार दमन के माध्यम से कायम है।

शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, यूनुस सरकार ने लगाए ये गंभीर आरोप

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद जारी कानूनी कार्रवाइयों ने नया मोड़ ले लिया है। ढाका के एक विशेष अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्राइब्यूनल ने गुरुवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के विदेश में रह रहे बेटे सजीब वाजेद जॉय के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब हसीना को पिछले महीने जुलाई विद्रोह से जुड़े मानवता विरोधी अपराधों में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। ट्राइब्यूनल ने बताया कि जॉय पर भी जुलाई विद्रोह के दौरान मानवता विरोधी अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं। इसी मामले में तत्कालीन आईसीटी राज्य मंत्री जुनैद अहमद पलक के खिलाफ भी वारंट जारी हुआ है, जो पहले से जेल में हैं। जॉय हसीना सरकार में आईसीटी मामलों के सलाहकार थे। हालांकि वो अमेरिका में रहते हैं और ट्राइब्यूनल के समन का अब तक जवाब नहीं दे रहे हैं। अभियोजकों का कहना है कि उनके खिलाफ आरोप स्पष्ट हैं और ट्रायल में अनुपस्थित रहने के कारण अब गिरफ्तारी वारंट आवश्यक हो गया।

जुलाई विद्रोह और सत्ता परिवर्तन : जुलाई 2025 में छात्रों के नेतृत्व वाले हिंसक जनआंदोलन ने शेख हसीना की सरकार को उखाड़ फेंका। यह आंदोलन बाद में जुलाई विद्रोह के नाम से जाना गया। आंदोलन के दौरान भारी हिंसा हुई और अंतरिम सरकार ने जनवरी में

834 जुलाई योद्धाओं की मौतों की सूची जारी की। वहीं संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने अपनी रिपोर्ट में 15 जुलाई से 15 अगस्त के बीच 1,400 मौतों का अनुमान दिया था, जिसमें पुलिस और अवामी लीग कार्यकर्ताओं के खिलाफ बदले की हिंसा भी शामिल थी।

मौत की सजा और अन्य बड़े फैसले : इसी विद्रोह से जुड़े मानवता विरोधी अपराधों में ट्राइब्यूनल ने पहले ही शेख हसीना और उनके तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जामान खान कमाल को मौत की सजा सुनाई है। उनका ट्रायल अनुपस्थिति में हुआ क्योंकि दोनों देश छोड़ चुके थे। अदालत ने माना कि आंदोलन को कुचलने के लिए सरकारी कार्रवाई बेहद क्रूर और योजनाबद्ध थी, जिसमें बड़े पैमाने पर हत्याएं और दमन शामिल था।

अन्य नेताओं पर भी कार्रवाई तेज : ट्राइब्यूनल ने गुरुवार को एक और मामले में पूर्व विधि मंत्री अनिसुल हक और पूर्व निवेश सलाहकार सलमान एफ. रहमान के खिलाफ भी औपचारिक आरोप स्वीकार कर लिए।

ट्रंप ने दो और देशों में करा दिया समझौता, वाशिंगटन अकॉर्ड दिया नाम

वाशिंगटन, एजेंसी। वैश्विक राजनीति के हिसाब से दिसंबर का शुरुआती हफ्ता काफी दिलचस्प है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन चार साल बाद भारत यात्रा पर आए हुए हैं। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों इन समय पर चीन की यात्रा पर हैं। इसी बीच खुद को समझौता और शांति दूत कहने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने दो और देशों (कांगो और रवांडा) के बीच शांति समझौता कायम करवा दिया है। अमेरिका राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच में शांति समझौते और रेयर अर्थ मिनरल डील को साइन किया। उन्होंने इस समझौते को वाशिंटगन अकॉर्ड नाम दिया। हालांकि, क्या इस समझौते के बाद 30 साल से चला आ रहा यह संघर्ष खत्म हो जाएगा इस पर संशय बना हुआ है। दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ मौजूद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद संबोधन भी दिया। उन्होंने कहा, 'इन्होंने (दोनों देशों ने) बहुत समय एक-दूसरे को मारने में बिताया है। अब ऐसा नहीं होगा... अब यह बहुत समय गले मिलने, हाथ पकड़ने और अमेरिका की आर्थिक मदद करके सभी का फायदा करने में बिताएंगे, जैसा की हर देश करता है।'

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम ने इस समझौते को वॉशिंगटन अकॉर्ड्स नाम दिया है। इस समझौते को उस संस्थान में साइन किया गया, जिसे पहले यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ पीस कहा जाता था। एक दिन पहले ही ट्रंप प्रशासन ने इसका नाम बदलकर ट्रंप के नाम पर रखा है। आपको बता दें, शांति समझौते के साथ ही अमेरिका और कांगो ने रेयर अर्थ मिनरल्स को लेकर भी समझौता किया। इसके तहत महत्वपूर्ण खनिजों, सोने और रेयर अर्थ मेटस्ल का रणनीतिक भंडारण किया जाएगा। कांगो के राष्ट्राध्यक्ष की तरफ से वादा किया गया कि इन संसाधनों के विकास के लिए अमेरिकी कंपनियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इतना ही नहीं कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिज को लेकर भी दोनों देशों के बीच में साझेदारी हुई। दक्षिण अफ्रीकी देश कांगो में लगातार गृहयुद्ध के हालात बने हुए हैं। इनमें से एक विद्रोही गुट एम23 को रवांडा का समर्थन प्राप्त है। ऐसे में अमेरिका ने हस्तक्षेप करके इस संगठन को रोका और राष्ट्रपति फेलिक्स त्शिसेकेदी की सरकार गिरने से बचा ली।

2025 में सबसे अधिक गलत बोले गए शब्दों की सूची जारी, मामदानी और लूवर म्यूजियम के नाम भी शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। इस साल की खबरों में कई नामों का उच्चारण सही से नहीं किया गया, जिसने अमेरिकी नागरिकों को उलझन में डाल दिया। इनमें न्यूयॉर्क के नए मेयर जोरान मामदानी और पेरिस के मशहूर लूवर म्यूजियम का नाम भी शामिल हैं। इस साल इन दो नामों का सर्वाधिक गलत उच्चारण किया गया। दरअसल, एक सूची जारी की गई है, जिसमें बताया गया है कि किन नामों का सबसे ज्यादा बार गलत उच्चारण किया गया।

भाषा सिखाने वाली कंपनी बैबेल और कैप्शन बनाने वाली कंपनी द कैप्शनिंग ग्रुप ने गुरुवार को यह सूची जारी की। इसमें वे शब्द हैं जिन्हें अमेरिका के टीवी एंकर, नेता और दूसरे लोग पूरे साल गलत बोलते रहे। इससे पता चलता है कि लोग किन चीजों के बारे में सबसे ज्यादा बात कर रहे थे। मामदानी

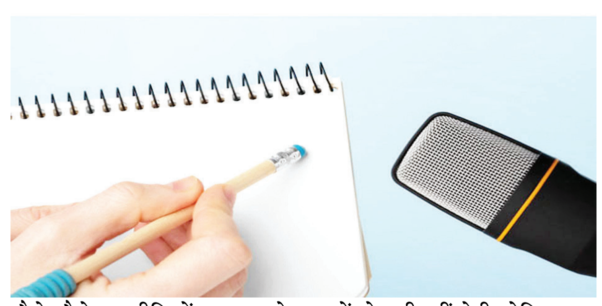

जैसे-जैसे राजनीति में ऊपर आते गए, लोग उनके नाम को गलत बोलते रहे। जनवरी में जब वह मेयर बनेंगे, तो वह शहर के पहले मुस्लिम मेयर होंगे। वह पहले अफ्रीका में जन्मे और पहले दक्षिण एशियाई मूल के मेयर होंगे। बैबेल का कहना है कि उनके नाम का सही उच्चारण 'जो-रान माम-दानी' है। लोग उनके नाम के 'एम' और 'एन' को बदलकर गलत बोल देते हैं। मामदानी ने कहा कि अगर कोई कोशिश करता है और उनका नाम गलत बोल देता है तो उन्हें परेशानी नहीं होती, लेकिन कुछ लोग जानबूझकर गलत बोलते हैं। मेयर पद के लिए एक बहस में उन्होंने न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुयोमो को कहा था- 'मेरा नाम मामदानी है।' अक्तूबर में लूवर म्यूजियम से फ्रांस के शाही जवाहरात की चोरी सुर्खियों में रही, लेकिन इसके साथ ही म्यूजियम के नाम का उच्चारण भी लोगों के लिए चुनौती बन गया। बैबेल के मुताबिक इसका सही उच्चारण लूव-र है, जिसमें 'र' बहुत हल्के स्वर में बोला जाता है। बैबेल के भाषाई विशेषज्ञ एस्टेबन टौमा का कहना है कि कठिनाई का मुख्य कारण यह है कि कई शब्द अलग-अलग भाषाओं से आते हैं और अंग्रेजी बोलने वालों को नए स्वरों को अपनाने में परेशानी होती है।

सूची में अन्य कौन शब्द शामिल हैं : एसिटामिनोफेनः यह टायलेनॉल दवा की मुख्य सामग्री है। उसका सही उच्चारण अ-सी-ट-मि-न-फेन है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस शब्द को बोलते हुए अटक गए थे। वह गर्भवती महिलाओं से यह दवा न लेने की बात कर रहे थे, जबकि इसके नुकासन के बारे में पक्के प्रमाण नहीं थे। उनकी गलती के बाद कॉमेडियन इस पर मजाक बनाते रहे। एलेक्स मर्डोकः वह दक्षिण कैरोलिना के वकील हैं। उन्हें अपनी पत्नी और बेटे की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा मिली।

अमेरिका में ट्रैवल बैन विस्तार पर विचार, 19 से बढ़ाकर 30 देशों पर सख्त प्रतिबंध की तैयारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रवास नीति को एक बार फिर वैश्विक बहस के केंद्र में ला रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार ट्रंप प्रशासन वर्तमान यात्रा प्रतिबंध को 19 देशों से बढ़ाकर 30 से अधिक देशों तक विस्तार करने पर गंभीर विचार कर रहा है। यह कदम हाल ही में हुए सुरक्षा घटनाक्रमों और आव्रजन प्रक्रियाओं पर लगाए गए अस्थायी ठहराव के बीच लिया जा रहा हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर सिफारिश की है कि प्रतिबंध सूची में कम से कम 30-32 देशों को शामिल किया जाए। बता दें कि नोएम ने अपनी पोस्ट में यह भी कहा कि देश को सुरक्षा, आर्थिक संसाधनों और सामाजिक ढांचे पर दबाव से बचाने के लिए कठोर कदम उठाए जाना आवश्यक हैं। इस बयान के बाद अमेरिकी राजनीतिक परिदृश्य में आव्रजन को लेकर बहस और तीव्र हो गई हैं। मौजूद रिपोर्टों के अनुसार इस वर्ष की शुरुआत में 19 देशों के ग्रीन कार्ड और अन्य इमिग्रेशन आवेदनों को रोक दिया गया था। ट्रंप प्रशासन ने यह निर्णय उन दो नेशनल गार्ड सैनिकों पर हमले की घटना के बाद लिया था, जिसमें अफगान मूल के संदिग्ध पर हमला करने का आरोप लगा था। उसी के बाद से हाई-रिस्क देशों की सूची में शामिल नागरिकों के प्रवेश और लाभ आवेदन प्रक्रियाओं पर सख्त नियंत्रण लागू किया गया हैं। यूएससीआईएस ने अपने नए मेमो में यह स्पष्ट किया है कि अब इन देशों से आए नागरिकों के पहले से स्वीकृत आवेदनों की भी दोबारा समीक्षा की जाएगी और जरूरत पड़ने पर इंटरव्यू या पुनः इंटरव्यू की प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी। बता दें कि पहले जिन लोगों को प्रतिबंध लागू होने से पहले अमेरिका में रहने की छूट दी गई थी, उन्हें अब अधिक निगरानी और सत्यापन प्रक्रिया का सामना करना होगा। एजेंसी डायरेक्टर के पास यह अधिकार सुरक्षित रहेगा कि यह रोक कब हटाई जाए और किन आवेदनों पर पुनर्विचार आवश्यक है। इसी क्रम में उल्लेखनीय यह भी है कि हाल ही में यूएससीआईएस ने शरण से जुड़े सभी मामलों को अस्थायी तौर पर स्थगित कर दिया है, जबकि स्टेट डिपार्टमेंट ने उन अफगान नागरिकों के वीज़ा मामलों पर भी रोक लगा दी है, जिन्होंने पहले अमेरिकी सेना की सहायता की थी। यह निर्णय नीति में व्यापक पुनर्समीक्षा का संकेत देता है, विशेषकर उन आव्रजन लाभों के संबंध में जो बाइडेन प्रशासन के दौरान स्वीकृत किए गए थे। गौरतलब है कि जून में 12 देशों पर पूर्ण प्रवेश प्रतिबंध और 7 देशों पर सीमित प्रतिबंध लागू किया गया था, लेकिन यह संशोधित नीति अब उन सभी पर लागू हो रही है, जो प्रतिबंध लागू होने से पहले अमेरिका में रह रहे थे।

अमेरिका ने वर्क परमिट की अवधि कम की, हजारों भारतीय पेशवरों पर पड़ेगा असर

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के इमिग्रेशन सिस्टम में एक बड़ा बदलाव करते हुए यूएस सिटीजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) ने यह घोषणा की है कि अब एम्प्लॉयमेंट ऑथराइजेशन डॉक्यूमेंट्स यानी ईएडी की अधिकतम वैधता अवधि घटा दी जाएगी। इस फैसले का असर लाखों भारतीय पेशेवरों और उनके परिवारों पर पड़ेगा। एजेंसी का कहना है कि यह बदलाव सुरक्षा जांच को मजबूत करने और संभावित जोखिमों का पता लगाने के लिए जरूरी है। यूएससीआईएस ने कहा कि नई नीति से अमेरिका में काम करने की अनुमति मांगने वाले लोगों की बार-बार जांच हो सकेगी, जिससे धोखाधड़ी रोकी जा सके और ऐसे व्यक्तियों की पहचान की जा सके जिनके इरादे हानिकारक हों, ताकि उन्हें देश से हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा सके। डायरेक्टर जोसेफ एडलो ने इस फैसले को पब्लिक सेफ्टी की चिंताओं से जोड़ा। उन्होंने कहा कि रोजगार-अनुमति अवधि कम करने से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि जो लोग अमेरिका में काम करना चाहते हैं, वे सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा न बनें और देश-विरोधी विचारधाराओं को न बढ़ाएं।

उन्होंने हाल ही की एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वॉशिंगटन में नेशनल गार्ड के सैनिकों पर हमला करने वाला व्यक्ति पिछले प्रशासन द्वारा देश में आने दिया गया था। इस घटना के बाद यह और जरूरी हो गया है कि

विदेशी नागरिकों की बार-बार जांच हो। ये बदलाव सीधे तौर पर कई कैटेगरी पर असर डालते हैं, जिनका भारतीय नागरिक बड़ी संख्या में उपयोग करते हैं, जैसे कि रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड के आवेदक और वे एच-1बी कर्मचारी जिनकी प्रक्रिया चल रही है। अब नई नीति के अनुसार शरणार्थियों, आश्रय मांगने वालों, हटाने की प्रक्रिया से राहत पाने वालों और ग्रीन कार्ड आवेदन (आईएनए 245) करने वालों को दिए जाने वाले ईएडी पहले पांच साल के लिए मान्य होते थे, लेकिन अब ये केवल 18 महीने के लिए मान्य होंगे।

पॉलिसी अलर्ट में कहा गया है कि यह नियम 5 दिसंबर, 2025 को या उसके बाद लंबित या दायर किए गए सभी आवेदनों पर लागू होता है। पहले से ही वर्षों से ग्रीन कार्ड की लंबी प्रतीक्षा झेल रहे भारतीय आवेदकों के लिए यह बदलाव नई चिंता पैदा कर सकता है। बहुत से भारतीय लंबे समय तक नौकरी जारी रखने के लिए लंबे समय वाले ईएडी और एडवांस पैरोल दस्तावेजों पर निर्भर रहते हैं। भारतीय प्रवासी समुदाय अमेरिका में रोजगार-आधारित वीजा के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। वे इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित होंगे।

पाकिस्तान में 1817 मंदिर-गुरुद्वारों में से सिर्फ 37 सही हालत में, अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों का हाल-बेहाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक ससंदीय समिति की रिपोर्ट में पड़ोसी देश के अंदर हिंदुओं की स्थिति को लेकर एक बेहद ही चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पाकिस्तान में हिंदुओं और सिखों के धार्मिक स्थलों की संख्या भी लगातार घट रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में 1817 हिंदू मंदिरों और गुरुद्वारों में से अब सिर्फ 37 ही चालू स्थिति में हैं। ये आंकड़े एक गंभीर वास्तविकता को उजागर करते हैं।

अल्पसंख्यक कॉकस पर संसदीय समिति के सामने पेश की गई एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि पूरे पाकिस्तान में 1,285 हिंदू मंदिरों और 532 गुरुद्वारों में से सिर्फ 37 ही चालू स्थिति में हैं। अन्य धार्मिक स्थल खराब सरकारी रखरखाव और हिंदू व सिखों की घटती आबादी के कारण जर्जर होते जा रहे हैं। एक स्थानीय अखबार के मुताबिक, यह स्थिति सरकार की बेरुखी के कारण बनी है। समिति का संयोजक चुने जाने के बाद सीनेटर दानिश कुमार ने संकल्प लिया कि कॉकस अल्पसंख्यक सुरक्षा के सांविधानिक वादों को मूर्त रूप देने के लिए प्रयास करेगा। समिति के पहले सत्र में उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों को सांविधानिक अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि न्याय और समानता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल नीतिगत सुधारों को लागू किया जाना चाहिए। इस दौरान समिति के सदस्य डॉ रमेश कुमार वंकवानी ने इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड की कड़ी आलोचना की। कहा कि वह अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले मंदिरों और गुरुद्वारों की देखभाल करने में पूरी तरह असफल रहा है। पैनल के सदस्यों ने भरोसा जताया कि फोरम अब अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन नहीं होने देगा। 2025 में पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में 25 फीसदी का इजाफाः थिंक टैंक रिपोर्ट पाकिस्तान में आतंकवाद फिर

बढ़ रहा है और 2025 में हिंसक घटनाएं 25 फीसदी बढ़ी हैं। खैबर पख्तूनख्वा सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। यह खुलासा इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक अनुसंधान और सुरक्षा अध्ययन केंद्र (सीआरएसएस) की बुधवार को जारी रिपोर्ट में हुआ है। सीआरएसएस के मुताबिक,जनवरी से नवंबर 2025 तक दर्ज की गई कुल 3,187 मौतों में से 96 फीसदी से अधिक और हिंसा की सभी घटनाओं में से 92 फीसदी खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हुई। रिपोर्ट कहती है कि 2024 में 2,546 लोग मारे गए थे, यानी बीते साल से लगभग 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। 2024 में 2,546 मौतें और 1,981 लोग घायल हुए थे। इनमें आम नागरिक, सुरक्षाकर्मी और आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में मारे गए उग्रवादी शामिल थे। इस साल 1,188 हिंसक घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें आतंकी हमले और जवाबी कार्रवाई शामिल रही। ये ज्यादातर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हुई। रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान से बढ़ते तनाव और झड़पों के बाद खैबर पख्तूनख्वा में हाल के महीनों में हिंसा चरम पर है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने नवंबर 2022 में युद्धविराम टूटने के बाद हमले फिर शुरू कर दिए।

जानकारी

सोने से पहले पैरों की मालिश करना कई वजहों से फायदेमंद

सिर पर तेल की मालिश लंबे समय से सिरदर्द के इलाज, तनाव को कम करने और थकान के प्रभावी उपचार के लिए एक आसान और बेहतर उपाय है। आज बाजार में कई तरह के तेल उपलब्ध हैं, जिनके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। वहीं कुछ लोग एक थका देने वाले सप्ताह के बाद आराम करने के लिए बॉडी मसाज का भी सहारा लेते हैं। चाहे वह त्वचा हो या बाल, विभिन्न प्रकार के तेल हमेशा एक बेहतर इलाज के विकल्प बने रहते हैं। शारीरिक गतिविधियों और व्यस्त कार्यक्रम से पैरों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। दर्द को ठीक करने का सबसे सरल उपचार है कि आप आराम से पैर की मालिश करें। वहीं पैर की मालिश से सिर्फ आपके पैरों को ही आराम नहीं मिलता, बल्कि इसके कई और स्वास्थ्यकारी फायदे भी हैं। नेचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. निलोफर उस्मान खान नियमित रूप से सोने से पहले 10 से 15 मिनट तक पैरों की मालिश करने के कई फायदे बताती हैं। आइए हम आपको बताते हैं इसके बारे में।

जोड़ों के दर्द के लिए मालिश फायदेमंद

सोने से पहले पैरों की तेल मालिश उन लोगों के लिए बहुत अच्छी है, जो नियमित रूप से जोड़ों में दर्द की शिकायत करते हैं। बस तेल लगाना और दर्दनाक जोड़ों की मालिश करना सबसे अच्छा घरेलू उपाय है, जो कष्टदायी दर्द से तुरंत राहत प्रदान करता है। दर्दनाक जोड़ों पर तेल की मालिश का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे थोड़ा गर्म किया जाए। गुनगुना तेल न सिर्फ जोड़ को मजबूत बनाता है बल्कि दर्द और परेशानी से छुटकारा पाने में मदद करता है। इसके अलावा, नियमित रूप से तेल की मालिश हड्डियों में विकृति से छुटकारा पाने के लिए भी एक अच्छा उपाय है। यही कारण है कि नवजात शिशुओं के लिए तेल की मालिश बहुत जरूरी है।

पीएमएस के दौरान मिलता है आराम

पीएमएस यानी कि प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम। यह समस्या लाखों महिलाओं को सताती है। महिलाओं को पता है कि वे पीएमएस के दौरान काफी कर्कश हो जाती हैं। साथ ही उन्हें सोने में परेशानी है और कमर में दर्द का भी सामना करना पड़ता है। पीएमएस की वजह से होने वाले दर्द और कर्कशता से राहत पाने के लिए कोई दवा पर्याप्त नहीं है। पर इसमें पहले पैरों की मालिश काम आ सकती है। इसके लिए आप सरसो के तेल को गर्म करके तलवों में और पैरों में लग सकती हैं। इसके अलावा इसे आप अपनी कमर में भी लगा सकती हैं। इस तरह ये आपको काफी आराम पहुंचाएगा। साथ ही साथ आपका माथा भी ठंडा कर देगा और आप स्ट्रेस फ्री फील करेंगी।

ब्लड सर्कुलेशन को बनाती है बेहतर

हमारे शरीर में ब्लड कई अंगों को ऑक्सीजन व पोषक तत्वों की आपूर्ति करता है। सोने से पहले कुछ मिनट पैर की मालिश करने से आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे पैर और तलवों में कई सारे प्रेशर प्लाइंट्स है, जिन्हें तेल मसाज से फायदा मिलता है। इस तरह तेल मसाज करने से आपको कुछ ही समय में तनाव से छुटकारा मिल सकता है। यह न केवल आपको आराम देता है बल्कि नींद को प्रेरित करता है। साथ ही, मांसपेशियों में ऐंठन और थकान की संभावना को कम करने के लिए उचित रक्त परिसंचरण के लिए भी जरूरी है। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आप पाएंगे कि तेल मालिश से आपके पूरे शरीर को आराम मिल रहा है।

लो ब्लड प्रेशर का बेहतर इलाज

शरीर को बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए, हाइड्रेटेड रहना आवश्यक है। यदि आप उन लोगों में से हैं, जिनका शरीर बहुत जल्दी डिहाइड्रेट हो जाता है, तो अपने ब्लड प्रेशर का ध्यान रखें। कारणों और अन्य कारकों के आधार पर लो ब्लड प्रेशर को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है। इन कारकों में मानसिक विकार, खाने के बाद तंत्रिका तंत्र को नुकसान, और यहां तक किसी चीज की कमी के कारण भी अचानक खड़े होने से आपको लो ब्लड प्रेशर की परेशानी हो सकती है। ऐसे में सोने से पहले 10 मिनट के लिए अपने पैरों की मालिश करें। यह शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को नियंत्रित करेगा, जिससे एक आरामदायक नींद आएगी और धीरे-धारे आपका ब्लड प्रेशर नॉर्मल हो जाएगा।

माइग्रेन को लेकर आपके मन में हैं ये भ्रम? तो जानें इनके पीछे की सच्चाई

माइग्रेन से पीड़ित व्यक्तियों में गंभीर सिरदर्द के साथ-साथ मतली, उल्टी और लाइट के प्रति सेंसिटिविटी के साथ इसे संदर्भित किया जाता है। औसतन लोगों में माइग्रेन का दर्द 4 घंटे से 3 दिनों तक रहता है और कभी-कभी अधिक समय तक के लिए भी बढ़ सकता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में माइग्रेन आम तौर पर अधिक पाया जाता है। माइग्रेन के कारणों में लाइफ स्टाइल के अलावा भी कई और वजह हैं। वहीं माइग्रेन के कारण मस्तिष्क में परिवर्तन के साथ-साथ परिवारों में चलने वाले जीन से संबंधित भी हो सकते हैं। आप इसे इनहेरीटेड ट्रिगर भी कर सकते हैं, जो आपको थकान, तेज रोशनी, सिरदर्द, मौसम परिवर्तन और अन्य जैसे कई कारणों से माइग्रेन देता है। पर आम लोगों में माइग्रेन से जुड़े कुछ मिथक या कहें कि भ्रम भी हैं। आइए आज हम आपको इन मिथकों से जुड़े कुछ तथ्य भी बताते हैं।

आम लोगों में माइग्रेन को लेकर कई गलतफहमियां भी हैं, जिस पर भरोसा करने से पहले आप उसके पीछे के साइंस और अपने डॉक्टर की राय जरूर जान लें।

माइग्रेन के जुड़े 4 मिथक और उनके पीछे के तथ्य

मिथक 1

सिर्फ सिरदर्द है माइग्रेन

अक्सर लोगों को लगता है कि माइग्रेन सिर्फ एक सिरदर्द है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। दरअसल बहुत से लोगों को लगता है कि माइग्रेन एक तरह का तेज सिरदर्द होता है, जबकि साइंस की मानें, तो माइग्रेन में सिरदर्द सिर्फ एक लक्षण है, जबकि इसके कई और भी लक्षण हैं। सिरदर्द के साथ-साथ, माइग्रेन में मतली, लाइट के प्रति सेंसिटिविटी, एकाग्रता में कठिनाई, चक्कर, कमजोरी, उल्टी और चेतना की हानि का कारण बनता है। माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें मस्तिष्क में कभी-कभी कार्यात्मक और संरचनात्मक परिवर्तन होते हैं। इसके अलावा, माइग्रेन की कई और विशेषताएं भी हैं। सिरदर्द विकारों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण ढांचा है, जिसका उपयोग डॉक्टर सिरदर्द के दर्द को मापने के लिए कर सकते हैं और अमेरिकन माइग्रेन फाउंडेशन ने माइग्रेन से पीड़ित लोगों को इसे निर्धारित करने में कई मापदंड बनाए हैं। माइग्रेन सिर दर्द से अलग है, क्योंकि इसकी अवधि, गंभीरता और लक्षण इसे कई और तरह से अलग करते हैं।

मिथक 2

कैफीन ही माइग्रेन का कारण है

हमेशा कैफीन माइग्रेन का कारण नहीं होता है, बल्कि कैफीन कुछ सबसे प्रभावी सिरदर्द दवाओं में पाया जाता है। कई रोगियों के लिए कॉफी या सोडा जैसे कैफीनयुक्त पेय सिर दर्द को कम करने में मदद करता है। आपके लिए कैफीन दैनिक सिरदर्द में भी कारगार साबित हो सकता है। इसके अलावा भी कैफीन के कई और नुकसान हो सकते हैं, माइग्रेन ही अकेला क्यों? दरअसल बात ये है कि सभी को कैफीन से जुड़ी ये कोई भी चीज एक नियमित मात्रा में ही लेनी चाहिए। इसके अलावा अपने बाकी जीवनशैली का ख्याल रखें, क्योंकि कुछ प्रमाण हैं कि बार-बार माइग्रेन होने के पीछे न्यूट्रास्युटिकल कारण हो सकते हैं। इसके अलावा आपके खाने से मिलने वाले कुछ पदार्थों में राइबोफ्लेविन (विटामिन -बी 2) कोएंजाइम और मैग्नीशियम भी कारण हो सकते हैं। इसके लिए किसी भी डॉक्टर या सिरदर्द विशेषज्ञ से पूछें और वे आपको बताएंगे कि इसके इलाज में पूरक आहार को सर्वोत्तम रूप से कैसे और किस तरह से लें।

माइग्रेन से बचने का उपाय

आमतौर पर माइग्रेन को ट्रिगर में अल्कोहल, ग्लूटेन, मोनोसोडियम ग्लूटामेट और हिस्टामाइन युक्त खाद्य पदार्थ, डार्क चॉकलेट आदि शामिल हैं, तो इसे ठीक करने के लिए इन चीजों का सेवन कम करें या बंद करें, क्योंकि हर रोगी के शरीर में भोजन की प्रक्रिया अलग-अलग होती है। माइग्रेन से पीड़ित लोग के लिए सबसे अच्छा उपाय ये हैं, अपने माइग्रेन को ट्रिगर्स करने वाले कारणों को जानें और ज्यादा से ज्यादा उससे बचने की कोशिश करें। इसके साथ ही स्ट्रेस, गलत जीवनशैली और देर रात तक जागने की आदत पर कंट्रोल करने की कोशिश करें।

मिथक 3

केवल महिलाओं और वयस्कों को माइग्रेन होता है

माइग्रेन बच्चों को भी हो सकता है। वास्तव में, पांच साल से छोटे बच्चे माइग्रेन के सिरदर्द का अनुभव कर सकते हैं। वे पेट में दर्द, चिड़चिड़ापन, एपिसोडिक भ्रम, गंभीर चक्कर आना, एकाग्रता में कठिनाई और अत्यधिक थकान महसूस कर सकते हैं। महिलाओं को माइग्रेन होने की संभावना तीन गुना अधिक होती है, लेकिन पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित होते हैं, जैसे कि 18-20 प्रतिशत महिलाएं, तो 8-10 प्रतिशत पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित हैं। इसलिए किसी विशेष आयु वर्ग और लिंग को किसी भी बीमारी से जोड़ना गलत है।

मिथक 4

माइग्रेन को ठीक करने के लिए लें ज्यादा से ज्यादा दवाइयां

दुर्भाग्य से, व्यक्तिगत तौर पर माइग्रेन के इलाज के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा दवाइयों की मदद लेने के बारे में सोचते हैं। हालांकि ये गलत है। दवाईयां वास्तव में इसे बदतर बना सकती है। माइग्रेन के साथ रहने वाले कुछ लोग 'रिबाउंड सिरदर्द' की शिकायत करते हैं, लेकिन उस घटना के लिए चिकित्सा शब्द 'मेडिकेशन ओवर्यूज सिरदर्द' है। तीव्र माइग्रेन के दर्द का इलाज करने के लिए बहुत अधिक दवा लेने से भविष्य में अधिक लगातार और अधिक गंभीर माइग्रेन के होने का खतरा पैदा हो सकता है। यहां तक कि इसका इलाज करना और अधिक कठिन हो सकता है।

सेहत

रात में केला खाने से नहीं होता कोई नुकसान

वैसे तो लोग सभी फ्रूट्स को सेहतमंद मानते हैं, लेकिन कुछ फ्रूट्स ऐसे होते हैं, जो हमारे लिए काफी फायदेमंद होते हैं। केला एक ऐसा ही फल है, जो पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में खाया जाता है। केले में बहुत से जरूरी न्यूट्रीएंट्स और विटामिन मौजूद हैं, जो हमारे शरीर में कई तरह की पूर्ति करता है। येलो फ्रूट्स में फाइबर, पोटैशियम, मैगनेशियम, कैल्शियम और विटामिन मौजूद होते हैं। यह हमारे वजन को कम करने के साथ ही हमारे हार्ट को भी स्वस्थ रखता है, लेकिन कई लोग मानते हैं की केले का रात में सेवन करने से सर्दी और खासी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

नींद को और अच्छा बनाने में मददगार है येलो फ्रूट्स

रात में केले का सेवन करने से कोई परेशानी हो सकती है या नहीं इसका कोई साइंटिफिक प्रूफ सामने नहीं आया है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक केले का सेवन रात में करने से कई तरह की दिक्कत हो सकती है। जैसे की सर्दी होना या फिर गला बंद हो सकता है। फ्रूट्स की बात करें तो केला एक ऐसा फ्रूट है, जो भारी मात्रा में हमें स्वस्थ रखने का काम करता है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक, रात में केले का सेवन करना सही नहीं। रात में केले का सेवन करना इसलिए हानिकारक है, क्योंकि रात के समय हमारे शरीर में मैटाबॉलिसम कम होता है जिससे केला हमारे पेट में कई दिक्कतें पैदा करता है।

अध्ययन में इस बात का पता चला कि येलो फ्रूट्स में कई तरह के जरूरी न्यूट्रीएंट्स होते हैं, जो हमारी नींद को और अच्छा बनाने में मदद करता है। इसके अलावा आप अगर नींद के लिए किसी गोली या दवाई का सेवन कर रहे हैं तो आप उन दवाई को छोड़कर रात में पहले केले का सेवन कर सकते हैं। एक केले में लगभग 105 कैलोरी होती है। आप रात में 500 से कम कैलोरी का सेवन करना चाहते हैं तो, दूध के साथ 2 केले खाना आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। अगर आधी रात में मीठा खाने की इच्छा होने लगे तो केला खा लें। केले की मिठास आपकी लालसा को दूर करने में मददगार साबित होती है।

यदि आप शाम के समय में एक्सरसाइज करने के बाद केला खाते हैं, तो लाभदायक होगा। एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग मसालेदार फूड ज्यादा खाते हैं। उनके लिए रात में केला खाना फायदेमंद है। दरअसल, ज्यादा मसाले वाली चीजें खाने से सीने में जलन होने लगती है, लेकिन रात में एक केला खाने से जलन की समस्या दूर हो सकती है। इसके साथ ही मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा के कारण केला आसानी से पच जाता है, जिससे शरीर का मेटाबॉलिज्म दुरुस्त रहता है।

केले में पोटैशियम की मात्रा अधिक और सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए यह ब्लड सर्कुलेशन और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में कारगर होता है। केले में खास तरह के प्रोबायोटिक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जो खाने से कैल्शियम को मात्रा को सोखते हैं। कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाती है और उम्र बढ़ने के साथ ही हड्डियों से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं को भी दूर रखती है। अगर आप फिर भी रात में केले का सेवन नहीं छोड़ना चाहते तो आप उसका सेवन कर सकते हैं, क्योंकि केले का सेवन रात में करने से किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता, लेकिन कभी कभी आपको इसका त्याग करना जरूरी है। आप जब सर्दी, खासी, अस्थमा या फिर वजन कम कर रहे हों तो आपको केले का सेवन छोड़ना होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रह। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-9-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-7

काकुरो पहेली - 2669

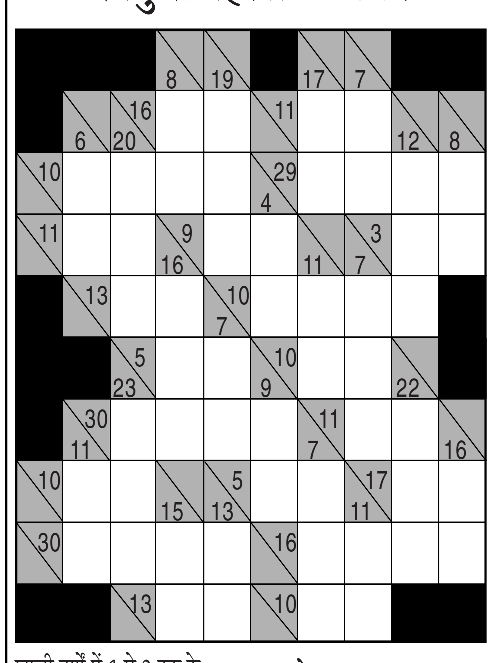

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

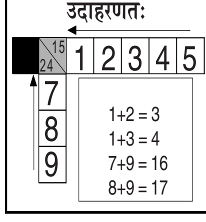

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2668 का हल

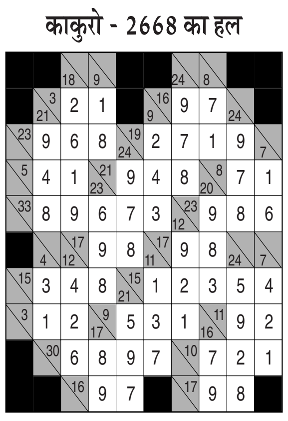

हंसी के फूव्वारें

विज्ञान की कक्षा में छात्रा को बहुत नींद आ रही थी. व्याख्यान के दौरान उसकी गर्दन बार-बार नीचे लटक जा रही थी.

प्राध्यापिका का ध्यान जब उसकी तरफ गया तो पूछ बैठी, 'मैं समझा रही हूँ और तम्हारी गर्दन बार-बार नीचे झुक जाती है, क्या कारण है ?'

छात्रा ने झट विज्ञान की भाषा में ही जवाब देते हुए कहा, 'जी, यह तो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण हो रहा है.'

□ □ □

'क्यों बच्चे, यह गेंद तुम्हारी है ?'
'अंकल, इससे कोई शीशा टूटा है ?'
'नहीं तो ?'
'फिर यह मेरी ही है.'

□ □ □

रसोई में घरवाली की सहायता करते हुए पति चिढ़कर बोले,'देखोजी, मुझसे तो ये रोटियां बेली नहीं जातीं. बेलने का अभ्यास जो नहीं है.'

'मुझसे विवाह करने के लिए तुमने कितने पापड़ बेले थे, भूल गये क्या ?'

□ □ □

एक अविवाहित डॉक्टर से बोला- जब मैं दोनों हाथ पर आगे झुककर हाथों को घुमाता हूँ तो दाहिने कंधे में दर्द होता है.

डॉक्टर- लेकिन आप ऐसा करते ही क्यों हैं ?

अविवाहित-कोट पहनने का कोई दूसरा उपाय आप जानते हों तो मुझे भी बताएँ.

फिल्म वर्ग पहेली- 2669

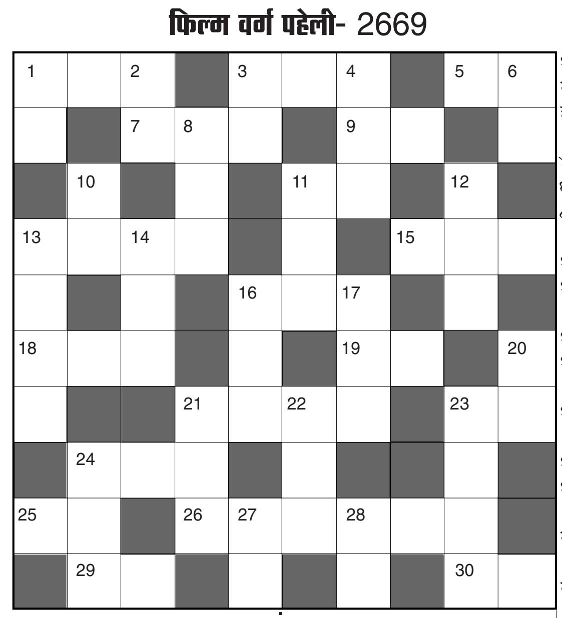

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरू द्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली फिल्म-४
१५. बीनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2668

सूडोकु -2669

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2668 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली - 2669

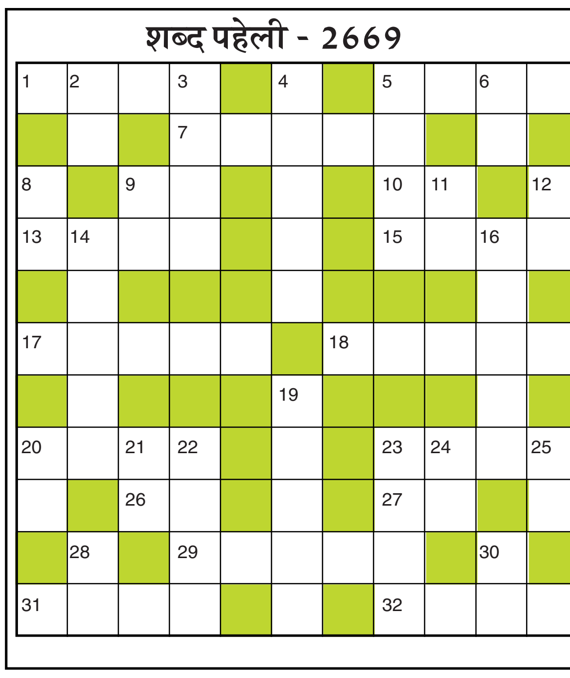

बाएँ से दाएँ

1. सफल,उत्तीर्ण-4
5. ओस,रजनीजल-4
7. फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना,मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु,चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट,अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण,सम्राट-4
32. गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2. मां,आई,मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता,रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार,जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन,प्रतिज्ञा-2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19. विलेन,नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम,मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट,अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 2668 का हल

मप्र में प्रदेश में अब तक 5 करोड़ 26 लाख से अधिक गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन पूरा

एजेंसी

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने वर्चुअल बैठक के माध्यम से देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश में हो रही उत्कृष्ट प्रगति की सराहना करते हुए प्रदेश को बधाई दी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश, संजीव कुमार झा ने बताया कि यह उपलब्धि प्रदेश के सभी नागरिकों , शासकीय कर्मचारियों और राजनीतिक दलों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पूरे प्रदेश में कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया है और निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी मानकों व निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। झा ने बताया कि मध्यप्रदेश के 28 जिलों में 100 प्रतिशत, 22 जिलों में 99 प्रतिशत से अधिक तथा शेष 5 जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रदेश में अब तक 5 करोड़ 26 लाख से अधिक गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है, जो कुल कार्य का 99 प्रतिशत से अधिक है। यह उपलब्धि मतदाता सूची को पारदर्शी, सटीक और अद्यतन बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण कदम को दर्शाती है।

मप्र के छतरपुर में ट्रक और कार की जोरदार भिड़ंत, एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत, दो घायल

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में सागर-कानपुर हाईवे नंबर 34 पर रात एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। यहां बड़ामलहरा तहसील के मुंगवारी और चौपरिया सरकार गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक और कार के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दो घायल हुए हैं, जिन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। गुलगंज थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सतना के नागौद निवासी प्रजापति परिवार के सात लोग सेंट्रो कार नंबर एमपी 19 सीए 0857 से सागर के शाहगढ़ के लिए जा रहे थे। रात करीब आठ बजे बड़ामलहरा तहसील के मुंगवारी और चौपरिया सरकार गांव के बीच तेज रफ्तार कार और ट्रक की टक्कर हो गई। कार की रफ्तार इतनी थी कि हादसे के बाद कार का अगला हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो गया। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही सागर आईजी हिमानी खन्ना सहित गुलगंज पुलिस मौके पर पहुंची। कार के गेट तोड़कर शवों को बाहर निकाला जा सका। हादसे में दो लोग घायल हुए हैं, जिनकी हालत गंभीर है। दोनों घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल रिफर किया गया है, जहां वह आईसीयू में भर्ती हैं।

काशी-तमिल संगमम के अतिथियों ने अयोध्या में श्रीरामलला के किए दर्शन

अयोध्या। वाराणसी में चल रहे काशी-तमिल संगमम में शामिल होने पहुंचे तमिल अतिथियों ने आज अयोध्या में श्रीरामलला के दर्शन किये। इसके बाद इन लोगों ने हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां बजरंगबली के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर 'जय श्रीराम' के जयघोष और तमिल भक्तों के विभोर कर देने वाले आस्था के भाव ने पूरे वातावरण को राममय कर दिया 250 विशिष्ट अतिथियों का दल लग्जरी बसों के काफिले के साथ अयोध्या पहुंचा। राम की नगरी अयोध्या में उनका पारंपरिक और भव्य तरीके से स्वागत-सत्कार किया गया। अतिथियों ने सबसे पहले नवनिर्मित राम मंदिर में श्रीरामलला के दर्शन-पूजन किए। दर्शन के दौरान तमिल अतिथियों की आंखों में उमड़ती भक्ति और विभोर कर देने वाली आस्था से पूरा माहौल भक्तिपूर्ण बना गया। इसके उपरांत सभी अतिथि हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां बजरंगबली के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। सबसे अंत में तमिल अतिथियों को राम की पैड़ी ले जाया गया। राम की पैड़ी पर ढोल-नगाड़ों की गूंज, शंखनाद और पुष्प-वर्षा के बीच उनका अभिनंदन किया गया। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी अतिथियों का पारंपरिक रीति से स्वागत किया।

मप्र में इंडिगो की 65 से ज्यादा फ्लाइट रद्द, यात्री बोले- कोई मदद नहीं मिल रही

इंदौर। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो पिछले चार दिन से क्रू मेंबर्स की कमी से जूझ रही है। इसके कारण देशभर के कई एयरपोर्ट पर 500 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द हो गईं। इनमें मध्य प्रदेश से संचालित होने वाली 65 से भी ज्यादा फ्लाइट्स शामिल हैं। इंदौर से जाने वाली 26 उड़ानों को निरस्त कर दिया गया, जबकि इंदौर आने वाली इंडिगो की 18 से ज्यादा फ्लाइट भी रद्द है। वहीं, भोपाल से कुल 18 और जबलपुर से इंडिगो की 6 में से 5 फ्लाइट को निरस्त कर दिया गया है। इससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों का कहना है कि विमानतल पर उन्हें कोई मदद नहीं मिल रही है। दरअसल, एविएशन सेक्टर के नए सुरक्षा नियमों की वजह से देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो लगातार क्रू की कमी से जूझ रही है। इंडिगो की फ्लाइट्स का परिचालन भी लड़खड़ाता नजर आ रहा है। मुंबई और दिल्ली से ग्वालियर आने वाली फ्लाइट भी कैंसिल हैं। ऐसे में पैसेंजर ट्रेन का सहारा ले रहे हैं।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत का प्रतिबिंब है राष्ट्रीय बालरंग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। भोपाल में प्रतिवर्ष होने वाला राष्ट्रीय बालरंग प्रधानमंत्री मोदी जी के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के उद्देश्य को बेहतर तरीके से पूरा कर रहा है। भोपाल का राष्ट्रीय बालरंग राष्ट्रीय एकता का प्रतिबिंब बन गया है। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में एक-दूसरे के राज्य की संस्कृति को समझने की जिज्ञासा पैदा करते हैं और बच्चों में देश की संस्कृति के प्रति लगाव बढ़ता है। उक्त बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही हैं।

वे शाम भोपाल के राष्ट्रीय इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में राष्ट्रीय बालरंग समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लोक नृत्य पर केन्द्रित प्रतियोगिता के विजेता राज्यों के बच्चों को ट्राफी भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर लगभग 5 हजार वर्ष पहले

भगवान श्रीकृष्ण आए। उनकी चौसठ कलाओं के ज्ञान से बच्चों को भारतीय प्राचीन कला को जानने का अवसर मिलेगा। मध्यप्रदेश के लिए गौरव की बात है कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली सांदीपनि आश्रम उज्जैन में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय बालरंग से यह परिसर मिनी भारत का रूप बन जाता है। यह आयोजन हमें अपने देश की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने का मौका देता है। प्रत्येक राज्य की अपनी नृत्य शैली है, जो बालरंग के मंच पर सामने आयी है। लोक नृत्य आंचलिक संस्कृति की झलक प्रस्तुत करते हैं। विभिन्न राज्यों के बच्चे जब एक स्थल पर एकत्र होते हैं तो वे एक-दूसरे के राज्य के बारे में जानने का प्रयास करते हैं। इस तरह के भाव बच्चों में जिज्ञासा को बढ़ाने का काम करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को भारत की विविधता के बारे में अधिक से अधिक जानकारी दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रेष्ठ आयोजन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग को बधाई दी।इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने देश के विभिन्न राज्यों से आए बच्चों का स्वागत किया।

बीस साल बाद गुरु से मिले अमित शाह, वयोवृद्ध की आंखों में आए खुशी के आंसू; पुराने दिनों को याद कर हुए भावुक

एजेंसी

गांधीनगर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुजरात के तीन दिनों के दौरे पर गांधीनगर पहुंचे थे, जहां उन्होंने शहर को 68 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रोजेक्टों की सौगात दी। व्यस्त कार्यक्रम के बीच वे अचानक अपने पूर्व शिक्षक जीवनभाई डाह्याभाई पटेल (माणसा में जे.डी सी पी. पटेल के नाम से प्रसिद्ध) के घर पहुंच गए। अमित शाह ने 89 वर्षीय अपने गुरु के गायत्रीनगर स्थित घर जाकर उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। घर में प्रवेश करने से पहले उन्होंने अपने जूते भी बाहर उतार दिए। अपने गुरु और उनके परिवार के साथ उन्होंने आधे घंटे से अधिक समय बिताया और पुराने दिनों की यादें ताज़ा कीं।

जीवनभाई पटेल ने बताया कि अमित शाह उनसे लगभग 20-21 साल बाद मिले। उन्होंने कहा कि अमित भाई ने बचपन के दिनों की बातें याद दिलाई और माणसा में हुए विकास, खासकर मलाव तालाब देखने का आग्रह किया। जीवनभाई पटेल ने बताया कि उन्होंने अमित शाह को पहली से सातवीं कक्षा तक पढ़ाया था। उन्होंने पुराने जमाने की शिक्षा पद्धति याद करते हुए कहा- पहले के शिक्षक पैसों का मोह नहीं रखते थे, वे बच्चों को होशियार बनाने के लिए पूरे मन से पढ़ाते थे। अमित शाह की अचानक हुई इस मुलाकात से शिक्षक की आंखों में खुशी के आंसू आ गए। स्थानीय लोगों में भी उत्साह का माहौल था। जाते समय अमित शाह ने आसपास के लोगों का अभिवादन भी स्वीकार किया। जीवनभाई के बेटे डॉ. नीलम पटेल ने बताया कि इतने वर्षों बाद अमित शाह को पिताजी से मिलते देख पिताजी की आंखों से आंसू निकल आए।

एमसीडी ने स्थायी समिति के समक्ष 2026-27 का बजट अनुमान पेश किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने स्थायी समिति के समक्ष वित्तीय वर्ष 2025-26 के संशोधित बजट और आगामी वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्ताव प्रस्तुत किया। निगमायुक्त अश्विनी कुमार ने विस्तृत रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि आर्थिक चुनौतियों के बावजूद एमसीडी ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, अवसंरचना विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजस्व सुधार के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।

निगम ने बताया कि नरेला-बवाना और ओखला में वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांटों की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ गाजीपुर में 2000 टीपीडी क्षमता वाले नए वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट के लिए निविदाएं जारी कर दी गई हैं। नरेला-बवाना में 3000 टीपीडी क्षमता वाले डब्ल्यूटीई प्लांट को पर्यावरणीय मंजूरी भी मिल चुकी है। घोघा और नंगली डेयरी में दो नए बायोगैस प्लांट शुरू किए गए हैं, जिससे यमुना सफाई मिशन को मजबूती मिलेगी। लैंडफिल साइटों पर बायो-माइनिंग की रफ्तार बढ़कर 30,000 टीपीडी प्रतिदिन से अधिक हो गई है। अब तक भलस्वा, ओखला, गाजीपुर और सिंधौला में कुल 2 करोड़ मीट्रिक टन से अधिक कचरा प्रोसेस किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के 312 से अधिक बाजारों में रात्रि सफाई शुरू की गई है। 550 किमी सड़कों और 430 गलियों में रात में ही सफाई की व्यवस्था की गई है।

एनसीएपी फंड से 14 नई रोड स्वीपर मशीनें खरीदी जा रही हैं। निगम ने 17 बैकहो लोडर, 10 स्किड स्टीयर और अन्य आधुनिक मशीनें भी खरीदी हैं। साथ ही स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में एमसीडी ने 90वें स्थान से छलांग लगाकर 31वां स्थान हासिल किया है। दिल्ली को 1-स्टार गार्बेज फ्री सिटी रेटिंग भी प्राप्त हुई है। निगमायुक्त ने संपत्ति कर संग्रह में 30 प्रतिशत बढ़ोतरी के बताया और कहा कि सितंबर तक एमसीडी ने 2209.51 करोड़ रुपये संपत्ति कर के रूप में प्राप्त किए–जो पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि 'सुनियो योजना' के तहत 600 करोड़ रुपये से अधिक कर वसूला गया और 1.39 लाख करदाताओं ने भाग लिया। निगम ने कर प्रणाली को डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन नोटिस, जीएसटी प्रणाली से जुड़ा जीटीएल (ट्रेड लाइसेंस), जियो-टैगिंग और प्रॉपर्टी टैक्स कैलकुलेटर आदि सुविधाएं शुरू की हैं। अश्विनी कुमार ने बताया कि एमसीडी स्कूलों के 6.58 लाख छात्रों में से 4.26 लाख विद्यार्थियों के खातों में यूनिफॉर्म, स्टेशनरी और बैग के लिए 71 करोड़ रुपये डीबीटी के रूप में भेजे गए। 2610 ड्युअल डेस्क खरीदे गए और 1576 शिक्षकों को प्रमोशन मिला। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के बारे में बताया कि 53 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन किया गया। स्कूल स्वास्थ्य योजना में नर्सों को 49 टैब दिए गए। स्वामी दयानंद अस्पताल में लेक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट स्थापित की गई। सीएनजी आधरित शवदाह गृहों का विस्तार लगभग पूरा हो गया है।

अलौकिक संगीत यात्रा में श्रोताओं को स्पंदित कर गया सुर- ताल का अनूठा संगम

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग द्वारा संगीत, कला और विरासत पर केन्द्रित वृहद संगीत समारोह ''हृदय दृश्यम'' के आठवें शुभारंभ शुक्रवार की शाम रवीन्द्र भवन में हुआ। इस अवसर पर भारतीय शास्त्रीय संगीत के सौंदर्य और उत्कृष्ट प्रदर्शनों का पर्याय हृदय दृश्यम का भव्य मंच एक बार पुनः सुधिजनों को उस अलौकिक संगीत-यात्रा पर ले गया, जहां सुर, ताल और भावनाओं का अनूठा संगम श्रोताओं को भीतर तक स्पंदित कर गया। तीन दिवसीय समारोह में पहली संध्या की प्रथम सभा सरोद वादन के माधुर्य, गंभीरता और रसानुभूति को समर्पित थी। मंच पर उपस्थित थे सेनिया बंगश घराने के सुप्रसिद्ध युवा कलाकार अमान अली बंगश और अयान अली बंगश, जिनकी उंगलियों के स्पर्श मात्र से तारों पर जादू सा उतरता प्रतीत होता है। अपने विशेष अंदाज, सुकोमल मिजाज और गहन मनोभाव के साथ दोनों कलाकारों ने सुरों का ऐसा संसार रचा कि पूरा सभागार मंत्रमुग्ध हो उठा। उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत राग देश से की जिसकी

मध्यम-कोमल छाया और बारिश-सी भीगी अनुभूति ने श्रोताओं को सुकून से भर दिया। इसके बाद उन्होंने राग रागेश्री में सरोद के गंभीर, मधुर और मृदुल स्वर-व्याप्ति का अद्भुत परिचय दिया। अंत में बंगश बंधुओं ने मनभावन भटियाली धुन प्रस्तुत की, जिसने वातावरण में सहज उल्लास, काव्यमयता और मधुरता घोल दी। अमान-अयान के साथ तबले पर अशेष उपाध्याय एवं रामेंद्र सिंह सोलंकी ने सधी संगत दी। अगली प्रस्तुति सुप्रसिद्ध गायिका मधुवंती बागची के गायन की रही। वे अपने चिरपरिचित अंदाज में मंच पर पहुंची और सबसे पहले ईश्वर को स्मरण करते हुए आई गिरी नंदिनी....से मंगलारंभ किया। इसके बाद उन्होंने अपना सुप्रसिद्ध गीत शायद कभी ना कह सकूं.... से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। अगला गीत रंजिश ही सही....प्रस्तुत कर सभागार में जादू बिखेर दिया। उन्होंने इसके बाद एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किए।

आईआईटी खड़गपुर और भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण भारत के बीच महत्वपूर्ण समझौता

एजेंसी

खड़गपुर/राजस्थान। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर और भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण भारत (जीएसआई) ने भू-विज्ञान से जुड़े उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान को नई दिशा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। जयपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'अतीत का उत्खनन, भविष्य का निर्माण : जीएसआई के 175 वर्ष' के उद्घाटन समारोह में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान आईआईटी खड़गपुर के भू-विज्ञान एवं भू-भौतिकी विभाग के प्रोफेसर मनीष ए. ममतानी और जीएसआई के महानिदेशक असीत साहा के बीच हुआ। इस अवसर पर औपचारिक हस्ताक्षर आईआईटी खड़गपुर के निदेशक प्रोफेसर सुमन चक्रवर्ती ने किए। कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर सैबल

गुप्ता तथा अनुसंधान एवं विकास के सहयोगी अधिष्ठाता प्रोफेसर अभिजीत मुखर्जी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की गरिमा उस समय और बढ़ गई, जब केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, खनन मंत्रालय के सचिव पियूष गोयल (आईएएस), राजस्थान के खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत (आईएएस) तथा जीएसआई पश्चिमी क्षेत्र, जयपुर के अतिरिक्त महानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष विजय विष्णुपंत मुगल समारोह में उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति ने इस शैक्षणिक-वैज्ञानिक साझेदारी के राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित किया। समझौते के अंतर्गत महत्वपूर्ण खनिजों की खोज-अन्वेषण, भू-तापीय ऊर्जा अध्ययन, ग्रह-भूविज्ञान, पृथ्वी पर प्रारंभिक जीवन के अध्ययन तथा प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम मूल्यांकन जैसे कई उभरते अनुसंधान क्षेत्रों में सहयोग किया जाएगा। इस साझेदारी के माध्यम से संयुक्त शोध परियोजनाएं, आंकड़ा साझाकरण, फील्ड अध्ययन, तकनीकी प्रशिक्षण और शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा, जिससे देश की वैज्ञानिक क्षमता और संसाधन प्रबंधन रणनीतियां और मजबूत होंगी।

दिल्ली में तमिलनाडु पुलिस की बस से भिड़ी कार, दोनों वाहनों में लगी आग

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पश्चिमी जिले के हरि नगर स्थित दिल्ली हाट के समीप सुबह तमिलनाडु पुलिस की एक बस और एक कार टकराने के बाद आग की चपेट में आ गईं। हादसे में दोनों वाहन पूरी तरह जल गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।पुलिस अधिकारी के अनुसार, पूर्वाह्न करीब 11:38 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल मिली कि सड़क पर एक बस में आग लग गई है। हरि नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पाया गया कि तमिलनाडु पुलिस की बस और उसके पीछे चल रही बलेनो कार दुर्घटनाग्रस्त हालत में खड़ी थीं और दोनों वाहन पूरी तरह जल चुके थे। प्राथमिक

जांच में सामने आया है कि बलेनो कार ने पीछे से बस को टक्कर मारी, जिसके बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। दुर्घटना के समय किसी के घायल होने या किसी प्रकार की मौत की सूचना नहीं है। मौके पर फॉरेंसिक टीम और क्राइम टीम को जांच के लिए बुला लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने डीएमआरसी को धूल नियंत्रण और सफाई के दिए सख्त निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) को सख्त निर्देश दिए हैं कि वह अपने विभिन्न निर्माण स्थलों पर प्रभावी धूल नियंत्रण उपाय अनिवार्य रूप से लागू करे। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी कीमत पर निर्माण गतिविधियों से प्रदूषण न फैले। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश जारी किए हैं कि मेट्रो अपने एलिवेटेड रूट के नीचे कूड़ा-कचरा हटाकर वहां नियमित सफाई की व्यवस्था करे। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही मेट्रो के निर्माणाधीन स्थलों का दौरा करेंगी और वहां प्रदूषण को लेकर लापरवाही पाई गई तो मेट्रो के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आज दिल्ली मेट्रो रेल निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में सरकार के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, मुख्य सचिव राजीव वर्मा, दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने इस बात पर नाराजगी जताई कि उन्हें लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि मेट्रो के अधिकांश निर्माणाधीन स्थलों पर धूल उड़ रही है और वहां धूल से बचाव के प्रभावी प्रयास नहीं किए गए हैं। लोग यह भी शिकायत कर रहे

हैं कि जहां मेट्रो का कार्य पूरा हो गया है, वहां सड़कों-फुटपाथ आदि को ठीक नहीं किया जा रहा है, जिस कारण प्रदूषण फैल रहा है, साथ ही यातायात भी बाधित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वयं भी देखा है कि मेट्रो के एलिवेटेड रूट के नीचे गंदगी और कूड़े के ढेर नजर आ रहे हैं, वहां साफ-सफाई को लेकर लापरवाही बरती जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा लगता है कि मेट्रो एलिवेटेड रोड का प्रयोग विज्ञापनों के लिए ही कर रहा है और वहां सफाई नहीं की जा रही है। मुख्यमंत्री ने ऐसे एलिवेटेड रोड के उदाहरण भी दिए और कहा इस तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मेट्रो अधिकारियों ने जानकारी दी कि निर्माणाधीन स्थलों पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है और वहां धूल आदि को रोकने के उपाय किए जा रहे हैं। मेट्रो अधिकारियों ने यह भी कहा कि मेट्रो एलिवेटेड रूट के नीचे की सफाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि दूसरे विभागों के पास भी इनकी सफाई का जिम्मा है।

हत्या की गुत्थी सुलझी, तीन नाबालिग समेत चार को पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के हजरत निजामुद्दीन इलाके में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन नाबालिग समेत चार लोगों को पकड़ा है। युवक का शव बरापुला फ्लाईओवर के नीचे मिला था। पुलिस ने मृतक की कार, खून लगे कपड़े और वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। दक्षिण पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि तीन दिसंबर की सुबह पीसीआर को कॉल मिली कि हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के पास बरापुला फ्लाईओवर के नीचे एक युवक का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में मृतक की पहचान कुलदीप उर्फ राम सिंह (27) के रूप में हुई। कुलदीप मूलतः जोरियाम गांव जिला अयोध्या (उप्र) के रहने वाले थे। उक्त ममले में हजरत निजामुद्दीन थाना पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जिले की स्पेशल स्टाफ, एसटीएफ, नार्कोटिक्स स्क्वाड और चौकी सराय काले खां की संयुक्त टीम को लगाया गया।

पीडब्ल्यूडी और जीएमआर के बीच आजादपुर मार्केट से इंद्रलोक तक सड़क सौंदर्यीकरण को लेकर समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और जीएमआर समूह के बीच आजादपुर मार्केट से इंद्रलोक तक सड़क सौंदर्यीकरण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। यह समझौता इस व्यस्त कॉरिडोर को एक सुंदर, सुव्यवस्थित और सुरक्षित शहरी मार्ग में बदलने की दिशा में कदम है। मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति जारी में बताया कि अन्य कंपनियों के सीएसआर फंड से दिल्ली की और सड़कें भी सुधारी जाएंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी में प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। यह लड़ाई केवल सरकार की नहीं बल्कि दिल्ली के प्रत्येक नागरिक की भी है।इस साझेदारी के तहत जीएमआर इस सड़क खंड का मेंटेनेंस, जेट क्लीनिंग, ड्रिप सिंचाई, पौधारोपण और सौंदर्यीकरण का कार्य करेगा। इस परियोजना पर लगभग 6 करोड़ रुपये का व्यय जीएमआर द्वारा अपने सीएसआर के अंतर्गत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि

सरकार प्रदूषण के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ रही है। अब बड़ी कंपनियों को भी 'प्रदूषण के विरुद्ध युद्ध' में भागीदार बनाया जा रहा है। इसी कड़ी में जीएमआर के साथ एक समझौता ज्ञापन साइन किए गए। इस करार के तहत आजाद मार्केट से इंद्रलोक तक का पूरा मार्ग जीएमआर को सौंदर्यीकरण, मेंटेनेंस, जेट क्लीनिंग और वृक्षारोपण के लिए सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि दिल्ली सरकार विभिन्न कंपनियों के सहयोग से राजधानी के कई प्रमुख सड़कों और फ्लाईओवरों को सीएसआर फंड के माध्यम से पुनर्विकसित और सौंदर्यीकरण का कार्य करने जा रही है, इन सड़कों में मधुबन चौक से मुकरबा चौक तक, चिराग दिल्ली फ्लाईओवर, पंचशील क्लब फ्लाईओवर, आईआईटी फ्लाईओवर, पंजाबी बाग फ्लाईओवर, अरविंदो मार्ग, मुनिरका फ्लाईओवर, नेताजी सुभाष पैलेस फ्लाईओवर, ओबेरॉय-लोदी रोड फ्लाईओवर, करमपुरा फ्लाईओवर आदि शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी को स्वच्छ, हरित और प्रदूषण-मुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से अपील की कि सभी को पर्यावरण रक्षक बनकर अपना दायित्व निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग कारपूलिंग करें, लकड़ी या कोयला न जलाएं, बायोमास जलाने से बचें आदि में सहयोग करें। दिल्ली तभी साफ-सुथरी और सुरक्षित रहेगी, जब इसके नागरिक इस लड़ाई में एकजुट होकर भाग लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाएगी। इसके अतिरिक्त, वर्क-फ्रॉम-होम अपनाने की अपील की गई, ताकि सड़कों पर वाहनों का दबाव कम किया जा सके।

मप्र के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता वीरा के शावक की मौत

एजेंसी

श्योपुर। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में दक्षिण अफ्रीकी मादा चीता वीरा के 10 महीने के शावक की मौत हो गई। उसे मादा चीता वीरा और दूसरे शावक के साथ एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बाड़े से कूनो के पारोंद क्षेत्र में खुले जंगल में रिलीज किया था। शाम पारोंद के जंगल में शावक का शव मिला है। चीता प्रोजेक्ट के फील्ड डायरेक्टर उत्तम कुमार शर्मा ने बताया कि शावक की मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। प्रारंभिक जांच में किसी तरह की चोट या संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं। उन्होंने बताया कि वीरा और उसका दूसरा शावक पूरी तरह सुरक्षित हैं। उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। कूनो में चीतों की गतिविधियों और स्वास्थ्य पर चौबीसों घंटे नजर रखी जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन

यादव ने श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस पर तीन चीतों को स्वच्छंद विचरण के लिये बाड़े से अभयारण्य में छोड़ा था। इनमें मादा चीता वीरा और उसके दो शावक शामिल हैं। बताया गया है कि गुरुवार देर रात ही ये शावक अपनी मां से अलग हो गया था। इसकी खोज की गई। शाम को पारोंद के जंगल में उसका शव मिला है। फील्ड डायरेक्टर उत्तम शर्मा ने बताया कि इस शावक की मौत के बाद कूनो नेशनल पार्क में चीतों की कुल संख्या अब 28 रह गई है। इनमें 8 वयस्क चीते (5 मादा और 3 नर) और भारत में जन्मे 20 शावक शामिल हैं। पार्क के अन्य सभी चीते स्वस्थ बताए गए हैं। चीता प्रोजेक्ट के अधिकारी इस घटना की बारीकी से जांच कर रहे हैं। इसमें शावकों के प्राकृतिक व्यवहार, क्षेत्र में मौजूद खतरों और निगरानी प्रणाली की समीक्षा भी शामिल है।

क्विंटन डी कॉक का 'विराट' रिकॉर्ड, सचिन-रोहित के क्लब में शामिल, भारत के खिलाफ जड़ा 7वां शतक

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ क्विंटन डी कॉक ने अपने 13,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लिए हैं और इस विशिष्ट क्लब में शामिल होने वाले अपने देश के सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने विशाखापत्तनम में भारत के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। ??इस अनुभवी विकेटकीपर ने भारत के खिलाफ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पहले दो मैचों में दो कम स्कोर से उबरते हुए प्रोटियाज़ के लिए अपना 23वाँ एकदिवसीय शतक जड़ा। उन्होंने 89 गेंदों में आठ चौकों और छह छक्कों की मदद से 119.10 के स्ट्राइक रेट से 106 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका के लिए अब तक 311 अंतरराष्ट्रीय मैचों में, डी कॉक ने 40.24 की औसत और 93.71 के स्ट्राइक रेट से 13,088 रन बनाए हैं, जिसमें 347 पारियों में 30 शतक और 70 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 178 रहा है। इस शतक के साथ, वनडे में उनके अर्धशतक से शतक तक पहुँचने की दर बढ़कर 41.81 प्रतिशत हो गई है, जो भारतीय वनडे के उस्ताद विराट कोहली (41.40 प्रतिशत) से ज़्यादा है। डी कॉक ने वनडे में 55 अर्धशतक लगाए हैं, जिनमें से 23 शतकों में बदले हैं।

इसके अलावा, उन्होंने 23-23 शतकों के साथ, एक विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा की बराबरी कर ली है। डी कॉक ने एक अन्य श्रीलंकाई दिग्गज सनथ जयसूर्या के साथ एकदिवसीय क्रिकेट में भारत के खिलाफ संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में बराबरी कर ली है। उन्होंने केवल 23 पारियों में भारत के खिलाफ अपना सातवां शतक पूरा किया है, जबकि जयसूर्या ने 85 पारियों में ये सात शतक लगाए थे। भारत के खिलाफ 23 एकदिवसीय मैचों में, क्विंटन ने 51.78 की औसत और 93 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 1,191 रन बनाए हैं, जिसमें सात शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 है। भारत में अपने सातवें शतक के साथ, डी कॉक विदेशी धरती पर सर्वाधिक वनडे शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर (यूएई में सात शतक), पाकिस्तान के सईद अनवर (यूएई में सात शतक), एबी डिविलियर्स (भारत में सात शतक) और रोहित शर्मा (इंग्लैंड में सात शतक) की श्रेणी में शामिल हो गए हैं।

अर्जुन तेंदुलकर ने किया वह कारनामा, जो सचिन तेंदुलकर टी20 में कभी नहीं कर पाए

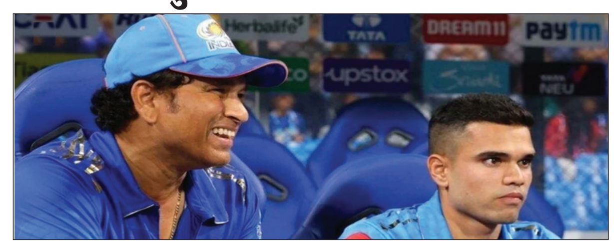

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट लेजेंड सचिन तेंदुलकर के बेटे और युवा ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर ने घरेलू क्रिकेट में ऐसा कमाल कर दिखाया है, जो उनके पिता भले ही क्रिकेट के भगवान माने जाते हों, लेकिन अपने टी20 करियर में कभी नहीं कर सके। मुंबई इंडियंस की ओर से आईपीएल खेल चुके अर्जुन को आगामी मिनी ऑक्शन से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने ट्रेड कर लिया है। फिलहाल वे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गोवा की ओर से खेल रहे हैं और शानदार प्रदर्शन कर चर्चा में छाए हुए हैं। 26 वर्षीय अर्जुन तेंदुलकर इस बार टूर्नामेंट में गोवा के लिए ओपनर की नई जिम्मेदारी निभा रहे हैं और साथ ही पारी की शुरुआत नई गेंद के साथ गेंदबाजी से भी कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए और बल्लेबाजी में 10 गेंदों पर 16 रन भी जोड़े। मौजूदा सीज़न में अब तक उनके प्रदर्शन में पांच मैचों में 70 रन और आठ विकेट शामिल हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को साबित करने के लिए पर्याप्त हैं।

यह उपलब्धि सचिन तेंदुलकर के टी20 करियर से तुलना में बेहद खास है। सचिन ने भले ही टी20 मैचों में ओपनिंग बल्लेबाज की भूमिका निभाई हो, लेकिन उन्होंने कभी ओपनिंग बॉलिंग नहीं की। मास्टर ब्लास्टर ने अपने पूरे टी20 करियर में 96 मैच खेले, जिनमें उन्होंने सिर्फ 93 गेंदें फेंकी और कुल दो विकेट हासिल किए। इसके मुकाबले अर्जुन टी20 में नियमित रूप से नई गेंद संभाल रहे हैं और अब तक 29 मैचों में 35 विकेट झटक चुके हैं। इस अंतर को देखकर यह साफ झलकता है कि अर्जुन ने मैदान पर अपने पिता से अलग पहचान बनाने का रास्ता चुना है।

अर्जुन 2022/23 सीज़न से पहले मुंबई की टीम छोड़कर गोवा की ओर से खेलने लगे थे। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में अपने करियर की शुरुआत शानदार शतक के साथ की थी और वर्तमान में गोवा के लिए तीनों फॉर्मेट में खेल रहे हैं। उनके फर्स्ट क्लास करियर में 22 मैचों में 48 विकेट और 620 रन शामिल हैं, जिनमें एक शतक और दो अर्धशतक भी हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में 18 मैचों में 25 विकेट और 102 रन उनके नाम हैं। दूसरी ओर, सचिन तेंदुलकर ने भारत के लिए केवल एक टी20 इंटरनेशनल मैच 2006 में खेला था, जबकि आईपीएल 2010 में 618 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। आज अर्जुन तेंदुलकर की प्रगति और लगातार बेहतर होते प्रदर्शन ने उन्हें देश के सबसे चर्चित युवा ऑलराउंडरों में शामिल कर दिया है, और क्रिकेट विशेषज्ञ उन्हें भविष्य का बड़ा सितारा मान रहे हैं।

भारत ने 20 वनडे टॉस हारने के बाद साउथ अफ्रीका के खिलाफ जीता टॉस

–खत्म हुआ 751 दिन का सूखा, लगातार 20 हार के बाद जीता टॉस

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ विशाखापत्तनम वनडे में लंबे इंतजार के बाद टॉस जीतकर फैंस को राहत दी। नए कप्तान केएल राहुल की अगुवाई में टीम ने आखिरकार 20 मैचों तक लगातार टॉस हारने का सिलसिला तोड़ दिया। भारत ने टॉस जीतने के बाद गेंदबाजी का फैसला किया, जिससे कप्तान को अपनी रणनीति अनुसार खेल शुरू करने का मौका मिला।

इससे पहले रांची और रायपुर में भारत को टॉस जीतने में सफलता नहीं मिली थी। शुभमन गिल के बाहर होने के बाद भी टॉस का रुख टीम के पक्ष में नहीं था। रांची में टॉस हारने के बाद रायपुर के मुकाबले में भी यही कहानी दोहराई गई, जिससे फैंस निराश हुए थे। लेकिन विशाखापत्तनम में आखिरकार भारतीय टीम को वह खुशी मिली जिसका इंतजार था।

केएल राहुल के टॉस जीतने के पीछे एक दिलचस्प कहानी भी सामने आई है। उन्होंने शुरुआती दो मैचों में टॉस के लिए सिक्का बाएं हाथ से उछाला था, लेकिन इस मैच में दाएं हाथ से कोइन फ्लिक किया। इसके साथ ही टीम के मेंटोर हर्षित राणा ने फिंगर क्रॉस करके खड़े होकर शुभकामना दी कि टॉस भारत के पक्ष में जाए। इस छोटे-छोटे टोटकों का असर पड़ा और भारत ने टॉस जीतकर अपनी रणनीति पर काम करने का अवसर पाया।

फीफा विश्व कप 2026: फुटबॉल का महाकुंभ 11 जून से

–इस बार 48 टीमों के साथ होगा सबसे बड़ा टूर्नामेंट

– कुल 104 मुकाबले होंगें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल महोत्सव फीफा विश्व कप 2026 का आगाज़ 11 जून से होने जा रहा है। इस बार टूर्नामेंट में कई मायनों में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिलेंगे, जिनमें सबसे बड़ा बदलाव टीमों की संख्या का 32 से बढ़कर 48 होना है। इसके साथ ही मैचों की संख्या भी बढ़कर 104 हो गई है, जबकि पिछले संस्करण 2022 कतर विश्व कप में 64 मुकाबले खेले गए थे। 2026 फीफा वर्ल्ड कप अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से आयोजित होगा और फाइनल मुकाबला न्यूयॉर्क के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। वॉशिंगटन डीसी के कैनेडी सेंटर में फीफा विश्व कप ड्रॉ का आयोजन किया गया, जहां 12 ग्रुप में टीमों का विभाजन तय किया गया। ड्रॉ कार्यक्रम के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद रहे और उन्हें फीफा पीस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच मैक्सिको और साउथ अफ्रीका के बीच प्रतिष्ठित एस्टाडियो अज्टेका स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दुनिया ने पहले भी कई ऐतिहासिक मैचों का गवाह देखा है। ड्रॉ के परिणामों के अनुसार, मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना अपने अभियान की शुरुआत अल्जीरिया के खिलाफ करेगी। दोनों टीमों को ग्रुप 'जे' में रखा गया है, जहां उनके साथ ऑस्ट्रिया और जॉर्डन भी मुकाबला करेंगी। अर्जेंटीना को इस बार का ग्रुप अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है, और यही स्थिति दो अन्य दावेदार टीमों स्पेन और इंग्लैंड के लिए भी है। वहीं फ्रांस को चुनौतीपूर्ण ग्रुप मिला है, जहां फुटबॉल जगत के दो सबसे बड़े सुपरस्टार किलियन एमबापे (फ्रांस) और एर्लिंग हालैंड (नॉर्वे) होंगे।

यूरोपीय चैंपियन स्पेन ग्रुप 'एच' में केप वर्डे के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टूर्नामेंट में 16 नई टीमों को जोड़ा गया है, जिससे फुटबॉल के वैश्विक विस्तार का स्पष्ट संकेत मिलता है और छोटे फुटबॉल देशों को विश्व मंच पर अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा। अधिकांश मुकाबले अमेरिका में खेले जाएंगे, जहां विशाल दर्शक क्षमता वाले स्टेडियमों में रोमांच का माहौल देखने को मिलेगा। फीफा विश्व कप 2026 सिर्फ फुटबॉल का उत्सव नहीं, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए भावना, जुनून और उम्मीदों का संगम बनने जा रहा है। अब निगाहें इस पर होंगी कि 19 जुलाई को कौन सी टीम विश्व फुटबॉल की नई चैंपियन बनकर उभरती है।

विश्व कप के सभी 12 ग्रुप

ग्रुप ए : मेक्सिको, साउथ अफ्रीका, साउथ कोरिया, यूईएफए प्लेऑफ डी

ग्रुप बी : कनाडा, यूईएफए प्लेऑफ ए, कतर, स्विट्जरलैंड

ग्रुप सी : ब्राजील, मोरक्को, हैती, स्कॉटलैंड

ग्रुप डी : यूएसए, पैराग्वे, ऑस्ट्रेलिया, यूईएफए प्लेऑफ सी

ग्रुप ई : जर्मनी, कुराओ, आइवरी कोस्ट, इक्वाडोर

ग्रुप एफ : नीदरलैंड, जापान, यूईएफए प्लेऑफ बी, ट्यूनीशिया

ग्रुप जी : बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड

ग्रुप एच : स्पेन, केप वर्डे, सऊदी अरब, उरुग्वे

ग्रुप आई : फ्रांस, सेनेगल, फीफा प्लेऑफ 2, नॉर्वे

ग्रुप जे : अर्जेंटीना, अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया, जॉर्डन

ग्रुप के : पुर्तगाल, फीफा प्लेऑफ 1, उज्बेकिस्तान, कोलंबिया

ग्रुप एल : इंग्लैंड, क्रोएशिया, घाना, पनामा

भारत ने आयरलैंड को 4–0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की

सैंटियागो (चिली)। भारत ने जूनियर विमेंस वर्ल्ड कप 2025 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को अपने आखिरी पूल सी मुकाबले में आयरलैंड को 4–0 से हराकर मजबूत जीत दर्ज की। सैंटियागो के एस्टाडियो नेशनल के सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम शुरुआत से ही आक्रामक मूड में दिखाई दी। मैच की शुरुआत मात्र 12 सेकंड बाद ही भारत ने पहला पेनाल्टी कॉर्नर अर्जित किया, हालांकि इसे गोल में तब्दील नहीं किया जा सका। इसके बावजूद टीम इंडिया ने निरंतर दबाव बनाए रखा और आयरलैंड की डिफेंस लाइन को बैकफुट पर रखा। 10वें मिनट में भारत को दूसरा पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन एक बार फिर गोल करने का मौका हाथ से निकल गया। हालांकि 12वें मिनट में भारतीय टीम ने वह हासिल की जिसका इंतज़ार था।

चोट के बाद वापसी को तैयार रियान पराग, बोले– फिर से टीम इंडिया की जर्सी पहनूंगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा ऑलराउंडर रियान पराग ने वनडे और टी20 टीम से बाहर होने को लेकर खुलकर बात की है। पराग ने स्वीकार किया कि टीम से बाहर होना उनके लिए बड़ा झटका था, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी हार नहीं मानी और लगातार अपने खेल को बेहतर करने में लगे रहे। हाल ही में कंधे की चोट से पूरी तरह फिट होने के बाद पराग का विश्वास है कि यदि उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार मौके मिले, तो वह दोबारा टीम इंडिया में जगह बनाने में सफल होंगे। रियान पराग ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था और इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भी उन्हें टीम में चुना गया था। वनडे डेब्यू में पराग ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए थे, लेकिन बल्लेबाजी में वह केवल 15 रन ही बना पाए, जिसके चलते उन पर सवाल उठे। हालांकि, पराग का मानना है कि फॉर्म के कारण नहीं बल्कि चोट की वजह से वह टीम से बाहर हुए। एक अंग्रेजी अखबार से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने भारत के लिए ठीक–ठाक प्रदर्शन किया था। आप इसे मेरा विश्वास कह सकते हैं या ओवरकॉन्फिडेंस, लेकिन सच यही है कि मेरी कंधे की चोट ने मुझे पीछे धकेला। अगर मैं चोटिल नहीं होता तो मुझे यकीन है कि मैं दोनों व्हाइट–बॉल फॉर्मेट में खेल सकता था। जब भी मैं पूरी तरह फिट हो जाऊंगा, आप मुझे दोबारा भारत की जर्सी में देखेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया की 177 रनों की बड़ी बढ़त, इंग्लैंड की ठोस शुरुआत, डकेट-क्रॉली का धैर्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेन डकेट और जैक क्रॉली ने लचीलापन दिखाया और दोनों छोर संभालते हुए ब्रिस्बेन में खेले जा रहे डे-नाइट एशेज टेस्ट के तीसरे दिन डिनर तक इंग्लैंड को बिना किसी नुकसान के 45 रन पर पहुँचा दिया। ऑस्ट्रेलिया इससे पहले 511 रनों पर ढेर हो गया था और उसे 177 रनों की विशाल बढ़त हासिल हो गई थी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (13*) और जैक क्रॉली (26*) डिनर तक नाबाद रहे और उन्होंने एक ठोस साझेदारी की। इंग्लैंड ने केवल छह ओवरों में 45 रन बनाकर इस घाटे को पूरा कर लिया। मिशेल स्टार्क ने शानदार 77 रनों की पारी खेली और वह दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष स्कोरर रहे।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र की शुरुआत 99 ओवरों में 450/8 के स्कोर पर की और 116 रनों की बढ़त हासिल कर ली। स्टार्क (46*) और स्कॉट बोलैंड (7*) क्रीज पर नाबाद थे। स्टार्क ने दूसरे सत्र के पहले ही ओवर में विल जैक्स की गेंद पर मिडविकेट की ओर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। इस अर्धशतक के साथ, स्टार्क उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए जिन्होंने डे-नाइट टेस्ट मैच में 50 या उससे अधिक रन बनाए और पाँच विकेट लिए।

वह दिलरुवान परेरा और जेसन होल्डर की सूची में शामिल हो गए। स्टार्क अब टेस्ट मैचों में नौवें नंबर के बल्लेबाज के तौर पर सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज खिलाड़ी ने 64 टेस्ट मैचों की 77 पारियों में 22.34 की औसत से 1,408 रन बनाए हैं, जिसमें आठ अर्धशतक और 99 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। स्टार्क ने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड को पीछे छोड़ दिया है।

109वें ओवर में स्टार्क ने गस एटकिंसन को आउट किया और उनके ओवर में दो चौके जड़कर स्कोर 150 के पार पहुंचाया। 111वें ओवर में ब्रायडन कार्से ने आखिरकार स्टार्क को आउट कर दिया और 141 गेंदों पर 77 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ब्रेंडन डोगेट भी बोलंड के साथ क्रीज पर आए। जैक ने 117वें ओवर में डोगेट को 13 रन पर आउट करके ऑस्ट्रेलियाई पारी का रुख मोड़ दिया। बोलैंड और डोगेट ने आखिरी विकेट के लिए 20 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को 117.3 ओवर में 511 रन तक पहुँचाया। इससे पहले, शनिवार को गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे दूसरे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम रहा और उसने तीसरे दिन चायकाल तक 99 ओवर में 8 विकेट पर 450 रन बनाकर 116 रनों की बढ़त बना ली।

हरभजन को विराट, रोहित के एकदिवसीय विश्वकप तक खेलने की उम्मीद

शारजाह। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अगले विश्वकप में खेलने की इच्छा जाहिर की है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समित ने अभी तक इसको लेकर कोई जवाब नहीं दिया है। इसी पर तंज कसते हुए दिग्गज स्पिनर स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि कि रोहित और विराट जैसे स्टार खिलाड़ियों का भविष्य ऐसे लोग तय कर रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में कोई विशेष उपलब्धि नहीं हासिल नहीं हैं हालांकि हरजन को उम्मीद है कि यह जोड़ी साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप तक खेलती रहेगी। रोहित 38 वर्ष के हैं और विराट कोहली 37 वर्ष के तथा यह दोनों अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने अभी तक इनके विश्वकप में खेलने को लेकर कुछ नहीं कहा है।

शादी टलने के बाद स्मृति मंधाना का पहला पोस्ट वायरल, आवाज में बदलाव सुनकर फैंस हुए चिंतित

नई दिल्ली (ईएमएस)। म्यूजिक कंपोज़र पलाश मुच्छल और भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना की शादी 23 नवंबर को होने वाली थी, लेकिन समारोह से ठीक पहले अचानक स्थिति बदल गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी से कुछ दिनों पहले ही स्मृति के पिता की तबीयत काफी बिगड़ गई, जिसके बाद दोनों परिवारों ने यह निर्णय लिया कि शादी को आगे बढ़ाया जाए। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम के बाद सोशल मीडिया पर तरह–तरह की अफवाहें फैलने लगीं कि शायद दोनों के रिश्ते में कोई तनाव है, लेकिन आधिकारिक तौर पर ऐसा कुछ भी पुष्टि नहीं की गई। लगातार चर्चाओं और अटकलों के बीच अब स्मृति मंधाना ने 11 दिन बाद सोशल मीडिया पर अपनी पहली पोस्ट साझा की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक टूथपेस्ट ब्रांड का विज्ञापन वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे अपने अनुभवों और खेल में आने वाले भावनात्मक पलों के बारे में बात करती दिखाई देती हैं। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा 'जीत के पल, ईमानदार बातचीत और वे अनुष्ठान जो खेल का पूरा समीकरण बदल देते हैं।' पोस्ट सामने आते ही फैंस ने न सिर्फ वीडियो पर प्रतिक्रिया दी, बल्कि उनकी आवाज़ में आए बदलाव को लेकर भी चिंता जताई। कई प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में लिखा कि उनकी आवाज भारी लग रही है और ऐसा महसूस होता है जैसे वे किसी भावनात्मक दौर से गुजर रही हों। एक यूजर ने पूछा 'आवाज को क्या हो गया? आप ठीक तो हैं?' वहीं एक अन्य ने लिखा 'लगता है बहुत रोई हैं, आवाज बदल गई है।' एक टिप्पणी में कहा गया 'आपकी आवाज बहुत कुछ कह रही है, उम्मीद है आप ठीक होंगी।' इन प्रतिक्रियाओं से साफ झलकता है कि उनके समर्थक उनकी मानसिक और भावनात्मक स्थिति को लेकर काफी चिंतित हैं। साथ ही कुछ फैंस ने यह भी नोटिस किया कि वीडियो के दौरान स्मृति के हाथ में इंगेजमेंट रिंग दिखाई नहीं दी। इससे एक नया सवाल उठा कि वे अंगूठी क्यों नहीं पहन रही हैं। एक फैन ने लिखा 'मुस्कान में दर्द नजर आ रहा है, और रिंग नहीं दिख रही।' हालांकि इस पर स्मृति या उनके परिवार की ओर से अब तक कोई बयान सामने नहीं आया है। फैंस लगातार उन्हें मजबूत बने रहने, खुद का ख्याल रखने और नकारात्मक खबरों से दूरी बनाने की सलाह दे रहे हैं। शादी टलने के बाद आया यह पहला पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है और चर्चा का विषय बना हुआ है।

जर्मनी के खिलाफ गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं होगी : जूनियर हॉकी कोच श्रीजेश

चेन्नई (एजेंसी)। खिताब से दो जीत दूर भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच पी आर श्रीजेश से एक ही सलाह मिली है कि अभी काम पूरा नहीं हुआ है और अपने पैर जमीन पर रखने हैं। भारत ने आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद शूटआउट तक खिंचे क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 4-3 से हराया लेकिन दो बार के ओलंपिक पदक विजेता रहे कोच श्रीजेश का कहना है कि सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी।

उन्होंने कहा, 'बेल्जियम के खिलाफ पहले 45 मिनट एक गोल से पीछे रहना और फर आखिरी एक मिनट में उन्हें बराबरी का गोल करने का मौका देना, यह मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। आखिरी मिनट में गोल गंवाना, शूटआउट इससे बचना चाहिए।' भारत के महान गोलकीपर रहे श्रीजेश ने कहा, 'अच्छे मूव को फाइनल टच देना जरूरी है। हम लगातार आक्रमण कर रहे थे और मौके बना रहे थे। सर्कल के भीतर गेंद का नियंत्रण नहीं खोना चाहिए। कठिन टीमों के खिलाफ गोल करने के मौके ज्यादा नहीं मिलते हैं और जो भी मौके मिले, उन्हें भुनाना होगा।'

यह पूछने पर कि लीग चरण में आसान चुनौतियों से क्या क्वार्टर फाइनल में दबाव अधिक रहा, श्रीजेश ने कहा, 'लीग दौर के मैच सभी के लिए लगभग बराबर होते हैं। कुछ टीमों को एक कठिन मैच मिल जाता है लेकिन हमने अपनी टीम का स्तर ऊंचा रखने की कोशिश की और उन्हें चुनौतियां दी कि इतने गोल से जीतना है। लेकिन नॉकआउट चरण में दबाव अलग होता है।'

भारत ने राउंड रॉबिन चरण में 29 गोल किए और एक भी नहीं गंवाया था। कोच ने आगे कहा, 'क्वार्टर फाइनल से ज्यादा दबाव अब सेमीफाइनल में होगा। क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम क्वालीफाई नहीं कर सकी। हम किसी टीम को हलके में नहीं ले सकते। जर्मन टीम पूरी तैयारी के साथ उतरेगी लिहाजा हमे अपने खेल में सुधार करना होगा।' उन्होंने यह भी बताया कि अपने युवा खिलाड़ियों को बेहतरीन मैच जीतने के बाद उन्होंने समझाया कि काम अभी पूरा नहीं हुआ है और आत्ममुग्धता से बचना जरूरी है।

उन्होंने कहा, 'मैने टीम से यही कहा कि पैर जमीन पर रखने हैं और अब फोकस अगले मैच पर करना है। सबसे अहम बात यह है कि अच्छे प्रदर्शन की बजाय गलतियों पर ध्यान दें। डी के भीतर की गई गलतियों को दूर करना होगा।' उन्होंने कहा, 'ये खिलाड़ी सिर्फ जूनियर विश्व कप खेलने के लिये नहीं है, इन्हें आगे भारतीय टीम में खेलना है और इस दबाव का सामना करना आना ही चाहिए। आगे ओलंपिक, एशियाई खेल, विश्व कप, राष्ट्रमंडल खेल सब खेलना है। अभी शुरूआती कदम है और यहां अच्छा खेलने पर आगे की राह आसान हो जाएगी।'

अंपायर से बहस पर फखर जमान पर 10फीसदी मैच फीस का जुर्माना

दुबई। पाकिस्तान के बैटर फखर जमान पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई 29 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ खेले गए ट्राई–सीरीज फाइनल मुकाबले में आचार संहिता उल्लंघन के मामले में की गई। जमान को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल–1 आर्टिकल 2.8 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ द्वारा अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति व्यक्त करने से संबंधित है। यह घटना पाकिस्तान की पारी के 19वें ओवर में हुई, जब फखर जमान ऑन–फील्ड अंपायर के फैसले से असहमत नजर आए और मैदान पर अंपायरों के साथ लंबी बहस में शामिल हो गए। विवाद उस समय शुरू हुआ जब एक निर्णय के चलते उन्हें अपना विकेट गंवाना पड़ा। इस दौरान उनका व्यवहार मैच अधिकारियों की दृष्टि में खेल भावना के विरुद्ध माना गया, जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। आईसीसी ने फखर जमान के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा है। यह पिछले 24 महीनों में उनके लिए पहला डिमेरिट पॉइंट है। नियमों के अनुसार लेवल–1 के उल्लंघन में अधिकतम 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना और एक या दो डिमेरिट पॉइंट लगाए जा सकते हैं, जबकि न्यूनतम सज़ा चेतावनी होती है।

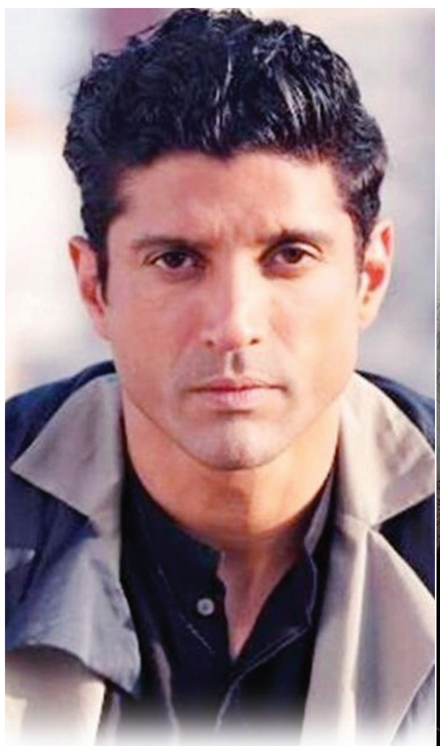

आलिया-प्रियंका और कटरीना की 'जी ले जरा' पर फरहान ने दी बड़ी अपडेट

अब से लगभग चार साल पहले साल 2021 में फरहान अख्तर ने एक नई फिल्म की घोषणा की थी। 'दिल चाहता है' के बाद फरहान ने आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा और कटरीना कैफ को लेकर 'जी ले जरा' की अनाउंसमेंट की थी। इसे एक ट्रैवल-ड्रामा फिल्म बताया गया था। लेकिन बाद में फिल्म को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया और फिल्म टल गई। अब फरहान अख्तर ने इस फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट दी है। जिसने फैंस को फिर से उत्साहित कर दिया है।

जल्द शुरू होगा फिल्म पर काम

डेक्कन क्रॅनिकल के साथ हालिया बातचीत में फरहान ने 'जी ले जरा' को लेकर स्पष्ट किया कि फिल्म पर काम जल्द ही फिरसे शुरू होगा। निर्देशक ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो कलाकारों की तारीखें पाने की कोशिश करना दर्दनाक था। लेकिन हमने सब सुलझा लिया है। हम जल्द ही शुरू करेंगे। फरहान के इस स्पष्टिकरण के बाद अब फैंस आलिया, प्रियंका और कटरीना को साथ देखने के लिए उत्साहित हैं।

एक समय ठंडे बस्ते में जाने वाली थी 'जी ले जरा'

पिछले दिनों यूट्यूब चैनल अनफिल्टर्ड विद समदीश के साथ बातचीत के दौरान फरहान ने ही ये बताया था कि एक वक्त 'जी ले जरा' ठंडे बस्ते में जाने के करीब पहुंच गई थी। फरहान ने बताया था कि अभिनेत्रियों की डेट्स को लेकर काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। इसके चलते शूटिंग में देरी होती चली गई। जबकि 'जी ले जरा' की वजह से ही फरहान ने अपने एक्टिंग प्रोजेक्ट्स को भी होल्ड पर रखा था। नतीजन एक वक्त ऐसा आया जब मेकर्स फिल्म को बंद करना चाहते थे। लेकिन फिलहाल अब फरहान ने नई अपडेट में ये साफ किया है इस फिल्म पर काम जल्द ही फिरसे शुरू होगा।

मां बन चुकी हैं फिल्म की तीनों हीरोइन

हालांकि, फिल्म की घोषणा के बाद से काफी कुछ बदल गया है। प्रियंका के अलावा अब फिल्म की बाकी दोनों हीरोइन आलिया भट्ट और कटरीना कैफ भी मां बन चुकी हैं। कटरीना ने इसी साल बेटे को जन्म दिया है। वहीं आलिया और प्रियंका अपने आगामी प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं।

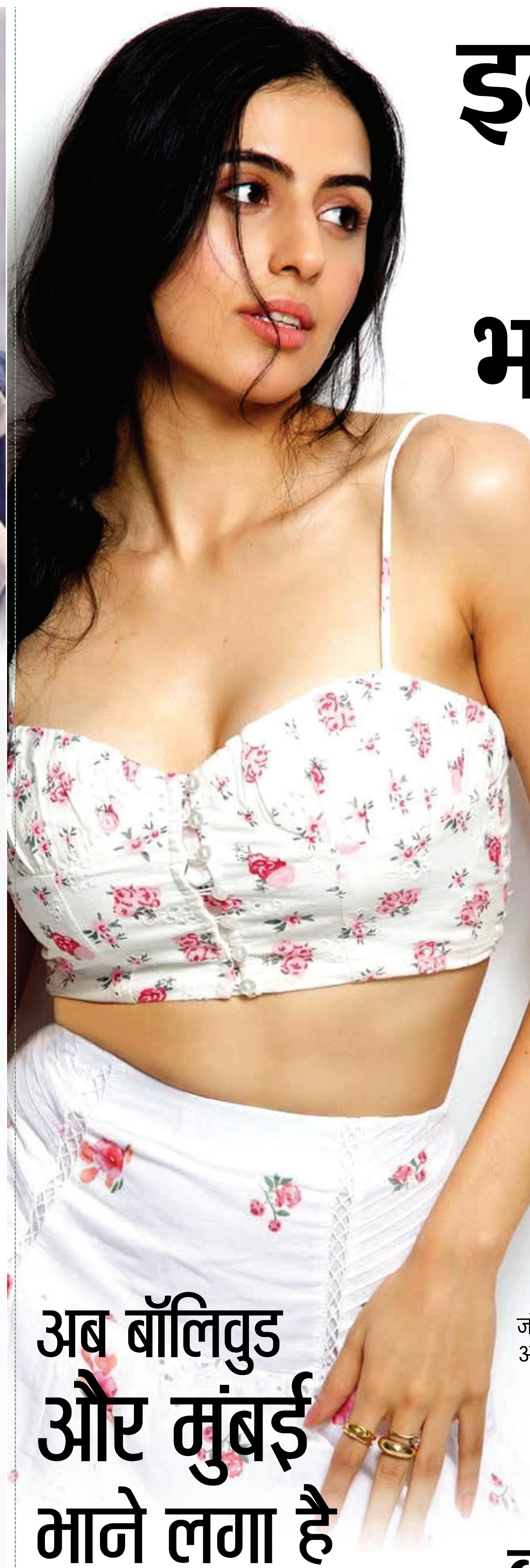

इक्कीस से डेब्यू करेंगी अक्षय की भांजी सिमर भाटिया

साल 2025 की शुरुआत में शनाया कपूर, अमान देवगन, इब्राहिम अली खान, राशा थडानी और अहान पांडे समेत कई स्टारकिड्स ने बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इनमें से कुछ हिट हुए, तो कुछ आते ही फ्लॉप हो गए। अब साल के लास्ट में यानी दिसंबर में भी दो स्टार्स बड़े पर्दे के जरिए अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले हैं। इनमें से एक अमिताभ बच्चन के नाती और श्वेता बच्चन के बेटे अगस्त्य नंदा है और दूसरी सिमर भाटिया। सिमर भाटिया बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय की भांजी हैं और फिल्म इक्कीस से डेब्यू कर रही हैं।

फिल्म इक्कीस से करेंगी डेब्यू

फिल्म इक्कीस से अब सिमर भाटिया का पोस्टर जारी हो गया है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए खिलाड़ी कुमार ने अपनी भतीजी के लिए एक स्पेशल नोट लिखा है, जो श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित फिल्म से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने जा रही हैं। अक्षय कुमार ने पोस्ट किया साझा खिलाड़ी कुमार ने इंस्टाग्राम पर सिमर के पोस्टर को साझा करते हुए लंबा-चौड़ा कैप्शन लिखा है। उन्होंने लिखा- तुम्हें एक नन्हीं बच्ची की तरह गोद में उठाने से लेकर आज तुम्हें फिल्मों की दुनिया में कदम रखते हुए देखने तकज सच में जिंदगी पूरा चक्रपूरा कर चुकी है। सिमर, मैंने तुम्हें उस शर्मीली सी बच्ची से एक आत्मविश्वासी युवती बनते देखा है, जो अपनी मां के पीछे छुप जाया करती थी और आज कैमरे के सामने ऐसे खड़ी होती है मानो उसी के लिए पैदा हुई हो। अक्षय ने आगे लिखा- सफर मुश्किल जरूर है, लेकिन तुम्हें जानता हूं, तुम उसी चमक, उसी सच्चाई और उसी जिद्दी हौसले के साथ आगे बढ़ोगी- जो हमारे भाटिया परिवार की पहचान है। हमारा सिद्धांत हमेशा से सिंपल रहा है- काम करो, दिल से करो, और फिर ब्रह्मांड का जादू खुद होता देखते रहो। मुझे तुम पर बहुत गर्व है, बेटाज दुनिया अब सिमर भाटिया से मिलने वाली है, लेकिन मेरे लिए तुम हमेशा से एक सितारा रही हो। जाओ, चमको! जय महादेव।

सिमर भाटिया कौन हैं?

सिमर भाटिया अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। फिल्म निर्माता अलका ने 1997 में वैभव कपूर से शादी की और उनकी पहली संतान सिमर का जन्म हुआ। हालांकि, बाद में दोनों अलग हो गए। 2012 में अलका ने रियल एस्टेट टाइकून सुरेंद्र हीरानंदानी से शादी की।

एक फिल्म क्या फ्लॉप हुई? सब पीछे पड़ गए..., आमिर ने अनाउंस की अगली फिल्म हैप्पी पटेल

आमिर खान प्रोडक्शंस की अगली फिल्म का एलान हो गया है। मिस्टर परफेक्शनिस्ट इस बार एक जासूसी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस। एक मजेदार अनाउंसमेंट वीडियो के साथ फिल्म का एलान किया गया है। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी वीर दास के कंधों पर है। इसमें वे लीड रोल भी अदा करेंगे। उनके साथ मोना सिंह नजर आएंगी।

आमिर खान ने एडवांस में दिया फैंस को न्यू ईयर गिफ्ट

आमिर खान ने अपने फैंस को न्यू ईयर का गिफ्ट एडवांस में दे दिया है। दरअसल, उनकी यह फिल्म जनवरी में रिलीज होने वाली है। आमिर खान प्रोडक्शंस के इंस्टाग्राम अकाउंट से अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया गया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, क्या बनाया से क्या बनाया तक कॉमेडी, एक्शन, रोमांस और कुछ जासूसी चीजों के वाइल्ड राइड के लिए तैयार हो जाइए। हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस। फिल्म की रिलीज डेट का एलान भी कर दिया गया है। यह फिल्म 16 जनवरी, 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के जरिए वीर दास निर्देशन में डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म का टाइटल जितना मजेदार है, उतना ही मजेदार इसका अनाउंसमेंट वीडियो है। इसमें वीर दास और आमिर खान नजर आ रहे हैं। वीडियो में आमिर खान, वीर दास से पूछते दिखे हैं कि आखिर वो फिल्म में एक्शन, रोमांस और यहां तक कि आइटम नंबर को किस अंदाज में दिखाने वाले हैं? आमिर को लगातार यह चिंता सताती दिखती है कि दर्शक इस सब पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे, जबकि उसी समय वीडियो में दूसरे लोग फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आते हैं। उनकी बातचीत का यह मजेदार कंट्रास्ट पूरे अनाउंसमेंट वीडियो को मजेदार बना देता है।

वीर दास ने उड़ाया लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने का मजाक!

आमिर खान वीडियो में वीर दास से फिल्म को लेकर बात करते हैं। वीर दास जो भी बातें बताते हैं आमिर उन पर संदेह जताते जाते हैं और फिल्म फ्लॉप होने का डर उन्हें सताता है। इस पर वीर दास कहते हैं, लाल सिंह चड्ढा भी तो फ्लॉप हुई थी, जिस पर आमिर नाराज होकर वीर दास की पिटाई करने लगते हैं। मगर, थोड़ी ही देर में फिल्म की स्क्रीनिंग से लौटे दर्शक इसकी जमकर तारीफ करते हैं। इसके बाद आमिर खान खुद क्रेडिट लेते हुए वीर दास को गले लगा लेते हैं। वीडियो में यह हिंट भी मिला है कि वीर दास का फिल्म में आइटम नंबर भी है।

अब बॉलिवुड और मुंबई भाने लगा है

दक्षिण की तकरीबन सभी भाषाओं में काम कर चुकीं साउथ की जानी-मानी अभिनेत्री प्रियामणि आज बॉलिवुड में भी फेमस हो चुकी हैं। जवान, आर्टिकल 370 जैसी कई हिंदी फिल्मों में नजर आईं प्रियामणि के लिए ओटीटी गेम चेंजर साबित हुआ है। वेब सीरीज फैमिली मैन के तीनों सीजन में उनके सुचि के किरदार को काफी लोकप्रियता मिली। प्रियामणि ने अपने करियर की शुरुआत भले साउथ से की हो, मगर एक लंबे अरसे से उन्हें हिंदी दर्शक पसंद करने लगे हैं। बेंगलुरु से ताल्लुक रखने वाली प्रियामणि को अब मुंबई रास आने लगा है। मुंबई और बॉलिवुड में काम करने के अपने अनुभव के बारे में वे कहती हैं, आठ साल हो गए हैं मुझे मुंबई में शिफ्ट हुए, मगर अब मुझे मुंबई थोड़ा-थोड़ा पसंद आने लगा है, मगर बेंगलुरु की बात ही कुछ और है, जाहिर है, मैं वहीं पली-बढ़ी हूं। मगर मैं कह सकती हूं कि मुझे यहां का खाना अच्छा लग रहा है, मौसम भा रहा है। लोग अच्छे हैं। वर्क स्पेस की बात की जाए, तो साउथ और बॉलिवुड में दोनों जगह काफी हद तक एक जैसा ही है, मगर यहां टाइमिंग को लेकर थोड़ा-सा काम देरी से होता है। साउथ में हम जल्दी काम शुरू करते हैं। साउथ में हर इंडस्ट्री में 12 घंटे काम होता है। मलयालम में हम ज्यादातर 9 टू 9 शिफ्ट में काम करते हैं। कई बार शिफ्ट इससे ज्यादा भी एक्स्टेंड हो जाती है, ये निर्भर करता है कि कितना काम है।

कृति सेनन की बहन नूपुर अगले महीने करेंगी डेस्टिनेशन मैरिज

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन की शादी की खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, नूपुर सेनन ने सिंगर स्टेबिन बेन के साथ 8-9 जनवरी 2026 को फेयरमोंट पैलेस में उदयपुर में भव्य शादी की तैयारी कर ली है। मेहंदी-संगीत के साथ, यह शादी बेहद निजी और स्टारडम से भरपूर होगी। 8 जनवरी को मेहंदी और संगीत होगा, जबकि 9 जनवरी को मुख्य शादी की रस्में होंगी। नूपुर की शादी में परिवार, करीबी दोस्त और बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री के कुछ बड़े नाम शामिल होंगे। कृति सेनन और उनके दोस्तों के आने की भी पूरी उम्मीद है। नूपुर पिछले कुछ साल से म्यूजिक वीडियो में नजर आ रही हैं। अब वह जल्द ही बॉलीवुड फिल्म में डेब्यू करने वाली हैं।

कौन हैं स्टेबिन बेन

स्टेबिन बेन एक भारतीय गायक और प्लेबैक सिंगर हैं। उन्होंने साहिबा, थोड़ा थोड़ा प्यार, और रूला के गया इश्क जैसे कई हिट गाने गाए हैं। वह एक बहुमुखी कलाकार हैं जिन्होंने बॉलीवुड के कई संगीतकारों और अभिनेताओं के साथ काम किया है।

रणवीर सिंह का दर्जा बहुत ऊंचा है, वह जितने उम्दा एक्टर हैं, उतने ही अच्छे इंसान भी

नमित दास उन एक्टर्स में से हैं, जिन्होंने थिएटर, टीवी, फिल्मों और ओटीटी, चारों मोर्चे पर अपनी छाप छोड़ी है। फिर चाहे किरदार भले ही छोटा हो, नमित अपने अभिनय से उसे यादगार बनाने का हुनर जानते हैं। वेक अप सिड से लेकर सुई धागा और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी फिल्मों में सहयोगी भूमिकाओं में उनकी खूब तारीफ हुई। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी मिनी वेब सीरीज हमारा विनायक को लेकर, जिसमें वह लीड रोल में हैं। स्टार्ट अप की दुनिया और आस्था के मेल को दिखाती इस मिनी सीरीज के बारे में नमित ने खास बातचीत की है। इसके साथ ही उन्होंने रणवीर सिंह के साथ काम करने के अपने अनुभव को शेयर किया है। वह कहते हैं कि रणवीर जितने बेहतरीन एक्टर हैं, उतने ही अच्छे इंसान भी।
नमित दास अपनी सीरीज को लेकर कहते हैं, आस्था और विश्वास का हमारे जीवन में अहम स्थान है। वक्त कितना भी बदल जाए, उस सर्वशक्तिमान के अस्तित्व से इनकार नहीं किया जा सकता। बस होता यह है कि अक्सर हम ईश्वर को बहुत ऊंचे दर्जे पर रख देते हैं, उन्हें पूज्यनीय बना देते हैं, मगर यह शो दिखाता है कि असल में वह हमारे इर्द-गिर्द ही हैं, हमारे दोस्त की तरह हमें दिशा दिखाते हैं और यह चीज मुझे बहुत पसंद आई।

ओवररेटेड होने से बेहतर है अंडररेटेड होना

अपनी पहली फिल्म वेक अप सिड में ही रणबीर कपूर के दोस्त ऋषि के रूप में यादगार भूमिका करने वाले नमित के अभिनय का फलक बेशक थिएटर, ओटीटी, टीवी हर जगह फैला हो, मगर फिल्मों में वह ज्यादार हीरो के दोस्त या रिश्तेदार के रूप में ही दिखे है। क्या उन्हें लगता है कि इंडस्ट्री ने उनके टैलंट के साथ न्याय नहीं किया और उन्हें एक छवि में बांध दिया है? इस पर नमित कहते हैं, पहले तो मुझे इस बात की खुशी है कि आपको लगता है कि मुझे और बेहतर रोल मिलने चाहिए थे, क्योंकि एक अंडररेटेड एक्टर होना एक ओवररेटेड एक्टर होने से हमेशा बेहतर है। असल में, हम एक्टर्स की जर्नी खुद के हाथ में नहीं होती पर मैं ऐसा इंसान हूं कि मेरे पास जो भी मौका आता है, उसका पूरा फायदा उठाता हूं तो मुझे किसी चीज का मलाल नहीं है। नमित ने आगे कहा, मैं ऐसे नहीं सोचता कि मुझे इंडस्ट्री ने यही रोल दिए। मेरी सोच ये रहती है कि जो मिले उसका पूरा फायदा उठाओ तो मुझे अपनी जर्नी पर गर्व है, मगर साथ ही मैं आगे भी बढ़ना चाहता हूं। मेरा सफर खत्म नहीं हुआ है। अब भी बहुत कुछ करने को बचा है। ऐसा नहीं है कि मैं 70 या 80 साल का हो गया हूं, करियर के आखिरी फेज में हूं। खुशकिस्मती से मैंने बहुत कम उम्र में एक्टिंग शुरू की थी तो मेरे पास काफी वक्त है और मेरा जो काम आने वाला है।

हर किरदार को पर्दे पर जिंदा कर देते हैं रणवीर

नमित ने अपने करियर में रणबीर कपूर से लेकर रणवीर सिंह जैसे एक्टर्स और मीरा नायर से लेकर करण जौहर जैसे निर्देशकों के साथ काम किया है। किसके साथ काम करना उनके लिए खास रहा? इस पर वह रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के को-स्टार रणवीर सिंह का नाम लेते हैं। रणवीर की तारीफ करते हुए नमित कहते हैं, रणवीर सिंह बहुत उम्दा एक्टर हैं। वो स्टार भी बहुत बड़े हैं। एक्टर के तौर पर उनका दर्जा बहुत ऊंचा है। मेरी राय में वो जितने अच्छे एक्टर हैं, उतने ही अच्छे इंसान भी हैं। मुझे उनसे प्यार है। वह हर किरदार को ऐसे निभाते हैं जैसे उसे पर्दे पर जिंदा कर देते हैं। उनके साथ काम करके मुझे बहुत मजा आया।

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

ध्यान से सुनो हर बात

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का मिलता है कि तुम ध्यान से सुन नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

कैसे और कितना सुनो?

सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने वाला भी हो। वह किस विषय पर किस गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी है। सुनने वाले की रुचि की बात की जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। कई बार बोलने वाले की सुस्तता की वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि जीवन में भी काम आती है। सुनते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बोलने वाला क्या बोल रहा है और क्यों बोल रहा है। कक्षा में पढ़ाए गए विषय को दूसरे को सुनाना और दूसरे से उस विषय को सुनने से ज्यादा याद होता है।

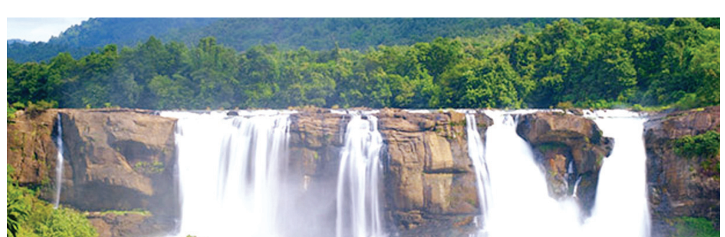

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर कुदरत की अनुपम कारीगरी अथिरापल्ली और वाज्हचाल

दोस्तों, विश्व प्रसिद्ध नयाग्रा जल प्रपात का नाम तो तुमने सुना ही होगा। इसे देखने के लिए हर साल करोड़ों लोग वहां जाते हैं। सैकड़ों फुट ऊपर से गिरता पानी जब नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं, कुदरत की अनुपम कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन श्रंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य जीवन की आश्रय स्थली भी है, एक के बाद एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है अथिरापलली और वाज्हचाल। केरल के थ्रिस्सूर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर 30 किलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां से बांयी और दूसरी सड़क पर 33 किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल प्रपात पड़ेगा। यहां से 4 किलोमीटर और आगे जाएंगे तो वाज्हचाल नाम का दूसरा प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली। यहां एक सुंदर उद्यान है। सामने ही बांस के घने झुरमुटों के बीच से आगे बढ़ने पर अपने संपूर्ण वैभव के साथ प्रवाहित हो रही चालकुडी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढ़ियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गूंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। पिकनिक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्हचाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्हचाल 4 किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगे, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।

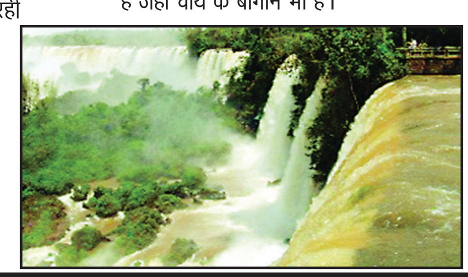

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया।

दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया।

अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है।राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा।

अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।